SOHANLAL TEA TIME
KAJU KATLI 920/-kg
KAJU FRY 1000/-kg
BESAN CHAKI 480/-kg
BESAN SEV NAMKEEN 340/-kg
BEST DRY FRUITS REASONABLE RATE
CHAI PATHI & TEA MASALA
J.N ROAD, ABIDS, HYD-12
PH : 9913217229, 8125212356

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 200 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.10 2082 गुरुवार, 16 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

दवा-सौंदर्य प्रसाधन पर सख्त कानून ला रही मोदी सरकार

जांच-निगरानी होगी कड़ी; मसौदा तैयार

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। कई राज्यों में दूषित कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामलों के बाद केंद्र सरकार दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की सख्त गुणवत्ता जांच और निगरानी के लिए कानून लाने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के अनुसार 'औषधि, चिकित्सा उपकरण और सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 2025' का मसौदा मोदी सरकार संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में पेश कर सकती है।

देश में चिकित्सा उत्पादों के लिए सुरक्षा और गुणवत्ता नियंत्रण मानदंडों के सख्त अनुपालन की बढ़ती मांग के बीच, केंद्र सरकार चिकित्सा उपकरणों और सौंदर्य प्रसाधनों के नियमन के साथ-साथ दवा गुणवत्ता परीक्षण और बाजार निगरानी के लिए कानूनी ढांचे को मजबूत करने के लिए एक कानून बना रही है।

इस कानून का मसौदा तैयार करने के पीछे एक प्रमुख कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित

दुनिया भर के स्वास्थ्य नियामकों द्वारा भारतीय दवा निर्माताओं द्वारा गुणवत्ता संबंधी गंभीर खामियों को लेकर बार-बार की गई शिकायतें और चिंताएं हैं। एक दिन पहले मंगलवार (14 अक्तूबर) को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की एक उच्च-स्तरीय बैठक में भारतीय औषधि महानियंत्रक डॉ. राजीव रघुवंशी के सामने मसौदा पेश किया गया। जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने की थी।

बैठक के दौरान भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रस्तावित कानून की रूपरेखा प्रस्तुत की। यह बैठक मध्य प्रदेश में दूषित कफ सिरप के कारण कई बच्चों की मौत के कुछ दिनों बाद हो रही है।

सूत्रों ने बताया कि स्वीकृत होने के बाद नया कानून सीडीएससीओ अधिकारियों को घरेलू उपयोग और निर्यात दोनों के लिए भारत में निर्मित दवाओं, चिकित्सा उपकरणों और सौंदर्य प्रसाधनों की सख्त गुणवत्ता जांच और निगरानी सुनिश्चित करने का वैधानिक अधिकार प्रदान करेगा।

राम मंदिर शिखर पर ध्वजारोहण 25 नवंबर को

नरेंद्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत विश्व को देंगे निर्माण पूरा होने का संदेश

अयोध्या, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण अब अपनी पूर्णता की ओर बढ़ रहा है। 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण कर पूरे विश्व को इसका निर्माण पूरा होने का संदेश देंगे। पीएम मोदी ने ही मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया था और फिर मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की थी। अब मंदिर निर्माण पूरा होने के बाद शिखर पर ध्वजारोहण भी उनके ही हाथों से होगा। भव्य राम मंदिर का निर्माण नागर शैली में किया गया है।

रामलला का यह दिव्य धाम सिर्फ आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय शिल्प, स्थापत्य कला और संस्कृति का अद्भुत संगम बनकर उभर रहा है। मंदिर की दीवारों और स्तंभों पर बनाई गईं खूबसूरत कलाकृतियां अब लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गई हैं। गुजरात के मशहूर शिल्पकार चंद्रकांत भाई सोमपुरा और उनकी टीम ने मंदिर के हर पिलर, स्तंभ और दीवार पर बारीक नक्काशी करते हुए इसे एक जीवंत कलात्मक रूप दिया है। राम मंदिर ट्रस्ट ने हाल ही में मंदिर के प्रथम तल पर स्थित राम दरबार की मनमोहक तस्वीरें जारी की हैं।

इन तस्वीरों में दीवारों पर उकेरी गई आकृतियों में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और भक्त हनुमान के दिव्य स्वरूप नजर आ रहे हैं। ट्रस्ट ने तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि राम जन्मभूमि के प्रथम तल की नयनाभिराम छवियाँ। इन छवियों ने अयोध्या की भव्यता और भारतीय शिल्पकला की प्रतिष्ठा को फिर से जीवंत कर दिया है। जैसे-जैसे निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच रहा है, देश दुनिया के रामभक्त श्रद्धालुओं में उत्साह और उमंग लगातार बढ़ता जा रहा है।

आईपीएस सुसाइड, 9वें दिन अंतिम संस्कार

दोनों बेटियों ने दी मुखाग्नि, 2 मंत्री पहुंचे; डीजीपी को छुट्टी भेजने पर माना परिवार

चंडीगढ़, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सीनियर आईपीएस वाई. पूरन कुमार का बुधवार को अंतिम संस्कार हो गया। दोपहर 3 बजे कोठी से पूरन कुमार की अंतिम यात्रा निकली, जो करीब 4 बजे सेक्टर-25 स्थित श्मशान घाट पहुंची।

यहां उन्हें पुलिस की टुकड़ी ने सलामी दी और बड़ी संख्या में पहुंचे पुलिस-प्रशासन और सरकार के प्रतिनिधियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उनकी दोनों बेटियों ने उन्हें मुखाग्नि दी।

मौके पर पत्नी आईएएस अमनीत पी. कुमार के साथ कैबिनेट मिनिस्टर कृष्ण लाल पंवार व श्याम सिंह राणा, एसीएस गृह सुमिता मिश्रा, सीएस अनुराग रस्तोगी, नवनियुक्त डीजीपी ओपी सिंह, आदि मौजूद रहे।

तमिलनाडु में हिंदी होर्डिंग्स फिल्मों और गानों पर

बैन लगाने वाला विधेयक पेश करेगी स्टालिन सरकार

चेन्नई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु की डीएमके सरकार शुरू से ही हिंदी विरोध के लिए जानी जाती है और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का हिंदी विरोध जगजाहिर है। स्टालिन केंद्र की मोदी सरकार पर तमिलनाडु में हिंदी थोपने का आरोप लगाते रहे हैं। स्टालिन कई मौके पर कह चुके हैं कि जिस तरह से तमिल पर हिंदी भाषा थोपी जा रही है, यह उसके आत्मसम्मान के खिलाफ है। इसी बीच खबर है कि राज्य सरकार हिंदी को लेकर एक विधेयक लाने जा रही है।

सूत्रों के अनुसार तमिलनाडु सरकार आज विधानसभा में एक विधेयक पेश करने वाली है, जिसका मकसद तमिलनाडु राज्य में हिंदी के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाना है। इस प्रस्तावित विधेयक पर चर्चा के लिए बीती रात ही कानूनी विशेषज्ञों के साथ एक आपात बैठक हुई थी। विधेयक में तमिलनाडु में हिंदी होर्डिंग्स, बोर्ड, फिल्में और गानों पर प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है।

तमिलनाडु के अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया है कि यह संविधान के अनुरूप होगा। इसी मामले को लेकर डीएमके के वरिष्ठ नेता टीकेएस एलंगोवन ने विधेयक पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हम संविधान के विरुद्ध कुछ नहीं करेंगे। हम संविधान का पालन करेंगे, लेकिन हम हमारे ऊपर हिंदी थोपे जाने के खिलाफ हैं।

महाराष्ट्र में विपक्ष की ईसी से वोट चोरी की शिकायत

एमवीए नेता बोले- एक वोटर का नाम कई बूथों पर, बोगस वोट ही एनडीए को जिताते हैं

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में वोट चोरी के मुद्दे को लेकर मनसे प्रमुख राज ठाकरे समेत महाविकास अघाड़ी के नेताओं ने बुधवार को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुंबई में मुलाकात की। एमवीए के नेताओं ने चुनाव आयोग से शिकायत की है कि राज्य के कई जिलों में एक वोटर का नाम कई बूथ और तहसील में दर्ज हैं।

एनसीपी (शरद पवार) गुट के नेता जितेंद्र अहवाड़ ने कहा कि एक घर में 4 वोटर रहते हैं लेकिन लिस्ट में नाम 4 से ज्यादा के हैं। कई जिलों से ऐसी शिकायतें आई हैं। उन्होंने कागज दिखाते हुए कहा कि लातूर, नांदेड़ सहित कई जिलों में ऐसी शिकायतें आई हैं।

हमने पूरी जानकारी चुनाव आयोग को दे दी है। अब उनके जवाब का इतजार कर रहे हैं। ये बोगस वोट ही महायुति को जिताते हैं। महाराष्ट्र में एसआईआर का भी क्या फायदा? भाजपा अपने तरीके से हर सिस्टम सेट कर रही है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग की और 'वोट चोरी' के आरोपों की जांच की मांग की। वहीं स्थानीय निकाय चुनाव निष्पक्ष तरीके से कराने की भी मांग की।

2024 के विधानसभा चुनावों से पहले एमवीए ने चुनाव आयोग को लेटर लिखकर बताया था कि भाजपा वोटर लिस्ट में लोगों के नाम जोड़ रही है। हमने स्पष्ट रूप से कहा था कि जब तक ये खामियां दूर नहीं हो जातीं, चुनाव नहीं कराए जाने चाहिए।

एआईएडीएमके सांसद बोले-स्टालिन वोट के लिए फ्री वाइफ बांट देंगे

डीएमके मंत्री बोलीं- मुफ्त चीजों से महिला की तुलना अपमानजनक, ये इंसान कहने के लायक भी नहीं

चेन्नई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके के नेता और राज्यसभा सांसद सीवी षणमुगम की एक विवादित टिप्पणी के चलते काफी आलोचना हो रही है। दरअसल पार्टी की एक बूथ कमेटी मीटिंग में बोलते हुए षणमुगम ने कहा कि, स्टालिन सरकार का फ्री चीजें बांटने का इतिहास रहा है।

चुनाव नजदीक आ रहे हैं, तो वे (स्टालिन) लैपटॉप, मिनी बस, मिक्सी, ग्राइंडर के अलावा अब शायद फ्री वाइफ भी बांट सकते हैं। इस टिप्पणी की सत्ताधारी डीएमके ने कड़ी निंदा की है। पार्टी ने षणमुगम पर महिलाओं को अश्लील के रूप में दिखाने का आरोप लगाया। तमिलनाडु की समाज कल्याण मंत्री पी गीता जीवन ने इस टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि षणमुगम ने महिलाओं की तुलना मुफ्त चीजों से करके उनका अपमान किया है। वे इंसान कहने के लायक नहीं हैं।

षणमुगम का जो वीडियो सामने आया है, वह कितना पुराना है। इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। करीब 1:30 मिनट की वीडियो में षणमुगम कहते हैं कि जब हमारी सरकार थी हमने बिना मांगे 2,500 रुपये बांटे थे। लेकिन स्टालिन ने तब 5,000 रुपये की मांग की थी। क्या उन्होंने सत्ता में आने के बाद दिए? नहीं। लेकिन अब चुनाव नजदीक आ रहे हैं। तो मौजूदा सरकार लैपटॉप, मिनी बस, मिक्सी, ग्राइंडर, यहां तक की जानवर भी बांट देंगे। या फिर वे मुफ्त पत्नी की घोषणा भी कर सकते हैं।

शेर को मिर्गी का दौरा तो तेंदुए को डायबिटीज

आखिर कैसे इंसानी बीमारियों के शिकार हो रहे जंगली जानवर

गोरखपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसिया)। क्या बाघ-तेंदुए जैसे जंगली जानवरों को भी डायबिटीज होती है? क्या जंगली जानवर भी इंसानों वाली बीमारियों के शिकार हो सकते हैं? इसका जवाब है...हां। हाल ही यूपी में गोरखपुर के चिड़ियाघर से कुछ चौंकाने वाली खबरें आईं। यहां जंगली जानवर कैंसर, डायबिटीज और मोतियाबिंद जैसी बीमारियों से पीड़ित पाए गए।

गोरखपुर के इसी चिड़ियाघर में एक तेंदुए की मौत कैंसर की वजह से हुई। एक शेर को मिर्गी का दौरा पड़ गया। जबकि एक बाघिन ने मोतियाबिंद के चलते 90 फीसदी तक अपनी आंखों की रोशनी गंवा दी। एक दूसरे तेंदुए की जांच की गई तो पता चला कि उसे डायबिटीज है। लेकिन आखिर कैसे जंगली जानवर इंसानों वाली बीमारियों का शिकार हो रहे हैं? डायबिटीज जैसी बीमारी को लाइफस्टाइल डिसीज माना जाता है, फिर क्या जंगली जानवरों की लाइफस्टाइल भी बदल गई है?

कई रिसर्च में यह पहले भी सामने आ चुका है कि जंगली जानवरों को कैंसर, डायबिटिज, कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याएं होती हैं। अमेरिका के एक एक्वेरियम में इसी साल फरवरी में एक क्लाउडेड लैपर्ड की मौत डायबिटिज की वजह से हुई। जंगली जानवरों को टीबी, हार्ट अटैक भी होते हैं। भालुओं में कई बार हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या देखने को मिली है।

विशेषज्ञों की मानें तो इस तरह की बीमारियों का शिकार अधिकतर वही जानवर हो रहे हैं, जिन्हें चिड़ियाघर या एक निश्चित बाड़े में रखा गया है। यहां उन्हें प्राकृतिक खाना नहीं मिल रहा बल्कि इंसानों द्वारा तैयार डाइट दी जा रही है। जंगल में वो तभी खाते हैं, जब भूख लगती है। लेकिन कैद में ऐसा नहीं है, जब मालिक खाना देता है तभी खाना होता है। जंगल में खाने के लिए उन्हें शिकार करना पड़ता है, लेकिन यहां बिना कुछ किए ही खाना मिल रहा है। चिड़ियाघर में उनके पास घूमने-फिरने के लिए भी ज्यादा जगह नहीं होती, जिसके चलते धीरे-धीरे बीमारियां घर करने लगती हैं।

जंगली जानवरों में डायबिटीज जैसे मामलों पर एक रिपोर्ट में कई कारण बताए गए हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार जंगल और चिड़ियाघर में रहने वाले किसी भी जंगली जानवर को शुगर हो सकती है। बस जंगली जानवरों के नियमित टेस्ट नहीं हो पाते हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं।

जेनेटिक: इंसानों की तरह जानवरों में भी यह बीमारी जेनेटिक हो सकती है। मतलब मां-बाप से बच्चों में।

डाइट: यह समस्या चिड़ियाघर या कैद में रहने वाले जानवरों के साथ ज्यादा होती है। ज्यादा कार्बोहाइड्रेट और शुगर वाले खाने से समस्या पैदा हो सकती है।

उम्र: जंगली जानवरों में भी उम्र बढ़ने के साथ बीमारियों का खतरा बढ़ता जाता है।

पर्यावरण: जी हां, प्रदूषण से सिर्फ इंसान ही नहीं जंगली जानवर भी बीमारियों का शिकार हो रहे हैं।

चलना-फिरना कम करना: अक्सर पिंजरों या बेड़े में बंद जंगली जानवरों में घूमना-फिरना कम हो जाता है।

अपनी फुर्ती के लिए मशहूर तेंदुओं में भी अब डायबिटीज की समस्या देखने को आ रही है। हालांकि बंदर, सुअर, भेड़, मगरमच्छ, हाथी और गिलहरी में डायबिटिज का खतरा ज्यादा रहता है।

हैरानी की बात यह है कि भारी-भरकम और शहद खाना पसंद करने वाले भालू के शरीर में ऐसे प्रोटीन होते हैं, जो उसे इस बीमारी से बचाकर रखने में काफी हद तक सफल होते हैं।

इंस्टा पर दोस्ती पड़ी भारी

मां ने मिलने से किया इनकार तो बेटे का कर लिया अपहरण लखनऊ से मासूम का रेस्क्यू

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिण पूर्व जिले की अमर कॉलोनी थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से चार साल के एक मासूम बच्चे को सकुशल बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी सुधाकर सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने बच्चे का अपहरण पीड़िता के घर के बाहर से किया था। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपी सुधाकर सिंह की बच्चे की मां से इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। आरोपी लगातार मां पर मिलने के लिए दबाव बना रहा था। लेकिन महिला ने मना कर दिया। इसी बात से नाराज होकर आरोपी ने बदले की भावना से बच्चे का अपहरण करने की योजना बनाई।

बच्चे के अपहरण की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस हरकत में आ गई। अमर कॉलोनी थाना पुलिस की एक टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए, तकनीकी और खुफिया जानकारी के आधार पर लखनऊ में दबिश दी। पुलिस की मुस्तैद टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद बच्चे को सुरक्षित बचा लिया और आरोपी सुधाकर सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

ताश के पत्तों के नाम पर होटल का कमरा, अंदर चल रहा था ये 'खेल'; मौके से 7 आरोपी दबोचे

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में पश्चिमी जिला पुलिस ने एक होटल के कमरे में चल रहे जुए का भंडाफोड़ करते हुए सात लोगों को मौके से पकड़ लिया। कीर्तिनगर स्थित देव पैलेस नामक इस होटल के कमरों को नंबरिंग की बजाय ताश के पत्तों के नाम दिए गए हैं। इनमें से कुछ नाम जैसे किंग, क्वीन, जैक, हार्ट्स, डायमंड्स, स्पेड्स आदि दिए गए हैं। दरवाजों पर इनके प्रतीक चिह्न लगे हैं। पुलिस का मानना है कि यह थीम जानबूझकर जुआ जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अपनाई गई है। मौके से पुलिस ने दांव पर लगे 1।10 लाख रुपये बरामद किए हैं। पुलिस का कहना है कि अब इसके मालिकों और अन्य संलिप्ताओं का पता लगाया जा रहा है। पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त, दरादे शरद भास्कर के निर्देशानुसार, स्पेशल स्टाफ की टीम ने यह सफल ऑपरेशन अंजाम दिया।

टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर राजेश कुमार मौर्या कर रहे थे, जबकि एसीपी ऑपरेशंस की देखरेख में सब-इंस्पेक्टर संजीत राणा, एएसआई ओमप्रकाश, हेड कॉन्स्टेबल गुमान, हेड कॉन्स्टेबल पवन कुमार और हेड कॉन्स्टेबल शमशेर जैसे अधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह भी पढ़ें- दिल्ली में अस्पताल की छठी मंजिल पर चढ़ा युवक, नीचे कूदने की दे रहा धमकी; अफसरों के फूले हाथ-पांव वहीं, छापामारी के दौरान पुलिस को देखते ही आरोपी भागने की कोशिश करने लगे और खेल के पत्ते व पैसे फेंकने लगे, लेकिन सतर्क टीम ने उन्हें दबोच लिया। मौके से बरामद रकम को जब्त कर लिया गया। पुलिस ने दिल्ली पब्लिक गैंबलिंग एक्ट तहत इस मामले में प्राथमिकी की है।

बीएमसी चुनाव से पहले ईसी के चक्कर काट रहा विपक्ष

क्या है शिकायत ?

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे, एमएनएस चीफ राज ठाकरे, कांग्रेस के साथ शरद पवार की पार्टी एनसीपी के नेता आज बुधवार को चुनाव आयोग के अधिकारियों से मिलने पहुंचे।

यह लगातार दूसरा दिन है जब महाराष्ट्र में विपक्ष के बड़े नेता महाराष्ट्र चुनाव आयोग के ऑफिस पहुंचकर अधिकारियों से मुलाकात की। बीएमसी चुनाव से पहले विपक्ष के नेताओं की ये मुलाकात हो रही है।

मीटिंग के बाद एनसीपी विधायक जयंत पाटिल ने कहा कि महाराष्ट्र के कई हिस्सों में एक व्यक्ति के नाम कई बार सूचि में आए हैं। जिसमें, पुणे, नालासोपारा और कई स्थान हैं। कई लोगों के ऐसे भी नाम हैं, जिसमें जो लोग घर पर नहीं है, जिनकी डेथ हो चुकी है उनका भी नाम है।

राज ठाकरे ने दिखाई दो लिस्ट

राज ठाकरे ने दो लिस्ट दिखाई। जो एक 2024 चुनाव से पहले की। दो लिस्ट में 1 ही नाम है। दोनों के वर्ष में एक 23 दूसरे में 117 है। उन्होंने कहा कि हमने मांग की है जब तक लिस्ट में सुधार ना हो तब तक चुनाव ना हो। राजनीतिक दलों को 8 दिन का वक्त दिया जाता है। राज ठाकरे ने कहा कि हमने उनसे जवाब मांगा है। आने वाले 1-2 दिन में वो जवाब देंगे। उसके बाद हम निर्णय लेंगे कि हमें आग क्या करना है। वहीं, उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमारे ऊपर लोकशाही के चलते दबाबशाही करेंगे, ये नहीं चलेगा। विधानसभा चुनाव में वोट चोर हुआ था।

कांग्रेस ने क्या कहा ?

कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट ने बुधवार को दावा किया कि इस राज्य की मतदाता सूची में कई त्रुटियां हैं और उन्हें उचित तरीके से ठीक नहीं किया गया है। विपक्षी नेताओं के दो प्रतिनिधिमंडलों ने मंगलवार को वरिष्ठ चुनाव अधिकारियों से मुलाकात की थी और विभिन्न मुद्दों को उठाया, जिसमें यह सवाल उठाया गया कि राज्य में कोई विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया क्यों नहीं चलाई गई। बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए थोराट ने दावा किया कि महाराष्ट्र में मतदाता सूची में सैकड़ों और हजारों त्रुटियां हैं। उन्होंने आरोप लगाया, हमने चुनाव अधिकारियों से इसे ठीक करने का अनुरोध किया था, लेकिन इसे कभी भी ठीक नहीं किया गया। ऐसा प्रतीत होता है कि बीजेपी और सत्ता में बैठे लोग स्थानीय निकाय चुनावों से पहले निष्पक्ष और त्रुटि रहित मतदाता सूची नहीं चाहते हैं।

अवैध हथियारों के साथ स्पेशल सेल ने आरोपी पकड़ा

दो ग्लॉक पिस्तौल-दो मैगजीन बरामद

अमृतसर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमृतसर जिला देहाती पुलिस ने एक व्यक्ति को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। ये कार्रवाई स्पेशल सेल अमृतसर की टीम ने की है। एसएसपी देहाती ने बताया कि गश्त के दौरान टीम ने पुल ड्रेन मत्तेवाल के पास से एक व्यक्ति को शक के आधार पर रोका। उसकी तलाशी लेने पर दो ग्लॉक पिस्तौल, नौ राउंड (एमएम) और दो मैगजीन बरामद की गईं। आरोपी की पहचान गुरविंदर सिंह उर्फ राणा पुत्र लखविंदर सिंह निवासी उदोके खुर्द के रूप में हुई है। इस संबंध में थाना मत्तेवाल में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। डीएसपी गुरिंदरपाल सिंह ने बताया कि प्राथमिक जांच में आरोपी से बरामद हथियारों के स्रोत और उसके नेटवर्क के बारे में पूछताछ की जा रही है।

यह भी पता लगाने की कोशिश है कि आरोपी के पाकिस्तान या किसी विदेशी गैंग से संपर्क तो नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि दिवाली से पहले हथियारों की सप्लाई रोकने के लिए अभियान और अधिक तेज किया गया है।

हिजाब विवाद के बाद खुला स्कूल, छात्रा की एंट्री पर लगाई थी रोक, क्या है पूरा मामला

कोच्चि, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल के पल्लुरुति में प्राइवेट स्कूल हिजाब विवाद में दो दिन बंद होने के बाद फिर से खुल गया है। पूरा मामला कोच्चि के पल्लुरुथी स्थित सेंट रीटा पब्लिक स्कूल का है, जहां स्कूल में आठवीं कक्षा की एक छात्रा को कथित तौर पर हिजाब पहनने के कारण क्लास से बाहर कर दिया गया था। इसी के साथ स्कूल प्रबंधन और एक मुस्लिम छात्रा के माता-पिता के बीच विवाद भी हुआ। पल्लुरुथी में एक चर्च की ओर से संचालित पब्लिक स्कूल हिजाब विवाद के बाद दो दिन के बंद रहने के बाद बुधवार (15 अक्तूबर) को फिर से खुल गया। न्यूज एजेंसी एएनआई ने स्कूल सूत्रों के हवाले से बताया कि आठवीं कक्षा की जिस छात्रा के माता-पिता उसे हिजाब पहनने पर जोर दे रहे थे, वह स्वास्थ्य कारणों से अनुपस्थित थी। बता दें कि विवाद के मद्देनजर सेंट रीटा पब्लिक स्कूल के प्रबंधन ने सोमवार और मंगलवार को छुट्टी घोषित कर दी थी। बुधवार सुबह स्कूल परिसर में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे और मीडियाकर्मियों को परिसर के अंदर जाने की अनुमति नहीं थी। वहीं राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी। शिवनकुट्टी ने छात्रा के हिजाब पहनने के अधिकार की पुष्टि की और कहा, छात्रा तब तक हिजाब पहनकर कक्षाओं में आ सकती है, जब तक कि वह और उसके माता-पिता अन्यथा निर्णय ना लें। उन्होंने जोर देकर कहा कि छात्रों के अधिकारों की गारंटी देश और राज्य के संविधान और शैक्षिक कानूनों द्वारा दी गई है। हालांकि स्कूल के अभिभावक-शिक्षक संघ (पीटीए) के अध्यक्ष जोशी ने कहा कि उन्हें इस संबंध में सरकार से अभी तक कोई आदेश नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि मंत्री सरकारी स्कूलों की बात कर रहे थे या सीबीएसई स्कूलों की। गौरतलब है कि मंत्री शिवनकुटी ने इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए स्कूल को निर्देश दिया कि वह मुस्लिम छात्रा को हिजाब पहने हुए अपनी पढ़ाई जारी रखने की अनुमति दे। इसी के साथ उन्होंने स्कूल प्रशासन से भी रिपोर्ट मांगी है।

महाभारत के कर्ण पंकज धीर का निधन, कैंसर से थे पीडित, कर्ण के नाम से घर-घर में हुए थे मशहूर

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीवी और बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता पंकज धीर अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनका 68 साल की उम्र में निधन हो गया है। पंकज धीर ने टीवी के चर्चित सीरियल महाभारत में कर्ण का रोल किया था, जिससे उन्हें पर्दे पर अलग पहचान मिली थी। इसके अलावा पंकज धीर ने बॉलीवुड के कई बड़े कलाकारों के साथ काम किया थी। बताया जा रहा है कि दिग्गज एक्टर कैंसर से पीड़ित थे। महाभारत सीरियल से पंकज धीर घर-घर में मशहूर हो गए थे।

कुछ लोग उनके असली नाम से ज्यादा उन्हें कर्ण के नाम से जानते थे। महाभारत में कर्ण की भूमिका निभाने के बाद पंकज धीर को अपार लोकप्रियता मिली। उनकी तस्वीरों का इस्तेमाल पाठ्य पुस्तकों में कर्ण के संदर्भ में किया जाता है। इतना ही नहीं आईएमडीबी के अनुसार करनाल और बटार के मंदिरों में पंकज धीर की मूर्तियों की पूजा की जाती है। महाभारत के अलावा वह अर्चना पूरन सिंह के साथ टीवी सीरीज, जो हॉरर शो (1993) के पहले एपिसोड दस्तक में मुख्य भूमिका में दिखाई दिए। उन्होंने कोर्ट-रूम ड्रामा पर आधारित टीवी सीरीज कानून में एक बचाव पक्ष के वकील की भूमिका भी निभाई।

2006 में पंकज धीर ने अपने भाई सतलुज धीर के साथ मिलकर मुंबई के जोगेश्वरी में एक शूटिंग स्टूडियो, विजेज स्टूडियोज़ की स्थापना की। 2010 में, उन्होंने मुंबई में एक्टर गुफी पेंटल के साथ एक्टिंग एकेडमी खोली, जिसके संकाय प्रमुख अभिनेता गुफी पेंटल थे। पंकज धीर के बेटे निकितिन धीर भी जाने-माने एक्टर हैं। वह जोधा अकबर, दबंग 2, हाउसफुल फ्रेंचाइजी और चेन्नई एक्सप्रेस जैसी कई हिट फिल्मों में काम कर चुके हैं।

दिवाली से पहले सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों की अनुमति

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिवाली से पहले सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों को लेकर बड़ा आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने पटाखों पर प्रतिबंध की शर्तों में ढील देते हुए 21 अक्तूबर तक ग्रीन पटाखों की इजाजत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने अहम आदेश में सिर्फ नेशनल एन्वायरनमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (नीरी) द्वारा प्रमाणित ग्रीन पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल की अनुमति दी है। अदालत ने शर्तों के साथ ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है। ये अनुमति 18 से 21 अक्टूबर तक के लिए है। आदेश सुनाते हुए सीजेआई बीआर गवई ने कहा कि हमें संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा। पर्यावरण के साथ समझौता किए बिना संयम के साथ अनुमति देनी होगी। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि इस अवधि (21 अक्तूबर) के बाद इन पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंध जारी रहेगा।

वहीं नियमों के उल्लंघन करने पर निर्माताओं और विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 18 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक ग्रीन पटाखे फोड़ने की अनुमति दी है, जो कि सुबह 6 बजे से 7 बजे तक और फिर रात 8 बजे से 10 बजे तक जारी रहेगी। कोर्ट ने आदेश दिया है कि दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में बाहर से पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट आदेश में कहा कि अगर नकली पटाखे पाए जाते हैं, तो लाइसेंस निलंबित कर दिया जाएगा।

एयरफोर्स स्टेशन अंबाला कैंट में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का दौरा स्थगित

अंबाला, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 18 अक्टूबर को अंबाला एयरबेस का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। इसको लेकर एयरफोर्स ने अभी कोई कारण नहीं बताया है। बता दें कि अंबाला कैंट एयरबेस में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एयरफोर्स द्वारा 18 अक्टूबर को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शामिल होना था। इसी को लेकर एयरफोर्स के अधिकारियों व जिला प्रशासन के अधिकारियों के बीच बैठकें भी हो चुकी थीं। यही नहीं, विभिन्न विभागों को भी इसके लिए जिम्मेदारियां सौंप दी गई थीं। एयरफोर्स द्वारा कार्यक्रम को लेकर तैयारियां थीं। अब एयरफोर्स की ओर से सूचना जारी की गई है कि अंबाला में जो कार्यक्रम आयोजित किया जाना था, उसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा शामिल होना था। अब राष्ट्रपति इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगी।

फॉक्सकॉन निवेश पर सीएम स्टालिन की किरकिरी

अन्नाद्रमुक ने घेरा; बताई 'झूठ पर बनी सरकार'

चेन्नई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु की स्टालिन सरकार ने दावा किया था कि दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट मोबाइल निर्माता कंपनी फॉक्सकॉन राज्य में 15 हजार करोड़ का निवेश करेगी। हालांकि नए निवेश की खबरों पर कंपनी ने इनकार कर दिया, जिसके बाद डीएमके सरकार विपक्षी दलों के निशाने पर आ गई है। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) ने बुधवार (15 अक्तूबर) को स्टालिन सरकार को पूरी तरह से झूठ पर बनी सरकार करार दिया।

साथ ही तमिलनाडु में फॉक्सकॉन द्वारा किए गए एक बड़े निवेश के बारे में झूठे दावे करने का आरोप लगाया। एआईएडीएमके ने मुख्यमंत्री के स्टालिन मॉडल का भी मजाक उड़ाया और कहा, अगर आप झूठ भी बोलते हैं, तो कम से कम उसे विश्वसनीय तो बनाइए। और सरकार के विदेश दौरों की आलोचना करते हुए कहा कि इनसे राज्य को कोई वास्तविक लाभ नहीं मिल रहा है। पार्टी ने दावा किया कि डीएमके ने घोषणा की थी कि फॉक्सकॉन ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की है और 15,000 करोड़ रुपए के निवेश की

योजना बनाई है, लेकिन बाद में फॉक्सकॉन ने ऐसी किसी भी बातचीत से इनकार किया।

एक्स पर एक पोस्ट में अन्नाद्रमुक ने लिखा, डीएमके सरकार ने घोषणा की है कि फॉक्सकॉन ने मुख्यमंत्री एम।के। स्टालिन से मुलाकात की है और 15,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की तैयारी में है। कठपुतली मुख्यमंत्री ने गर्व से इसे स्टालिन मॉडल का पालन बताया। हालांकि, अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि फॉक्सकॉन ने प्रस्तावित निवेश के संबंध में ऐसी किसी भी बातचीत से इनकार किया है। हम स्टालिन को उनका एक अनमोल कथन याद दिलाना चाहते हैं,भले ही आप झूठ बोलें, कम से कम उसे विश्वसनीय तो बनाएं। पोस्ट में आगे लिखा, क्योंकि अविश्वसनीय झूठ इतनी जल्दी बेनकाब हो जाते हैं! हर साल, यह कठपुतली मुख्यमंत्री विदेश यात्राओं पर जाते हैं, लेकिन तमिलनाडु को उनसे क्या हासिल हुआ? जब उनसे पूछा जाता है, तो उनका एक ही जवाब होता है, खाली कागज! भला, अगर बर्तन में कुछ है ही नहीं, तो आप उसमें से कैसे परोस सकते हैं?

पोस्ट में आगे लिखा था, कल उजागर हुआ झूठ इस बात का सबूत है कि पूरी तरह झूठ पर टिकी यह सरकार जल्द ही बेनकाब होकर गिर जाएगी! यहां तक कि गूगल ने भी कल घोषणा की कि वह आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में हजारों करोड़ रुपए का निवेश करेगा। एक ऐसे अयोग्य कठपुतली मुख्यमंत्री के चंगुल में फंसे तमिलनाडु को बचाने के लिए, जिसे शासन का मतलब भी नहीं पता, और प्रगति के पथ पर एक समृद्ध तमिलनाडु के पुनर्निर्माण के लिए, केवल एक ही रास्ता है: 2026 में अन्नाद्रमुक शासन की वापसी! अन्नाद्रमुक का यह हमला उस रिपोर्ट के बाद आया, जिसमें कहा गया था कि फॉक्सकॉन ने एक मीडिया समूह को दिए बयान में कहा था कि उसके भारत प्रतिनिधि ने सीएम स्टालिन से मुलाकात की थी, लेकिन किसी नए निवेश पर चर्चा नहीं हुई।

बीजेपी नेता की बहू पर 420 का मामला

फर्जी मार्कशीट लगाकर 11 महीने से काट रही थी मलाई

खरगोन, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा की गोगावां जनपद अध्यक्ष गंगाबाई मंडलोई की बहू मनीषा पति अजीत मंडलोई को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मनीषा पर आरोप है कि उसने फर्जी अंकसूची लगा कर आंगनवाड़ी की नौकरी हासिल की थी। गोगावां पुलिस ने पैनपुर से मनीषा को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद दोपहर में खरगोन में राज पांडे न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की कोर्ट में पेश किया। यहां से मनीषा को एक दिन की पुलिस रिमांड दी गई है। दरअसल, 2019 में आंगनवाड़ी क्रमांक 1 में मनीषा के साथ 20 महिलाओं ने आवेदन किया था। इसमें मनीषा पिता घनश्याम मौर्य (शादी के बाद मनीषा पति अजीत मंडलोई) का नाम 63 प्रतिशत के साथ पहले नंबर पर आया था। इसमें योग्यता थी, बीए में तीसरा व बारहवीं में 87 प्रतिशत रहा। दूसरे नंबर पर रोशनी सुखलाल, तीसरे पर जागृति सज्जन सिंह व चौथे पर बस्कर करोंदे थी। इसमें रोशनी व बस्कर ने नियुक्ति की आपत्ति लगाकर शिकायत की। जांच में बारहवीं की अंकसूची(पुनासा विद्यालय खंडवा) में 337 अंक की जगह 437 अंक मिले। मार्कशीट में छेड़छाड़ कर 100 अंक बढ़ा लिए थे।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने 16 अगस्त 2023 को थाना प्रभारी गोगावां को केस दर्ज करने का आवेदन दिया था। मामले में एडवोकेट लखन सिंह पवार ने हाईकोर्ट इंदौर में याचिका दायर की। इसके बाद हाईकोर्ट के निर्देश पर 4 नवंबर 2024 को धारा 420,467,468,471 में प्रकरण पंजीबद्ध हुआ। करीब 11 महीने बाद गिरफ्तारी हुई। यह भी पता किया जाएगा कि अंकसूची बनवाने से लेकर मार्कशीट बदलवाने तक व अंक गणना में कौन-कौन लिप्त है।

169 करोड़ की रिश्वत. घोटालेबाज इस अधिकारी का खुला काला चिट्ठा, पत्नी बनाती काले धन को सफेद,

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महाराष्ट्र के वसई-विरार में हुए अवैध निर्माण घोटाले के मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। जांच में सामने आया कि आरोपी ने इस घोटाले से कमाए गए अवैध पैसों से गहने, आईफोन और 70 हजार रुपए का महंगा पेन खरीदा। ईडी ने इस मामले की मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत जांच की है। कुल 41 अवैध इमारतें बनाईं गई थीं। 8 जुलाई 2024 को बॉम्बे हाई कोर्ट ने वसई पूर्व में इन अवैध इमारतों को गिराने का आदेश दिया था। इस मामले में अब तक कुल कुर्की/जब्ती 161 करोड़ रुपए (लगभग) की हुई है।

चार्जशीट में बताया गया है कि वसई विरार सिटी नगर निगम (वीवीसीएमसी) के पूर्व कमिश्नर और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी अनिल पवार ने कई बिल्डिंग प्लान्स को मंजूरी दी और इसके साथ ही अवैध निर्माण पर आंखें भी मूंद रखीं। इसी के लिए उन्होंने रिश्वत और कमीशन लिया, जिसके माध्यम से लगभग 169 करोड़ रुपए कमाए। ये मामला 2009 से वसई विरार नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में अवैध निर्माण से संबंधित है। बाद में पिछले साल हाई कोर्ट ने सभी 41 इमारतों को गिराने का आदेश दिया। इससे लगभग 2500 परिवार बेघर हो गए। इमारतों को गिराने का काम इसी साल 20 फरवरी को पूरा हुआ।

पवार ने बना रखा था गिरोह

ईडी के चार्जशीट में कुल 18 नाम हैं। इसके अनुसार, 2022 में वीवीसीएमसी में कमिश्नर के तौर पर शामिल होने के बाद पवार ने कथित तौर पर नगर निगम अधिकारियों, जूनियर इंजीनियर्स, आर्किटेक्ट्स, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और लाइजनर्स का एक गिरोह बना रखा था। किसी भी प्रकार की परमिशन देने के लिए रिश्वत और कमीशन की रकम तय की गई थीं। इसके साथ ही अपने परिवार के सदस्यों और बेनामीदार के नाम पर बनाई गई संस्थाओं के माध्यम से इस पैसे को व्हाइट मनी बनाने का भी काम किया गया। अनिल पवार ने अपने 3 साल के कार्यकाल के दौरान ही 169 करोड़ रुपए से अधिक की रिश्वत ली। एजेंसी ने दावा किया कि अवैध निर्माण में बहुजन विकास आघाडी (बीवीए) के पूर्व पार्षद सीताराम गुप्ता और उनके रिश्तेदार अरुण गुप्ता (बिल्डर) शामिल थे। सीताराम ने अपने राजनीतिक प्रभाव का फायदा उठाते हुए भ्रष्ट नगर निकाय अधिकारियों की मिलीभगत से सुनियोजित रूप से अवैध निर्माण पर काम किया।

71 करोड़ की संपत्ति भी हुई जब्त

इस मामले में अब तक चार लोगों-अनिल पवार, वीवीसीएमसी की टाउन प्लानिंग के पूर्व डिप्टी डायरेक्टर वाई शिवा रेड्डी, सीताराम और अरुण गुप्ता को इसी साल अगस्त में गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने पिछले हफ्ते भी इस मामले में एक्शन लेते हुए 71 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की थी। इसमें से लगभग 44 करोड़ रुपए की संपत्ति पवार से जुड़ी थी। 2022 से वीवीसीएमसी के प्रमुख रहे पवार का इसी साल जुलाई में ट्रांसफर हुआ। इस दौरान नगर निगम के सभी विभाग उनकी निगरानी में थे। उनके कार्यकाल के दौरान रिश्वत टाउन प्लानिंग डिपार्टमेंट के द्वारा वसूली जाती थी। रिश्वत की दर तय थी।

धाम की दूसरे चरण की यात्रा ने पकड़ी रफ्तार

17 लाख के पार पहुंची श्रद्धालुओं की संख्या

रुद्रप्रयाग, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। केदारनाथ धाम की दूसरे चरण की तीर्थयात्रा ने रफ्तार पकड़ ली है। प्रतिदिन 10 हजार से अधिक तीर्थयात्री केदारनाथ के दर्शन कर पुण्य अर्जित कर रहे हैं। अभी तक 17 लाख से अधिक तीर्थयात्री केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं। अधिकांश तीर्थयात्री जत्थे के साथ यात्रा पर पहुंच रहे हैं। इन दिनों धाम में मौसम सुहावना होने के कारण तीर्थयात्री केदारनाथ के दर्शनों के साथ ही प्राकृतिक सौंदर्य का लुत्फ भी उठा रहे हैं। बरसात में केदारनाथ की तीर्थयात्रा धीमी पड़ गई थी। प्रतिदिन 5 हजार तक श्रद्धालु दर्शनों को पहुंच रहे थे।

बीते अगस्त माह में अतिवृष्टि से गौरीकुंड हाईवे के साथ ही आस्था पथ पर भूस्खलन और भूधंसाव होने से तीर्थयात्रा खासी प्रभावित रही। बारिश न थमने से जिला प्रशासन को कुछ दिनों के लिए तीर्थयात्रा भी रोकनी पड़ी। अब मौसम सामान्य हो गया है। जिससे केदारनाथ की दूसरे चरण की तीर्थयात्रा भी रफ्तार पकड़ने लगी है। अभी तक 1712613 तीर्थयात्री केदारनाथ के दर्शन कर पुण्य अर्जित कर चुके हैं। केदारनाथ में अपना व्यवसाय चला रहे विनोद सेमवाल ने बताया कि केदारनाथ की दूसरे चरण की तीर्थयात्रा रफ्तार पकड़ने लगी है। तीर्थयात्री जत्थे के साथ धाम में पहुंच रहे हैं। बरसात के बाद केदारनाथ के समीप की पहाड़ियों की तलहटी में हरी बुग्याली घास उग जाती है। तीर्थयात्री प्राकृतिक सौंदर्य का मजा भी ले रहे हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 16 अक्टूबर, 2025

सुविचार

हम वो हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का ध्यान रखिये कि आप क्या सोचते हैं। शब्द गौण है, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं।

दत्तात्रेय ने ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल का दौरा किया

अच्छी एजुकेशन और हेल्थकेयर सर्विस की तारीफ़ की

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व गवर्नर बंडारू दत्तात्रेय ने आज हैदराबाद के सनथनगर में ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल का दौरा किया, जहाँ उन्होंने स्टूडेंट्स, फैकल्टी और मरीज़ों से बातचीत की। कॉलेज के डीन डॉ. शिरीष कुमार जी. चव्हाण ने इंस्टीट्यूशन की अचीवमेंट्स और चल रहे डेवलपमेंट्स के बारे में बताया। दत्तात्रेय ने मेडिकल एजुकेशन की क्वालिटी और इंश्योर्ड लोगों और उनके परिवारों को दी जाने वाली हेल्थकेयर सर्विस की तारीफ़ की। उन्होंने होलिस्टिक हेल्थकेयर के लिए आयुष और योग सर्विस को जारी रखने पर भी ज़ोर दिया और स्टूडेंट्स में कोर वैल्यूज़ डालने के लिए जानी-मानी हस्तियों के गेस्ट लेक्चर ऑर्गनाइज़ करने का सुझाव दिया। ईएसआईसी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के अपने दौरे के दौरान, दत्तात्रेय ने बालमणि से बातचीत की, जो एक रेयर 'अवेक क्रेनियोटॉमी' प्रोसीजर से गुज़रे थे, और मरीज़ की सेफ्टी और न्यूरोलॉजिकल प्रिजर्वेशन पक्का करने में टीम की एक्सपर्टीज़ की तारीफ़ की। उन्होंने डायलिसिस यूनिट, न्यूरोसर्जरी विंग, कैथ लैब और ऑपरेशन थिएटर का भी इंस्पेक्शन किया, और मरीज़ों और अटेंडेंट से बातचीत करके सर्विसेज़ का रिव्यू किया। दत्तात्रेय ने अच्छी क्वालिटी की एजुकेशन और पूरी हेल्थकेयर देने के लिए फैकल्टी और डॉक्टरों के डेडिकेशन की तारीफ़ की।

बीजेपी ने जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए लंकाला दीपक रेड्डी को उम्मीदवार बनाया

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने तेलंगाना में होने वाले जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के लिए लंकाला दीपक रेड्डी को औपचारिक रूप से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने दीपक रेड्डी के नामांकन को मंज़ूरी दे दी है, और पार्टी के राज्य अध्यक्ष बुधवार को बी. फॉर्म जारी करेंगे। 2023 के विधानसभा चुनावों में, दीपक रेड्डी ने उसी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्हें 25,866 वोट मिले, जो 14.117 हिस्सा था, और वे आखिर में तीसरे स्थान पर रहे। पार्टी की राज्य इकाई ने तीन संभावित उम्मीदवारों - दीपक रेड्डी, डॉ. कीर्ति रेड्डी और वी. पद्मा - की पहचान की और पांच दिन पहले केंद्रीय नेतृत्व को यह सूची सौंपी। दीपक रेड्डी को पार्टी के अंतिम उम्मीदवार के रूप में चुना गया। जुबली हिल्स उपचुनाव 11 नवंबर को होना है और नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

हाइड्रा ने कब्ज़े हटाए, 139 करोड़ रुपए की सरकारी ज़मीन बचाई

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन इलाके में सरकारी ज़मीनों की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार द्वारा बनाई गई हैदराबाद डिज़ास्टर रिस्पॉन्स एंड एसेट प्रोटेक्शन एजेंसी (हाइड्रा) ने गैर-कानूनी कब्ज़ों पर कार्रवाई करके कीमती ज़मीन को सफलतापूर्वक वापस हासिल किया है। अपने 'प्रजावाणी' प्रोग्राम के ज़रिए मिली लोगों की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए, बुधवार को हाइड्रा के अधिकारियों ने रंगारेड्डी ज़िले के राजेंद्रनगर मंडल में गैर-कानूनी स्ट्रक्चर हटा दिए। इस ऑपरेशन में बडवेल-उप्पारापल्ली गांवों में जन चैतन्य लेआउट फेज़ I और II के चार कब्ज़े वाले पार्कों में Rs.139 करोड़ से ज़्यादा कीमत की 19,878 वर्ग गज सरकारी ज़मीन वापस मिली। हाइड्रा कमिश्नर रंगनाथ की देखरेख में, हाइड्रा टीमों ने रेवेन्यू और नगर निगम के अधिकारियों के साथ मिलकर पार्कों पर बने बिना इजाज़त के शेड और कमरे गिरा दिए हैं और आगे कब्ज़ा रोकने के लिए तुरंत 'पुनर्प्राप्त ज़मीन पर बाड़ लगाना' शुरू कर दिया है। कमिश्नर रंगनाथ ने कहा कि हाइड्रा को इस हफ़्ते की शुरुआत में जनता से 48 शिकायतें मिली थीं, जिनका उन्होंने खुद रिव्यू किया और अधिकारियों को तुरंत हल करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कब्ज़ा सिर्फ़ पार्कों तक ही सीमित नहीं था, बल्कि सड़कों, बंद रास्तों और बाढ़ की नहरों पर भी असर पड़ा, जिससे कई कॉलोनियों में बाढ़ आ गई और आने-जाने में दिक्कतें हुईं। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई की जाएगी, और हैदराबाद में सार्वजनिक जगहों की रक्षा करने और प्राकृतिक पानी के चैनलों और सरकारी ज़मीनों को ठीक करने के हाइड्रा के वादे को दोहराया।

बीआरएस ने जुबली हिल्स उपचुनाव को बताया विकास बनाम अत्याचार की लड़ाई

कांग्रेस सरकार के वादों पर सवाल उठाते हुए पार्टी ने सुनीता गोपीनाथ को उम्मीदवार बनाया

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने आगामी जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव को एक दशक के विकास और पिछले दो साल के कांग्रेस शासन के अत्याचार के बीच की लड़ाई करार दिया। उन्होंने मतदाताओं से कांग्रेस के खिलाफ निर्णायक कदम उठाने का आग्रह किया, जिससे पार्टी अपने पिछले दो सालों के चुनावी वादों को पूरा करने के लिए मजबूर होगी।

रामाराव ने कहा कि यह उपचुनाव व्यक्तिगत नहीं बल्कि पारदर्शी शासन और भ्रष्ट प्रशासन, बीआरएस के किसान-समर्थक शासन और कांग्रेस के गिद्ध-राज के बीच की लड़ाई है। उन्होंने इसे बीआरएस की वापसी का पहला कदम और तेलंगाना में पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव की सत्ता में वापसी की शुरुआत बताया। वर्तमान विधायक मगंती गोपीनाथ के असामयिक निधन के बाद उनकी पत्नी मगंती सुनीता को बीआरएस ने उम्मीदवार बनाया है।

रामाराव ने गोपीनाथ के तीन कार्यकालों तक जुबली हिल्स की सेवा और क्षेत्र में पार्टी को मजबूत करने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि लगभग 1.67 करोड़ महिलाएं कांग्रेस के 2,500 रुपये मासिक सहायता के वादे से वंचित हैं, वरिष्ठ नागरिकों को 4,000 रुपये आसरा पेंशन नहीं मिला, बेरोजगार युवा नौकरी का इंतजार कर रहे हैं, और ऑटो चालक, झुग्गी-झोपड़ी वासियों सहित बीआरएस की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी राहत के लिए बीआरएस की ओर देख रहे हैं।

रामाराव ने कहा कि कांग्रेस के झूठे वादों से धोखा खाकर पिछड़ी जातियां और अल्पसंख्यक उसे सबक सिखाने के लिए तैयार हैं। नामांकन दाखिल करने से पहले सुनीता ने पेद्दम्मा थल्ली मंदिर में पारंपरिक पूजा की। उनके साथ वरिष्ठ नेता तलसानी श्रीनिवास यादव, टी पद्मा राव गौड़, रावुला श्रीधर रेड्डी और पी विष्णुवर्धन रेड्डी सहित कई नेता शेखपेट एमआरओ कार्यालय पहुंचे और नामांकन दाखिल किया।

दिवाली के मौसम में साइबर धोखाधड़ी बढ़ने की चेतावनी

साइबर अपराध पुलिस ने नकली ई-कॉमर्स ऑफर और फ़िशिंग लिंक से सावधान रहने को कहा

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिवाली और त्यौहारी खरीदारी के दौरान हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने नागरिकों से बढ़ती साइबर धोखाधड़ी से सावधान रहने का आग्रह किया है। अधिकारियों ने कहा कि अपराधी त्योहारों के उत्साह और ऑनलाइन शॉपिंग की बढ़ती गतिविधियों का फायदा उठाकर बैंक खाते, कार्ड विवरण, ओटीपी और अन्य व्यक्तिगत जानकारी चुरा रहे हैं, जिससे भारी वित्तीय नुकसान हो रहा है। पुलिस के अनुसार, धोखेबाज़ नकली ई-कॉमर्स पोर्टल और अनधिकृत मोबाइल ऐप के जरिए लोगों को लुभाते हैं। ये एप्लिकेशन लोकप्रिय शॉपिंग प्लेटफॉर्म की नकल करती हैं और डाउनलोड होते ही मैलवेयर इंस्टॉल कर बैंकिंग और निजी डेटा तक पहुँच बनाते हैं। साइबर अपराधी फ़िशिंग लिंक और फर्जी भुगतान पेजों का भी इस्तेमाल करते हैं, जिसमें डेबिट/क्रेडिट कार्ड नंबर, नेट बैंकिंग क्रेडेंशियल्स और ओटीपी चुराने की योजना होती है। वे लकी ड्रॉ या दिवाली उपहार जैसे संदेश भेजकर "प्रसंस्करण शुल्क' मांगते हैं।

यौन उत्पीड़न की शिकार से बची लड़की

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी स्कूल में पढ़ने वाली 11 वर्षीय लड़की मंगलवार शाम को मिरचौक में एक ऑटो चालक द्वारा अपहरण और यौन उत्पीड़न के प्रयास से बाल-बाल बच गई। जानकारी के अनुसार, संदिग्ध सैयद शब्बीर ने कथित तौर पर लड़की को यह झूठा झांसा देकर फुसलाया कि उसके पिता ने उसे घर ले जाने के लिए कहा है। एक अन्य लड़के को लेने और उसे छोड़ने के बाद, शब्बीर ने मलकपेट की ओर जाते हुए ऑटो में लड़की के साथ यौन उत्पीड़न करने की कोशिश की। लड़की ने अदम्य साहस दिखाते हुए चलती कार से कूदकर अपनी जान बचाई और मदद के लिए दौड़ी। स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। लड़की सुरक्षित है और अपराधी पुलिस की गिरफ़्त में है। मीरचौक पुलिस जाँच कर रही है।

हैदराबाद जीपीओ ने 24 घंटे बुकिंग सर्विसेज़ शुरू कीं

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जनरल पोस्ट ऑफिस (जीपीओ) ने 15 अक्टूबर, 2025 से रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक नाइट शिफ्ट ऑपरेशन शुरू करने की घोषणा की है। यह नई सुविधा कस्टमर्स को चौबीसों घंटे स्पीड पोस्ट डॉक्यूमेंट्स (लेटर) बुक करने और भेजने की सुविधा देती है, जिससे बिना किसी रुकावट के पोस्टल सर्विसेज़ पक्की होती हैं।

चीफ पोस्टमास्टर, जीपीओ हैदराबाद ने एक प्रेस रिलीज़ में कस्टमर्स को उनकी सुविधा के लिए 24x7 बुकिंग सर्विस का इस्तेमाल करने के लिए बढ़ावा दिया।

टी हरीश राव ने कांग्रेस और भाजपा पर तेलंगाना के साथ विश्वासघात का लगाया आरोप

बीआरएस नेता ने जुबली हिल्स उपचुनाव में समर्थन और राज्य हितों की रक्षा का किया आह्वान

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस के वरिष्ठ नेता टी हरीश राव ने कांग्रेस और भाजपा दोनों पर तेलंगाना के हितों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। उन्होंने राहुल गांधी की कांग्रेस शासन में उदासीनता और मोदी सरकार की तेलंगाना के प्रति भेदभावपूर्ण नीतियों पर निशाना साधा। तेलंगाना भवन में आयोजित सभा में, जहाँ जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र के 200 से अधिक भाजपा नेता और कार्यकर्ता बीआरएस में शामिल हुए, हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा तेलंगाना के प्रति हमेशा उदासीन रहे हैं। उन्होंने बीआरएस को राज्य की आवाज़ बताते हुए कहा कि यह पार्टी राज्य के अधिकारों की रक्षा कर रही है।

हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर गरीबों के घरों को ढहाने और कांग्रेस के धनी नेताओं को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने जुबली हिल्स उपचुनाव में कथित फ़र्ज़ी वोटों और राहुल गांधी की चुप्पी पर सवाल उठाया। मोदी सरकार पर आंध्र प्रदेश को विशेष पैकेज देने और तेलंगाना को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। बीआरएस के कल्याणकारी कार्यक्रमों और समावेशी शासन की तारीफ करते हुए हरीश राव ने कहा कि के चंद्रशेखर राव ने महिलाओं और बुजुर्गों के लिए सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित की। उन्होंने दिवंगत विधायक मगंती गोपीनाथ की विधवा मगंती सुनीता के समर्थन के लिए मतदाताओं से अपील की और विश्वास जताया कि जनता उपचुनाव में कांग्रेस और भाजपा दोनों को उनकी जगह दिखाएगी।

भाजपा मुख्यालय में बीसी नेताओं के बीच विवाद

प्रेस वार्ता के दौरान दो गुटों में बहस हाथापाई तक पहुँच गई

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को नामपल्ली स्थित भाजपा के राज्य मुख्यालय में पिछड़ा वर्ग (बीसी) संगठनों के नेताओं और पार्टी सदस्यों की प्रेस वार्ता के दौरान आपसी विवाद हो गया। कुछ देर अफरा-तफरी मची, लेकिन वरिष्ठ नेताओं के हस्तक्षेप से स्थिति नियंत्रण में आ गई। विवाद उस समय शुरू हुआ जब बीसी नेता और राज्यसभा सांसद आर कृष्णैया और अन्य प्रतिनिधियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंदर राव से 18 अक्टूबर को होने वाले राज्यव्यापी बंद के लिए समर्थन मांगा। बैठक सामान्य रूप से संपन्न हुई, लेकिन नेताओं की तस्वीरों के प्रदर्शन को लेकर असहमति के कारण गुस्सा भड़क गया।

कृष्णैया और रामचंदर राव की मौजूदगी में, बीसी नेताओं के दो गुटों के बीच ज़बानी बहस जल्दी हाथापाई में बदल गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें नेटिज़न्स ने आपसी लड़ाई की आलोचना की।

उपद्रवी युवक को शहर से बाहर करने का आदेश

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू ने आदिबटला पुलिस द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर उपद्रवी युवक नवीन रेड्डी (32) को शहर से बाहर करने का आदेश जारी किया है। आयुक्त ने नवीन की आपराधिक पृष्ठभूमि और उन गतिविधियों की समीक्षा की जो सार्वजनिक शांति और व्यवस्था को भंग करने वाली पाई गईं।

नवीन रेड्डी, जो अब्दुल्लापुरमेट के मन्नुगुडा का निवासी है, कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है, जिनमें हमला, हत्या का प्रयास, आपराधिक धमकी और दंगा शामिल हैं। एसीपी इब्राहिमपटनम के माध्यम से जारी नोटिस में अपराधी को सात दिनों के भीतर यह बताने का निर्देश दिया गया है कि उसे राचकोंडा कमिश्नरी की सीमा से छह महीने के लिए बाहर क्यों न कर दिया जाए।

छात्र के साथ स्कूल में मारपीट का आरोप

शिक्षा अधिकारी ने जांच का दिया आश्वासन

कुमराम भीम आसिफाबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कौटाला मंडल के मुथ्यमपेट गांव के एक छात्र के माता-पिता ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बुधवार को एक सरकारी स्कूल में उनके बेटे कार्तिक के साथ अंग्रेजी वर्णमाला ठीक से न पढ़ पाने पर शिक्षक साई ने मारपीट की।

पिता तिरुपति ने बताया कि मंगलवार को शिक्षक ने कार्तिक की बेतहाशा पिटाई की, जिससे उसके हाथ-पैर में सूजन आ गई। उन्होंने अधिकारियों से शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई करने और ऐसी घटनाओं को रोकने का आग्रह किया। मंडल शिक्षा अधिकारी हनुमंथु ने कहा कि कुछ ही दिनों में क्षेत्रीय जांच पूरी कर मामले को जिला शिक्षा अधिकारी के संज्ञान में लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि शारीरिक दंड अस्वीकार्य है और जांच के परिणाम के आधार पर शिक्षक के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं.CAT-PARK-00085
Seq. No.AA/1 : लॉट नं./वर्ग : PARKING-WAT-RGDA-MX-133-25-1 (पार्किंग-मिक्स्ड), विवरण : वाल्टियर मण्डल में स्थान राबगड़ा में दो पहिया एवं चार पहिया वाहन के लिए पार्किंग लॉट। दर यूनिट : वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क, टिप/दिवस : 1096, लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय : दिनांक : 22.10.2025 को 1100 बजे , लॉट समाप्ति की तिथि व समय : दिनांक : 22.10.2025 को 1130 बजे, न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2, लॉट स्थिति: ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।

नीलामी कैटलॉग नं.CAT-PARK-00086
Seq. No.AA/1 : लॉट नं./वर्ग : PARKING-WAT-PLH-MX-132-25-1 (पार्किंग-मिक्स्ड), विवरण : वाल्टियर मण्डल में स्थान पारलाखेमुंडी में दो पहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया वाहन के लिए पार्किंग लॉट। दर यूनिट : वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क, टिप/दिवस : 1096, लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय : दिनांक: 23.10.2025 को 1000 बजे , लॉट समाप्ति की तिथि व समय : दिनांक : 23.10.2025 को 1030 बजे, न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2, लॉट स्थिति : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।

नीलामी कैटलॉग नं.CAT-PARK-00087
Seq. No.AA/1 : लॉट नं./वर्ग : PARKING-WAT-VZM-MX-136-25-1 (पार्किंग-मिक्स्ड), विवरण: वाल्टियर मण्डल में स्थान विजयनगरम जं. में दो पहिया एवं चार पहिया वाहन के लिए पार्किंग लॉट। दर यूनिट : वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क, टिप/दिवस : 1096, लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय : दिनांक: 24.10.2025 को 1100 बजे , लॉट समाप्ति की तिथि व समय: दिनांक : 24.10.2025 को 1130 बजे, न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2, लॉट स्थिति : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।

इष्टव्य: संपूर्ण सूचनावली www.ireps.gov.in में उपलब्ध।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/ वाल्टियर
PR-684/Q/25-26

PUBLIC NOTICE

The Public in general is hereby informed that my client M/s. OPTIMAL REALTORS Pvt. Ltd., having its office at NO.8-2-681/A/1/A/III, 5th Floor, Behra Enclave 432, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad - 500034, has entered into a Development Agreement-cum- General Power of Attorney Dated 06.10.2025 with the landowners:

1. Mr. Bala Prashad Tiwari, 2. Mrs. Kiran Sharma alias Anitha, 3. Mr. Anand Kumar Kabra, and 4. Mr. Rakesh Kabra, in respect of open land admeasuring 2438.00 square yards, situated in Survey Nos. 69 & 70 of Bandlaguda Jagir Village & G.P. under Gandipet Mandal, Ranga Reddy District, Telangana State.

Any person, institution, or authority having any claim, right, title, interest, or objection whatsoever in respect of the said property is hereby requested to contact us at 9959088515/9885466332 within 7 (seven) days from the date of this publication. Failing which, it shall be presumed that there are no such claims, and development will proceed accordingly.

Sd/- M.MEHDI HUSSAIN, Advocate
Phone:9885466332
Office: 3-6-260/1, Telugu Academy Road, Himayatnagar, Hyderabad

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, ARCHNA DEVI , Spouse of HAV SHAKTESH CHAUHAN, Resident of BICHHWAN, MAINPURI, UTTAR PRADESH – request to change my DOB from 16/06/1986 to 16/01/1986 in my Husband's service records

I, No. 17030198X, NK, Jadhav Santosh Manohar, R/o, Dist: Sangli, Maharashtra, changed my Daughter's name from Jadhav Tirsha Santosh to Jadhav Trisha Santosh vide Affidavit No. 282280 dt. 14.10.2025 before, Medchal -Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

ओडिशा से महाराष्ट्र ले जा रही दो कारों से 260 किलोग्राम गांजा जब्त

पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर 1.30 करोड़ रुपये मूल्य का ड्रग्स जब्त किया

संगारेड्डी, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला पुलिस ने बुधवार को ओडिशा से महाराष्ट्र ले जा रही दो कारों से 260 किलोग्राम सूखा गांजा जब्त किया, जिसकी कीमत 1.30 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई एक गुप्त सूचना के आधार पर की गई।

एस-एनएबी इंस्पेक्टर नागेश्वर राव और मुनिपल्ली सब-इंस्पेक्टर राजेश नायक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग 65 पर कामकोले टोल प्लाजा पर वाहनों को रोका। जांच में दोनों कारों में छिपा हुआ गांजा मिला। पुलिस ने चार आरोपियों पिटारा पारीछा (25), डेविड पॉल (23), धर्मचंद पैको (30) और संजीव कुमार पारीछा (35) को गिरफ्तार किया। उनके पास से दो कारें और चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। पुलिस अधीक्षक परितोष पंकज ने कहा कि नशा तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और नागरिकों से अनुरोध किया कि किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी 87126 56777 पर साझा करें।

"ट्री मैन' गुनीथराम जेना के लिए बनाया गया स्थायी घर

ओडिशा के पर्यावरण कार्यकर्ता को अब परिवार के साथ सुरक्षित और पक्का आवास मिला

संगारेड्डी, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी स्थित गैर सरकारी संगठन रघु अरीकापुडी सेवा ट्रस्ट (आरएएसटी) ने ओडिशा के "ट्री मैन' गुनीथराम जेना (60) के लिए एक स्थायी घर बनवाया है। जेना ने जाजपुर जिले के 10 गांवों में चार दशकों में एक लाख से अधिक पेड़ लगाए हैं।

उसाही गाँव के दिहाड़ी मजदूर जेना अपनी पत्नी और तीन बेटियों के साथ जर्जर झोपड़ी में रहते थे और अपनी कमाई का अधिकांश हिस्सा पौधे खरीदने में खर्च करते थे।

उनके समर्पण के बारे में जानने के बाद, आरएएसटी के संस्थापक अरीकापुडी रघु अप्रैल में उनके परिवार से मिले, किराने का सामान दिया और पक्का घर बनाने का वादा किया। ओडिशा के इंजीनियर मनोरंजन महापात्रा की मदद से, एनजीओ ने 5 लाख रुपये की लागत से "प्रकृति निलयम' नाम से दो कमरों का घर बनाया। हाल ही में इसका गृहप्रवेश समारोह हुआ। रघु ने बताया कि जेना के पर्यावरण संरक्षण प्रयासों में सहयोग देने के लिए जल्द ही इसमें रसोई और शौचालय भी बनवाए जाने की योजना है।

बीएचयू में शव देख मची सनसनी, दौड़े सुरक्षाकर्मी

वीडियो बनाने लगे छात्र; जांच में निकला कूड़ा

वाराणसी, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीएचयू परिसर में उस समय हड़कंप मच गया जब कंप्यूटर सेंटर के समीप एक काली पन्नी में लपेटा हुआ शव मिलने की सूचना मिली। रास्ते से गुजर रहे राहगीरों ने संदिग्ध शव मिलने की सूचना कंट्रोल रूम में दे दी। जिसके बाद बीएचयू प्रोक्टोरियल बोर्ड के सुरक्षाकर्मी मौके पर भाग कर पहुंचे। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। कई छात्र पहुंचे और फोटो खींचने के साथ ही वीडियो बनाने लगे। सुरक्षाकर्मी वहां मौजूद लोगों को हटाने में लगे रहे।

करीब 10 मिनट तक सुरक्षाकर्मियों की धड़कन बढ़ी रही। शव होने की आशंका में कोई पास नहीं जाना चाह रहा था। इसके बाद जांच पड़ताल में पता चला कि वो शव नहीं बल्कि एक काली पन्नी में पुतले के शक्ल में कूड़ा भरा है, जो कूड़े वाली गाड़ी से नीचे गिरा था। जानकारी मिलने पर मौके पर बीएचयू के सफाईकर्मी गाड़ी लेकर पहुंचे और पुतले को उठा कर ले गए। मौके का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

ट्रैक्टर की टक्कर से स्कूटी सवार शिक्षिका की मौत, भतीजी को स्कूल छोड़ने जा रही थी युवती

रामपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। भतीजी को स्कूल छोड़ने जा रही शिक्षिका की स्कूटी को ट्रैक्टर ट्राली ने टक्कर मार दी। हादसे में शिक्षिका की मौके पर मौत हो गई। मिलक की श्रीराम कालोनी निवासी 23 वर्षीय रौनक गुप्ता एक निजी स्कूल में पढ़ाती थीं। बुधवार सुबह 8 बजे वह अपने बड़े भाई अनु की तीन वर्षीय पुत्री अक्षु को स्कूटी से स्कूल छोड़ने जा रही थी। हरियाली बाजार के समीप धान लेकर मंडी जा रही ट्रैक्टर ट्राली ने शिक्षिका की स्कूटी में टक्कर मार दी। दोनों बुआ भतीजी सड़क पर गिर गईं। ट्रॉली के पहिए के नीचे आ जाने से शिक्षिका की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद ट्रैक्टर छोड़कर चालक फरार हो गया।

जेडीयू ने जारी की उम्मीदवारों की पहली लिस्ट

मोकामा से अनंत सिंह को टिकट; चिराग की सीटों पर भी उतारे प्रत्याशी

पटना, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में पहले चरण की नामांकन की प्रक्रिया में अब 3 दिन ही बचे हैं, ऐसे में राजनीतिक दलों की ओर से उम्मीदवारों के नामों के ऐलान का सिलसिला शुरू हो गया है। राज्य में सत्तारुढ़ जनता दल यूनाइटेड ने अपनी पहली लिस्ट जारी कर दी है। 57 प्रत्याशियों की लिस्ट में मोकामा से बाहुबली अनंत सिंह और फुलवारी से पूर्व मंत्री श्याम रजक को खड़ा किया गया है।

साथ ही चिराग पासवान के खाते में गई सीटों में से 4 सीटों पर भी अपना प्रत्याशी खड़ा कर दिया है। नीतीश कुमार की अगुवाई वाली जनता दल यूनाइटेड पार्टी एनडीए के साथ सीट शेयरिंग को लेकर लगातार गहन मंथन

कर रही थी। लेकिन सीटों को लेकर तकरार बना रहा। एनडीए की ओर से जेडीयू के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) बराबर-बराबर सीटों पर यानी 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। बरबीघा से जेडीयू के निवर्तमान विधायक सुदर्शन का टिकट काट दिया गया है।

पहली बार 4 महिलाओं को टिकट

जेडीयू की ओर से जारी लिस्ट में पहली बार 4 महिलाओं को शामिल किया गया है। मधेपुरा से कविता शाहा, गायघाट से कोमल सिंह, समस्तीपुर से अश्वमेघ देवी और विभूतिपुर सीट से रवीना कुशवाहा को उतारा गया है।

चिराग के प्रत्याशियों के खिलाफ उतारे प्रत्याशी

बिहार की सोनबरसा, गायघाट, राजगीर और एकमा सीट पर भी जेडीयू ने अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं। एनडीए की ओर से ये सीटें सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) को दी गई थी। लेकिन जेडीयू ने यहां पर भी अपने प्रत्याशी खड़े कर अपनी चाल चल दी है। पार्टी की ओर से जारी टिकट में दलबदलुओं पर भी भरोसा जताया गया है। सारण जिले की परसा सीट से विधायक छोटेलाल राय को भी जेडीयू ने टिकट दिया है। वह पिछला चुनाव राष्ट्रीय जनता दल के टिकट पर जीते थे, लेकिन इस चुनाव से पहले उन्होंने पार्टी छोड़ दी। वह 2 दिन पहले ही आरजेडी छोड़कर जेडीयू में शामिल हुए थे। इस तरह से जेडीयू ने बाहरी नेता को भी टिकट दे दिया।

बिशप जॉनसन की पूर्व प्रिंसिपल के खिलाफ धोखाधड़ी

और करोड़ों के गबन का मुकदमा दर्ज, देवर भी नामजद

प्रयागराज, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की आरओ-एआरओ पेपर लीक मामले में जेल जा चुकीं बिशप जॉनसन गर्ल्स स्कूल एंड कॉलेज की पूर्व प्रधानाचार्या पारुल सोलोमन पर करोड़ों रुपये के गबन का आरोप लगा है। इस मामले में कर्नलगंज थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने कार्रवाई की है। थाना कर्नलगंज में पारुल सोलोमन और उनके देवर एलेक्जेंडर मसीह के खिलाफ भी धोखाधड़ी, कूटरचना और गबन की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पारुल का नाम इससे पहले भी सुर्खियों में रह चुका है। वर्ष 2024 में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की आरओ-एआरओ परीक्षा पेपर लीक प्रकरण में उनकी भूमिका सामने आई थी। आरोप है कि जांच में पता चला था कि उनकी मिलीभगत से ही बिशप जॉनसन गर्ल्स स्कूल परीक्षा केंद्र से पेपर लीक हुआ था। इस मामले में एसटीएफ ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा था। अब एक बार फिर वे करोड़ों के घोटाले में फंस गई हैं।

चुनाव में भोजपुरी एक्टर खेसारी लाल यादव की एंट्री, कहा- भइया को जिताएंगे

भोजपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। गायक और अभिनेता खेसारी लाल यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने पत्नी किष्किंधा के चुनाव लड़ने के सवाल पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि मेरी पत्नी चुनाव लड़ें, मैं उन्हें 4 दिन से मना रहा हूं। अगर वो मान जाती हैं तो नामांकन दाखिल करेंगे अन्यथा सिर्फ प्रचार करके भइया(तेजस्वी यादव) को जिताने की कोशिश करूंगा। खेसारी लाल के चुनाव लड़ने और उनकी पत्नी के चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि मैं अपनी पत्नी को मना रहा हूं चुनाव लड़ने के लिए लेकिन वह चुनाव लड़ना नहीं चाहती हैं। अभी एक-दो दिन का समय है। अगर वह मान जाती हैं तो फिर है सही है और नहीं तो फिर वह चुनाव नहीं लड़ेंगी। खेसारी लाल ने कहा कि 17-18 के बाद वह खुद चुनाव प्रचार करेंगे।

उन्होंने कहा कि बिहार में बदलाव होना चाहिए जिस तरह से तेजस्वी यादव ने 17 महीने के कार्यकाल में बदलाव किया तो जरूरी है कि सबको मौका मिला है तो एक बार इनको भी मौका मिलना चाहिए। बिहार में जो विकास होना था वह विकास अभी तक नहीं हुआ है। पवन सिंह और उनकी पत्नी के मामले पर खेसारी ने कहा कि बेवजह विवाद नहीं करना चाहिए और इस तरह के विवाद नहीं हो तो अच्छा है।

दरोगा समेत तीन पर मुकदमा दर्ज, उत्पीड़न से तंग युवक ने खाया था जहरीला पदार्थ

मेरठ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेरठ के भावनपुर थाना क्षेत्र के मुबारकपुर गांव में पुलिस उत्पीड़न का मामला सामने आया है। यहां निवासी पुष्पेंद्र पुत्र रामेश्वर ने आरोप लगाया कि पुलिस की ज्यादती से तंग आकर उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। इस मामले में भावनपुर थाने के एक दरोगा सहित तीन पुलिसकर्मियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना सोमवार देर रात की है, जब पुष्पेंद्र के साथ 20 हजार रुपये की नकदी लूट ली गई थी। उसने इसकी सूचना थाना पुलिस को दी। लेकिन कार्रवाई करने के बजाय मौके पर पहुंची पुलिस ने उसके साथ ही मारपीट कर दी और बदसलूकी करते हुए उसका मोबाइल फोन तक कब्जे में ले लिया। पुलिस के इस व्यवहार से आहत पुष्पेंद्र ने अगले दिन जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है और उसका इलाज चल रहा है। सूचना मिलने पर उच्च अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया। डीआईजी के निर्देश पर एसओ भावनपुर को निलंबित कर दिया गया है।

सत्ता में आए तो 100 भ्रष्ट नेताओं और अफसरों की छुट्टी तय

प्रशांत किशोर ने किया बड़ा दावा

पटना, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बुधवार को अपने एक बयान में कहा कि अगर बिहार चुनाव में उनकी पार्टी सत्ता में आती है, तो वह '100 सबसे भ्रष्ट नेताओं और सरकारी अधिकारियों' के खिलाफ कार्रवाई करेंगे और उनकी अवैध कमाई को एक महीने के अंदर ही जब्त कर लिया जाएगा। प्रशांत किशोर ने मीडिया से कहा कि एनडीए सरकार के समय बिहार में चारों तरफ भ्रष्टाचार फैला हुआ है। उन्होंने कहा कि आरजेडी के समय बिहार की स्थिति और भी खराब थी।

किशोर ने कहा कि उन्होंने बिहार को भू-माफिया, रेत खनन माफिया और सभी प्रकार के माफिया से मुक्त करने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास को लेकर हमने जनता से 6 वादे किए हैं,

जिसमें फर्जी शराबबंदी नीति को खत्म करना भी शामिल है। पार्टी प्रमुख ने कहा कि सरकार बनने के एक महीने के अंदर ही राज्य के 100 सबसे भ्रष्ट नेताओं और सरकारी अधिकारियों की पहचान के लिए एक कानून बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है, भ्रष्ट नेता पूजा-पाठ कर रहे होंगे ताकि हम सत्ता में न आ पाएं। इन भ्रष्ट नेताओं और अफसरों पर मुकदमा चलाया जाएगा और उनकी सारी अवैध कमाई को जब्त करके सरकारी खजाने में जमा किया जाएगा और इसका इस्तेमाल बिहार के विकास के लिए किया जा सकेगा।

'लैंड फॉर जॉब्स' घोटाले पर बोले किशोर

लैंड फॉर जॉब्स घोटाले के सवाल का जवाब देते हुए प्रशांत किशोर कहते हैं कि मुझे नहीं लगता कि लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव पर इसको लेकर आरोप तय होते हैं, तो यह कोई बड़ी बात नहीं है, क्योंकि यह मामला पहले से ही गंदे कपड़े पर एक दाग जैसा है। उन्होंने कहा, लेकिन असली खबर एनडीए में फैला भ्रष्टाचार है। किशोर ने सम्राट चौधरी पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह सात लोगों की हत्या के मामले में आरोपी होने के बावजूद उपमुख्यमंत्री पद का आनंद ले रहे हैं। उस समय उन्होंने खुद को नाबालिग दिखाने वाला एक फर्जी प्रमाणपत्र पेश करके वह मुकदमे से बच निकले हैं। उन्होंने एक कहावत का इस्तेमाल करते हुए कहा, "ये लोग चोरी-छिपे खाए जा रहे घी को छिपाने के लिए अपने शरीर पर कम्बल ओढ़ लेते हैं।"

विस्फोट से पक्का मकान ढहा, 12 लोग घायल; तीन घर भी क्षतिग्रस्त

सुल्तानपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुल्तानपुर के जयसिंहपुर कोतवाली के गंगेव मियागंज में बुधवार सुबह तेज धमाके के साथ विस्फोट होने से एक मकान खण्डर में बदल गया। बगल के दो मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। मलबे में दबने से कुल 12 लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर विग्रेड और एंबुलेंस की गाड़ियां मौके पर पहुंची। राहत बचाव कार्य करते हुए घायलों को सीएचसी जयसिंहपुर पहुंचाया गया। जहां से तीन लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कालेज सुलतानपुर रेफर किया गया है।

विस्फोट कैसे हुआ इसकी जांच की जा रही है। घटना स्थल पर बारूद की गंध आ रही थी। साथ ही मौके पर सुतली गोले भी मिले हैं। गंगेव मियागंज निवासी नजीर अहमद का बगियागांव दियरा मार्ग पर पक्का मकान है। मॉर्निंग वाक पर निकले गंगेव के उदयराज के मुताबिक सुबह करीब साढ़े बजे रोज की तरह वह टहल रहे थे। इसी बीच नजीर के मकान में तेज विस्फोट के साथ आग लपटें उठी तो भाग कर मौके पर पहुंचे। पूरा मकान खण्डर में बदल गया था और चीख-पुकार मची थी। मलबे के बीच चार-पांच लोग फंसे थे।

घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पर पुलिस, फायर विग्रेड और एंबुलेंस की गाड़ियां भी मौके पर पहुंच गईं। कड़ी मशक्कत के बाद मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। थोड़ी ही देर में फायर कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। एंबुलेंस 108 और 102 की गाड़ियों से घायलों को सीएचसी जयसिंहपुर ले जाया गया। हादसे में एक ही परिवार के नजीर अहमद उनकी पत्नी जमातुल निशा, बेटे मो अनीस, नूर मोहम्मद, शाहिल, सोहेल पुत्रगण मो। अनीस, सानिया बानो, खुशी पुत्री अनीस, सहाना पत्नी अनीस घायल हुए हैं। विस्फोट से बगल स्थित अब्दुल हमीद, गुड्डू वर्मा व लक्ष्मी प्रसाद का मकान भी क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के वक्त लक्ष्मी प्रसाद अपने मकान में थे।

संभल में मीट कारोबारियों पर तीसरे दिन भी छापेमारी

प्रमोद कृष्णम बोले-सांसद के घर मिलेगा पैसा

संभल, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। संभल में पिछले तीन दिनों से ईडीआई, आईटी, सीबीआई और आईबीटी अधिकारियों का तांता लगा हुआ है। पिछले तीन दिनों से शहर के मीट कारोबारियों पर छापेमारी जारी है। करीब 150 कर्मचारियों को फैक्ट्री परिसर में ही रोके रखा गया है, जबकि टीम बहीखाता, लेन-देन और विदेशी सप्लाई नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है। यह छापा संभल की सबसे बड़ी मीट फैक्ट्री और उससे जुड़े कारोबारियों के ठिकानों पर एक साथ मारा गई है। छापेमारी में क्या-क्या खुलासे होते हैं, इस पर सबकी नजरें टिकी हैं। तीन दिन से लगातार से छापेमारी जारी, लगभग 200 अफसर जांच में जुटे। साथ ही इस छापेमारी ने शहर की राजनीति भी गर्म कर दी है।

आचार्य प्रमोद कृष्णम का सपा सांसद पर हमला

संभल में ईडी कार्यवाही पर आचार्य प्रमोद कृष्णम का भी बयान सामने आया है, आचार्य प्रमोद कृष्णम ने मंगलवार को ईडी की संभल में चल रही छापेमारी पर तीखा बयान दिया और स्थानीय राजनीतिक और व्यावसायिक हितों के बीच कथित कनेक्शन की बात कही। आचार्य ने कहा कि गैरकानूनी काम करेंगे तो छापा तो लगेगा और आरोप लगाया कि संभल में नम्बर दो का पैसा समाजवादी पार्टी के नेताओं के पास पहुंचता है, उन्होंने कहा कि पैसा रिकवर करना है तो संभल सांसद जियाउर रहमान बर्क के यहां छापा मारो। आचार्य ने कहा, काला धन रिकवर करना है तो सांसद के यहाँ होनी चाहिए छापेमारी और दावा किया कि सिटिंग सांसद के पास रहता है मीट कारोबारियों का पैसा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई 'वंदे मातरम्' नहीं कहेगा और तालिबान का समर्थन करेगा तो उस पर छापे पड़ना स्वाभाविक है।

मीट कारोबारी के रिश्तेदार और कर्मचारियों के यहां भी छापेमारी

जनपद संभल में मीट कारोबारी इरफ़ान हाजी इमरान ब्रदर्स के घर और इंडिया फ्रोजन फूड फैक्ट्री पर सोमवार सुबह से ही लगातार टीम छापेमारी कर रही है। इसके अलावा फैक्ट्री घर मैनेजर और सुधारों के ठिकानों पर भी टीम जांच में लगी है, बताया जा रहा कि थाना रायसत्ती के चमन सराय जोया रोड राय सत्ती खेड़ा संभल कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नाला में भी टीम ने छापेमारी की। चमन सराय में फैक्ट्री के मैनेजर इमरान की ससुराल जो खेड़े चंदौसी में है, वहां भी पूछताछ की गई है। रेड में अधिकारियों को कई दस्तावेज मिलने की सूचना है, लेकिन अभी उनकी और से कोई जानकारी साझा नहीं की गई है।

कौन हैं एसओ ममता सिंह, जिनपर फर्जी एनकाउंटर का है आरोप हाथरस एसपी ने किया सस्पेंड

हाथरस, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हाथरस में फर्जी मुठभेड़ में घिरी मुरसाना थाना प्रभारी ममता सिंह चर्चा में हैं। हाथरस एसपी ने थानाध्यक्ष ममता सिंह और एंटी थेफ्ट टीम प्रभारी मुकेश कुमार को निलंबित कर दिया है। दोनों अधिकारियों पर एक निर्दोष व्यक्ति को मुठभेड़ में फंसाने और गोली चलाने का आरोप है। जांच में मुठभेड़ फर्जी पाई गई, जिसके बाद एसपी ने तत्काल कार्रवाई की। आपको बता दें कि चर्चा में रहीं थाना प्रभारी ममता सिंह मूल रूप से मेरठ जिले की रहने वाली हैं। इनके पति एक सुगर मिल में इंजीनियर हैं। इनके दो बच्चे हैं। ममता सिंह हाथरस जिले के चंदपा और महिला थाना में कार्यरत रही हैं। इसके अलावा सदर कोतवाली में बतौर एसएसआई सेवाएं दी हैं। इसके बाद इनकों मुरसान थाने में पोस्टिंग मिल गई थी। रअसल, मुरसान थाना क्षेत्र के बनखंडी महादेव कालोनी में लूट के प्रयास के आरोप में पुलिस ने दो युवकों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है।

अब भगवान नहीं, मोदी-नीतीश की भक्ति करेंगी

मैथिली ठाकुर पर कांग्रेस नेता का तीखा तंज

लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की प्रसिद्ध लोक और शास्त्रीय गायिका मैथिली ठाकुर ने अब सियासत के मैदान में कदम रख लिया है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल हो गई। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, उन्हें दरभंगा की अलीनगर सीट से बिहार विधानसभा चुनाव लड़ाया जा सकता है।

ऐसे में अलीनगर सीट से मौजूदा विधायक मिश्रीलाल यादव का टिकट कटना लगभग तय है। वहीं, मैथिली ठाकुर के बीजेपी का हाथ थामते ही सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने मैथिली ठाकुर पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि वह जिस भी पार्टी में जाएंगी उसी की तारीफ करेंगी।

इतना ही नहीं पीएम मोदी और नीतीश की भक्ति करने की बात भी कह दी। कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने लोकगायिका के हालिया राजनीतिक झुकाव पर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि मैथिली ठाकुर जिस भी पार्टी में जाएंगी, उसकी तारीफ करेंगी।

पहले वे भगवान की भक्ति करती थीं, लेकिन अब लगता है कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भक्ति में लीन होंगी। उन्होंने आगे कहा कि जनता को यह समझना होगा कि कौन सच्चे अर्थों में सांस्कृतिक परंपराओं की सेवा कर रहा है और कौन राजनीति के मंच से भक्ति का प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि अब तक मैथिली ठाकुर भगवान के चरणों में ध्यान की बात करती थीं, लेकिन अब वे मोदी और नीतीश के चरणों में ध्यान करेंगी।

पत्रकार बृजेश गुप्ता हत्याकांड में 16 साल बाद मिला न्याय, आरोपियों को उम्रकैद

कानपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहर के बहुचर्चित पत्रकार बृजेश गुप्ता हत्याकांड में लंबे इंतजार के बाद आखिरकार न्याय की जीत हुई है। अपर सत्र न्यायाधीश (एडीजे)-19 की अदालत ने मुख्य आरोपी न्यूज एंकर कनिका ग्रोवर, उसके दो भाइयों सन्नी और मन्नी तथा रिश्तेदार सुरजीत सिंह को हत्या के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वहीं, सबूत मिटाने के मामले में आरोपी राजीव कुमार उर्फ बंटी को पांच साल की कैद की सजा दी गई है। यह फैसला पीड़ित परिवार के लिए राहत की सांस लेकर आया है, जो पिछले 16 सालों से न्याय की लड़ाई लड़ रहा था। घटना जून 2009 की है, जब कानपुर के बाबूपुरवा इलाके में रहने वाले बृजेश गुप्ता, जो सीएनएन न्यूज चैनल के संचालक थे, की निर्मम हत्या कर दी गई थी। उनके भाई प्रभात गुप्ता के अनुसार, 13 जून की शाम करीब साढ़े चार बजे बृजेश को गोशाला चौराहे के पास देखा गया था। उस समय उनकी कार में कनिका ग्रोवर, जो चैनल में एंकर के रूप में काम करती थी, उसके भाई सन्नी, मन्नी और सुरजीत सिंह सवार थे। बृजेश ने प्रभात को बताया था कि वह कनिका को घर छोड़कर लौट आएंगे। लेकिन वे कभी वापस नहीं आए। गले दिन 14 जून को उनकी कार की पिछली सीट पर बोरे में बंधा शव मिला। शव की हालत दर्दनाक थी। दोनों हाथ टेढ़े-मेढ़े, सिर से खून बह रहा था, एक आंख खुली और दूसरी बंद। साथ ही, उनकी रिवॉल्वर और पांच अंगूठियां गायब थीं।

प्रभात ने तुरंत गोविंद नगर थाने में कनिका, सन्नी, मन्नी, उनकी मां अल्का ग्रोवर, सुरजीत सिंह और बंटी उर्फ राजीव कुमार के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज कराई। जांच में खुलासा हुआ कि हत्या कनिका के घर पर की गई थी, जहां चाकू, सुम्मी (एक प्रकार का हथियार) और हथौड़े से हमला किया गया। आरोपी पक्ष ने पुलिस को बताया कि उन्हें शक था कि बृजेश ने ही कनिका के पिता राजेंद्र ग्रोवर को जेल भिजवाया था। राजेंद्र ग्रोवर को बर्रा पुलिस ने चरस तस्करी और चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया था। इसकी जानकारी मिलने पर बृजेश ने कनिका को नौकरी से निकाल दिया था। जिससे आरोपी नाराज थे और उन्होंने बृजेश को धमकियां दी थीं। हत्याकांड से दो दिन पहले बृजेश ने प्रभात को इन धमकियों के बारे में बताया था।

आरोपियों को भेजा गया जेल

पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। मामले की सुनवाई एडीजे-19 राकेश सिंह की अदालत में चली, जहां अभियोजन पक्ष की ओर से अपर सरकारी वकील गौरेंद्र नारायण त्रिपाठी ने 10 गवाह पेश किए। गवाहों के बयान, सबूतों और आरोपी पक्ष के कबूलनामे के आधार पर अदालत ने फैसला सुनाया। कनिका, सन्नी, मन्नी और सुरजीत को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा दी गई। वहीं, बंटी को सबूत नष्ट करने की धारा 201 के तहत पांच साल कैद सुनाई गई। अल्का ग्रोवर के खिलाफ पर्याप्त सबूत न मिलने के कारण उन्हें बरी कर दिया गया।

मेरठ में सपा का नया समीकरण

17 साल बाद गुर्जर नेता को जिलाध्यक्ष की कमान, कर्मवीर गुमी का जोरदार स्वागत

मेरठ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेरठ में समाजवादी पार्टी ने जिले में नया संगठनात्मक संतुलन साधते हुए 17 साल बाद गुर्जर समाज से कर्मवीर सिंह गुमी को जिलाध्यक्ष बनाया है। लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने उन्हें मनोनयन पत्र सौंपा। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद मेरठ-दिल्ली एक्सप्रेसवे स्थित काशी टोल प्लाजा पर कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। सुबह से ही बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता फूल-मालाएं लेकर पहुंच गए थे। गुमी ने कहा कि वे पूरी निष्ठा के साथ संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे और 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लक्ष्य को पूरा करेंगे। सपा ने जिलाध्यक्ष पद पर इस बार गुर्जर कार्ड खेला है। नया जिलाध्यक्ष कर्मवीर सिंह गुमी को बनाया गया है। वह परतापुर क्षेत्र के गांव गुमी के रहने वाले हैं। लंबे समय से सपा से जुड़े हुए हैं। लखनऊ में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने जिलाध्यक्ष मनोनीत किए जाने का पत्र दिया। मेरठ में सपा ने करीब 17 साल बाद गुर्जर जाति के किसी व्यक्ति को जिलाध्यक्ष बनाया है। साल-2008 में आखिरी बार ओपी राणा जिलाध्यक्ष थे। इसके बाद से जाट ही जिलाध्यक्ष बनते रहे। साल-2008 में ही जयवीर सिंह को जिलाध्यक्ष बनाया गया। इसके बाद राजपाल सिंह जिलाध्यक्ष बने, फिर जयवीर सिंह और उसके बाद राजपाल सिंह।

पिछले करीब दो साल चार माह से विपिन चौधरी जिलाध्यक्ष थे। उन्हें 14 जून 2023 को जिलाध्यक्ष बनाया गया था। विपिन चौधरी को अब राज्य कार्यकारिणी में प्रदेश सचिव बनाया गया है। हालांकि जिलाध्यक्ष पद से हटाए जाने से विपिन चौधरी के समर्थकों को झटका लगा है। कर्मवीर सिंह गुमी 1972 से राजनीति में हैं। उस वक्त वह भारतीय किसान दल (बीकेडी) से जुड़े थे। सपा बनने के बाद सपा में शामिल हो गए।

जंगली हाथियों की संख्या 18 फीसदी कम हुई

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में जंगली हाथियों की पहली बार हुई डीएनए आधारित गणना के मुताबिक इनकी संख्या में 18 फीसदी की कमी आई है। इसके मुताबिक, भारत में जंगली हाथियों की संख्या 22,446 है, जो 2017 के 27,312 से कम है। अखिल भारतीय समकालिक हाथी अनुमान (एसएआईईई) 2025 के अनुसार भारत में जंगली हाथियों की संख्या 18,255 से 26,645 के बीच होने का अनुमान है, जिसका औसत 22,446 है। सरकार ने 2021 में सर्वेक्षण शुरू होने के लगभग चार साल बाद मंगलवार को लंबे समय से लंबित रिपोर्ट जारी की।

अधिकारियों ने बताया कि रिपोर्ट जारी करने में देरी जटिल आनुवंशिक विश्लेषण और आंकड़ों के सत्यापन के कारण हुई। रिपोर्ट में दिए गए क्षेत्रवार आंकड़ों के मुताबिक, पश्चिमी घाट 11,934 हाथियों के साथ सबसे बड़ा गढ़ बना हुआ है, इसके बाद उत्तर पूर्वी पहाड़ी और ब्रह्मपुत्र का मैदान 6,559 हाथियों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में, मध्यप्रदेश (97) और महाराष्ट्र (63) जैसे राज्यों में हाथियों के छोटे, खंडित झुंड हैं। पर्यावरण मंत्रालय, प्रोजेक्ट एलीफेंट और भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से किया गया 2025 का यह सर्वेक्षण भविष्य की निगरानी और संरक्षण योजना के लिए एक नयी वैज्ञानिक आधार स्थापित करता है। नई गणना में जमीनी सर्वेक्षण, उपग्रह आधारित मानचित्रण और आनुवंशिक विश्लेषण को मिलाकर शिवालिक पहाड़ियों और गंगा के मैदानों में 2,062 हाथियों का निवास

रिपोर्ट के मुताबिक शिवालिक पहाड़ियों और गंगा के मैदानों में 2,062 हाथियों का निवास है, जबकि मध्य भारत और पूर्वी घाटों में 1,891 हाथी रहते हैं। आंकड़ों के मुताबिक कर्नाटक में सबसे अधिक 6,013 हाथियों का पर्यावास है, जिसके बाद असम (4,159), तमिलनाडु (3,136), केरल (2,785) और उत्तराखंड (1,792) का स्थान है।

'पति को लट्टू की तरह नहीं घुमाना चाहिए'

सुप्रीम कोर्ट ने पत्नी को लेकर क्यों की ये टिप्पणी?

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक दंपत्ति के मामले में टिप्पणी की है कि पत्नी को पति को लट्टू की तरह नहीं घुमाना चाहिए।। सुप्रीम कोर्ट ने दंपत्ति को सलाह दी कि वे अपने अहंकार को एक तरफ रखकर अपने बच्चे के हित में फैसला लें। न्यायमूर्ति बी।वी। नागरत्ना और आर। महादेवन की खंडपीठ ने मंगलवार को यह टिप्पणी उस समय की जब पत्नी अपने पति के कई सुझावों को मानने से इंकार कर रही थी, जो पति ने उनमें जारी मतभेद सुलझाने और बच्चे से मिलने के लिए दिए थे बता दें इस मामले में पति दिल्ली में रेलवे विभाग में काम करता है, जबकि पत्नी पटना में अपने माता-पिता के साथ रह रही है। वह भारतीय रिजर्व बैंक में नौकरी करती है और बच्चा भी उसके साथ है। पति ने अदालत को बताया कि ससुराल वालों ने उसके खिलाफ केस दायर किया है, इसलिए वह उनके घर पर नहीं रह सकता। उसने कहा कि वह पटना में अलग आवास लेकर रहेगा और हफ्ते पर बच्चे से मिलने आएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने पति की मांग को बताया वाजिब

सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रस्ताव को वाजिब बताया और पत्नी के वकील से कहा कि वह उसे यह समझाने की कोशिश करें, लेकिन पत्नी ने प्रस्ताव मानने से इनकार कर दिया। अदालत को यह भी बताया गया कि पत्नी अपने ससुराल वालों से मतभेदों की वजह से दिल्ली आने से हिचक रही है। इस पर अदालत ने पति से कहा कि वह या तो पटना में ही बच्चे से मिलने की व्यवस्था करे या फिर अपने माता-पिता को कुछ समय के लिए होटल या गेस्ट हाउस में ठहराए ताकि पत्नी दिल्ली आ सके।

माता-पिता को लेकर कोर्ट क्या बोला?

न्यायालय ने पति-पत्नी के विवाद में माता-पिता पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, "माता-पिता की भी क्या स्थिति है, उन्हें घर छोड़ना पड़ रहा है। क्योंकि बहू उनके साथ नहीं रहना चाहती। कहा जाता है कि पत्नी को पति को लट्टू की तरह नहीं घुमाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने आखिर में दोनों को मध्यस्थता के जरिए विवाद सुलझाने की सलाह दी है।

दिल्ली आश्रम के बाद महाराष्ट्र के गुरुकुल में सामने आया 'डर्टी बाबा', नाबालिग छात्रा को बनाया शिकार

रत्नागिरि, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के एक गुरुकुल में छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इसमें गुरुकुल के कोकरे महाराज समेत दो पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के खेड तालुका के आध्यात्मिक वारकरी गुरुकुल में ये शर्मनाक घटना हुई। यहां गुरुकुल के प्रमुख और एक शिक्षक पर गुरुकुल में पढ़ने वाली एक नाबालिग छात्रा के साथ छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न करने की कोशिश का आरोप लगा है।

रत्नागिरी जिले के खेड तालुका में लोटे स्थित आध्यात्मिक वारकरी गुरुकुल की ये घटना है। इसमें गुरुकुल के प्रमुख कोकरे महाराज और गुरुकुल में शिक्षक प्रीतेश प्रभाकर कदम का गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण कर रही नाबालिग छात्रा के साथ आरोपियों पर छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न का प्रयास करने का आरोप लगा है। पुलिस ने दोनों आरोपियों भगवान कोकरे महाराज और प्रीतेश प्रभाकर कदम के खिलाफ सख्त धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बाल यौन अपराध संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम की धारा 12 और 17 के साथ-साथ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। कोकरे महाराज के इस गुरुकुल में महाराष्ट्र के कई स्थानों से लड़के-लड़कियां आध्यात्मिक शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। इस मामले में खेड़ पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पीड़ित लड़की कुछ समय से आध्यात्मिक शिक्षा लेने के लिए गुरुकुल में रह रही थी ।इस समय गुरुकुल के प्रमुख भगवान कोकरे महाराज पर आरोप है कि वो अक्सर उसके साथ गलत हरकतें और छेड़छाड़ करता था। घटना के बाद शुरू में पीड़िता ने गुरुकुल के एक सदस्य को इस बारे में बताया था लेकिन उसने उसे चुप रहने की धमकी देते हुए कहा कि महाराज की सामाजिक और राजनीतिक पहचान है और वह इस बारे में कुछ न कहे।

पीड़िता ने बताया कि अगर उसने किसी को बताया तो धमकी दी जाती थी कि परिवार और समाज में उसकी बदनामी होगी। आखिरकार उसके परिवार वालों को ये सब पता चल गया। बाद में परिवार वाले पुलिस स्टेशन पहुंचे और इस बारे में शिकायत दर्ज कराई। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।घटना सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा और आक्रोश देखा जा रहा है। खेड़ पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संदिग्ध आरोपी कोकरे और कदम को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से कोर्ट ने दोनों को दो दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया।

वाराणसी में पकड़ी गई 6 करोड़ की अवैध चांदी

वाराणसी, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिगरा इलाके में एसओजी-2 और सिगरा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में मंगलवार को एक बड़ी कामयाबी मिली। पुलिस ने 467 किलो चांदी और 644 किलो गिलट (सफेद धातु) बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 6 करोड़ रुपये बताई जा रही है। दीपावली और छठ पर्व के मौके पर इन धातुओं को अवैध रूप से बाजार में बेचने की तैयारी की जा रही थी। इस मामले में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वे पकड़ी गई चांदी और गिलट के संबंध में कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। डीसीपी क्राइम टी।

सरवनन ने बताया कि यह कार्रवाई सिगरा क्षेत्र के रोडवेज चौकी के पास की गई। इनकम टैक्स विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और बरामद माल की जांच शुरू कर दी है। बरामद चांदी और गिलट को दीपावली व छठ पर्व पर बाजार में अवैध रूप से खपाने की योजना थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी आगरा और मथुरा से प्राइवेट बस के ज़रिए ज्वैलरी वाराणसी लाते थे और यहां से छोटी गाड़ियों में विभिन्न जगहों पर सप्लाई करते थे।

उत्तराखंड में रहस्यमयी बुखार से 15 दिन में 10 लोगों की मौत

स्वास्थ्य विभाग ने दिए जांच के आदेश

अल्मोड़ा, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के दो जिलों अल्मोड़ा और हरिद्वार में इन दिनों रहस्यमयी बुखार का प्रकोप तेजी से फैल रहा है।बीते 15 दिनों में कुल 10 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें अल्मोड़ा जिले के धौलादेवी ब्लॉक में सात और हरिद्वार जिले के रुड़की क्षेत्र में तीन मौतें शामिल हैं। इस अचानक बढ़े बुखार के मामलों ने स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय प्रशासन को सतर्क कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अल्मोड़ा के धौलादेवी ब्लॉक में मरीजों के प्लेटलेट्स तेजी से गिरने के लक्षण देखने को मिल रहे हैं, जिसके बाद कई लोगों की इलाज के दौरान मौत हो चुकी है। शुक्रवार को बिबड़ी गांव के 70 वर्षीय गंगा दत्त जोशी की तेज बुखार से मौत ने गांव में दहशत बढ़ा दी। इससे पहले मदन राम, आशा कार्यकर्ता हंसी भट्ट, पंडित शैलेंद्र पांडे और गोविंद सिंह खानी की भी इसी तरह की बीमारी से मौत हो चुकी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षतिग्रस्त सड़कों के कारण मरीजों को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा पा रहा है।

बिबड़ी गांव को धौलादेवी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जोड़ने वाली सड़क पिछले एक महीने से बंद पड़ी है, जिससे इलाज में भारी दिक्कतें आ रही हैं। गांवों में बुखार के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और ग्रामीणों में भय का माहौल है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य सचिव डॉ। आर। राजेश कुमार ने अल्मोड़ा और हरिद्वार के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को तत्काल जांच के निर्देश दिए हैं। अल्मोड़ा में एक विशेष जांच टीम धौलादेवी भेजी गई है, जो मरीजों का तत्काल उपचार कर रही है और नमूने एकत्र कर लैब में जांच कर रही है।

बिहार में तीसरा गठबंधनः एआईएमआईएम 35, आजाद समाज 25 और अपनी जनता पार्टी 4 सीटों पर लड़ेगी

पटना, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव (2025) को लेकर तीसरे मोर्चे का गठन हो चुका है। एआईएमआईएम को महागठबंधन में शामिल नहीं किए जाने के बाद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने बिहार चुनाव के लिए चंद्रशेखर आजाद की पार्टी 'आजाद समाज' एवं स्वामी प्रसाद मौर्य की 'अपनी जनता पार्टी' के साथ गठबंधन किया है। गठबंधन को 'ग्रैंड डेमोक्रेटिक एलायंस' नाम दिया गया है। एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने बुधवार (15 अक्टूबर, 2025) को किशनगंज में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि एआईएमआईएम 35 सीटों पर जबकि आजाद समाज पार्टी 25 और स्वामी प्रसाद मौर्य की पार्टी अपनी जनता पार्टी चार सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

उमर सरकार का एक वर्ष: 'पावर' की लड़ाई में गुम हो गई 12 गारंटियां

श्रीनगर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र शासित प्रदेश के रूप में जम्मू-कश्मीर की पहली निर्वाचित सरकार को सत्ता संभाले गुरुवार को एक वर्ष पूरा हो जाएगा, लेकिन सत्ताधारी नेशनल कान्फ्रेंस अपने चुनावी घोषणापत्र की 12 गारंटियों में से एकआध को छोड़कर कोई भी पूरी करती नजर नहीं आई है। एक लाख नौकरियां, निशुल्क 12 गैस सिलींडर, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, सड़कों का मजबूत नेटवर्क जैसे वादे आज भी मुंह चिढ़ा रहे हैं।

चुनावी वादों में आम लोगों के लिए रेवड़ियां बांटने के साथ 370 और 35ए जैसे कानून की वापसी, राज्य का दर्जा और जेलों में बंद कश्मीरी कैदियों की रिहाई का वादा भी था। मुख्यमंत्री हों या उनके मंत्रिमंडल के सदस्य, पूछने पर यही कहते हैं कि उन्हें जनादेश एक वर्ष के लिए नहीं, पांच वर्ष के लिए मिला है, अभी चार वर्ष शेष हैं। कई बार वे राजभवन प्रशासन की तरफ इशारा करते हुए कहते हैं कि सरकार के कामकाज के नियम स्पष्ट नहीं हैं, सरकार के पास 'पावर' (अधिकार और शक्तियां) ही नहीं है। जबकि उपराज्यपाल कई मौकों पर स्पष्ट कर चुके हैं कि नियम बिल्कुल स्पष्ट हैं। उनके पास केवल सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा है, बाकी सभी उमर सरकार के पास है। यानी 'पावर' की लड़ाई में उमर सरकार की जनता से की गई 12 गारंटियां एक साल में गुम हो गई हैं। बता दें कि मुख्यमंत्री के रूप में नेशनल कान्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने 16 अक्टूबर, 2024 को शपथ ली थी। उमर के साथ उनके मंत्रिमंडल ने भी शपथ ग्रहण की थी। कश्मीर मामलों के जानकार फैयाज अहमद वानी ने कहा कि पिछले साल नवंबर में हुए सत्र में उमर ने पांच अगस्त, 2019 से पहले की संवैधानिक स्थिति बहाल करने का अपना एक वादा पूरा करने के लिए प्रस्ताव लाया, लेकिन वह प्रस्ताव कहां गया, किसी को नहीं पता। नौकरी हो या 200 यूनिट मुफ्त बिजली, किसे मिली? क्या पीएसए समाप्त हो गया, उनके सामने एक विधायक पर पीएसए लगा। महिलाओं को श्रीनगर व जम्मू में ई-बस की मुफ्त सुविधा जरूर मिली है, लेकिन वादा तो हर प्रकार की सार्वजनिक सवारी का था।

कम से कम अपने कार्याधिकार वाले वादे पूरा कर दें

जम्मू-कश्मीर मामलों के जानकार जफर चौधरी ने कहा, उमर का एक वर्ष का कार्यकाल विफल ही साबित हुआ है। उन्होंने कोई वादा पूरा नहीं किया है। वह और उनके साथी बहाना बनाते हैं कि उनके पास पर्याप्त अधिकार नहीं है और सभी प्रमुख अधिकार राजभवन में हैं। यह एक तकनीकी बात है। लोगों ने जो जनादेश दिया है, उसका भी वह ध्यान नहीं रख रहे। कम से कम वह उन विषयों पर तो मजबूती के साथ कदम उठा सकते हैं, जो उनके कार्याधिकार क्षेत्र में हैं।

सिर्फ राजभवन की आलोचना करते हैं उमर

कश्मीर मामलों के जानकार प्रो। हरि ओम ने कहा कि उमर सरकार प्रशासनिक जवाबदेही, रोजगार और जन कल्याण से संबंधित मामलों पर सिर्फ राजभवन की आलोचना करती है। इससे लोगों का उससे मोहभंग हो रहा है। उनके बयानों का अगर आकलन किया जाए तो उन्होंने एक ऐसी छवि बनाई है, जिसे जनता के कल्याण के बजाय, सिर्फ एक वर्ग विशेष की भावनाओं को खुश करने में ज्यादा रुचि है। वह क्षेत्रवाद की राजनीति करते हुए नजर आने लगे हैं, जिसे अब कश्मीरी मुस्लिम भी पसंद नहीं करते। उनके पास बीते एक वर्ष के दौरान अपनी उपलब्धियों के नाम पर गिनाने के लिए कुछ नहीं है।

अब पंजाब में एएसआई ने किया सुसाइडः डीआईजी हाउस में थी ड्यूटी, कनाडा में रहते हैं बच्चे; सिर में मारी गोली

लुधियाना, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। लुधियाना के रानी झांसी रोड स्थित डीआईजी लुधियाना रेंज सतिंदर सिंह के घर ड्यूटी पर तैनात एएसआई ने अपने सर्विस रिवाल्वर से खुद को गोली मार कर आत्महत्या कर ली। एएसआई तीर्थ सिंह (50) पिछले चार से पांच साल से डीआईजी हाउस में ही ड्यूटी कर रहा था। मंगलवार सुबह उसने सर्विस रिवाल्वर से अपने सिर में गोली मार ली। उसके साथी उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस के आलाधिकारी और थाना डिवीजन आठ की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने जांच के बाद शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस जांच में जुटी है कि आखिर ऐसी क्या परेशानी थी कि एएसआई तीर्थ सिंह को आत्महत्या करनी पड़ी। मूल रुप से मुल्लांपुर दाखा एरिया में रहने वाला तीर्थ सिंह पंजाब पुलिस में बतौर एएसआई तैनात था और चार पांच साल से डीआईजी हाउस में ही ड्यूटी दे रहा था। उसके तीन बच्चे कनाडा में रहते है। पुलिस के मुताबिक तीर्थ सिंह डीआईजी हाउस में मिसलेनियस स्टोर कीपर की ड्यूटी करता था। देर रात अपनी निर्धारित ड्यूटी पर तैनात था। सोमवार रात करीब 3 बजे उसने संदिग्ध परिस्थितियों में अपनी सर्विस रिवाल्वर से गोली मार ली। गोली सिर में लगी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। गोली की आवाज सुनते ही हाउस में तैनात अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि तीर्थ सिंह का शव खून से लथपथ पड़ा था। यह देख उनके होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत डीआईजी और रानी झांसी रोड स्थित थाना आठ नंबर को सूचना दी। सूचना मिलते पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच की। एसीपी सिविल लाइन गुरइकबाल सिंह के मुताबिक तीर्थ सिंह ने सुसाइड क्यों किया, इसका कारण अभी पता नहीं चल सका है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजन से जानकारी जुटाई जा रही है कि सुसाइड करने की क्या वजहें थीं। पुलिस ने साथी कर्मचारियों से भी जानकारी ली है।

राज्य कर विभाग के रडार पर पटाखा व ड्राई फ्रूट्स व्यापार, 50 करोड़ की जीएसटी वसूली गई

देहरादून, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। त्योहारी सीजन में पटाखा व ड्राई फ्रूट्स का व्यापार राज्य कर विभाग के रडार पर है। राज्य कर विभाग ने टैक्स चोरी के खिलाफ प्रदेश भर में विशेष अभियान चलाया है।

इसके तहत प्रदेश में अलग-अलग जिलों में पटाखा व्यापारियों पर की गई कार्रवाई में अब तक 50 करोड़ की जीएसटी वसूली गई है। दीपावली पर्व पर पटाखों व ड्राई फ्रूट्स की मांग को देखते हुए व्यापारियों ने माल का स्टॉक कर लिया है। पटाखा पर 18 प्रतिशत जीएसटी है। प्रदेश में पटाखे व ड्राई फ्रूट्स बाहरी राज्यों से आता है। राज्य कर विभाग की विशेष रूप से पटाखा व ड्राई फ्रूट्स के कारोबार व बाहर से आने वाले माल पर है।

बीते सप्ताह के भीतर विभागीय टीमों ने देहरादून, नैनीताल, ऊधमसिंह नगर, हरिद्वार जिले में पटाखा व्यापारियों पर कार्रवाई कर 50 करोड़ की जीएसटी वसूली की है। राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में चेक पोस्ट पर बाहर से आने वाले माल वाहक वाहनों की चेकिंग की जा रही है। इसके अलावा ई-वे बिल ट्रेकिंग के माध्यम से बाहर से आने वाले माल की निगरानी है। अपर आयुक्त अनिल सिंह का कहना है कि राज्य आयुक्त के दिशानिर्देश पर प्रदेश भर में जीएसटी चोरी रोकने के लिए विशेष चेकिंग अभियान जारी है।

आईपीएस पूरन कुमार सुसाइड केस में पहली बार सामने आया पत्नी का बयान

बोलीं- मैं चाहती हूं कि सच्चाई सामने आए इसलिए जांच में पूरा सहयोग करूंगी

चंडीगढ़, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुसाइड करने वाले हरियाणा के सीनियर आईपीएस अफसर वाई। पूरन कुमार की पत्नी का बड़ा बयान सामने आया है। एएसआई अमनीत पी कुमार ने कहा है कि मुझे कानून पर पूरा भरोसा है। निष्पक्ष जांच का आश्वासन मिला इसलिए मैंने पोस्टमॉर्टम की सहमति दी है। चंडीगढ़ पुलिस और हरियाणा सरकार ने निष्पक्ष जांच का भरोसा दिया है। पूरन कुमार की पत्नी अमनीत ने कहा, "मैं भी चाहती हूं कि सच्चाई सामने आए इसलिए जांच में पूरा सहयोग करूंगी। इंसाफ़ मिले इसके लिए जांच जरूरी है।" आत्महत्या के नौवें दिन पूरन कुमार के शव का पोस्टमॉर्टम हो रहा है। चंडीगढ़ पीजीआई में डॉक्टरों का स्पेशल पैनल पोस्टमॉर्टम कर रहा है। पूरन कुमार का आज ही अंतिम संस्कार भी किया जाएगा। वहीं, आईपीएस पूरन कुमार सुसाइड केस में कल बहुत बड़ा ट्विस्ट सामने आया जब एक एएसआई संदीप लाठर ने जान दे दी। आत्महत्या से पहले उसने बाक़ायदा चार मिनट का एक वीडियो बनाया। 4 पन्नों का सुसाइड नोट लिखा जिसमें उसने बेहद गंभीर आरोप लगाए। एएसआई संदीप ने कहा कि मैं अपनी आहुति दे रहा हूं।।

लेकिन सच सामने आना चाहिए क्योंकि आईपीएस पूरन कुमार और उनकी फ़ैमिली करप्ट है। करप्शन की वजह से बदनामी होती इसलिए पूरन कुमार ने सुसाइड कर लिया। संदीप ने आरोप लगाया कि आईपीएस पूरन कुमार भ्रष्ट अफसर थे। वह करप्शन केस में फंसने वाले थे, जातिवाद का सिर्फ़ ड्रामा रचा गया।

मुकेरियां से सात क्विंटल संदिग्ध पनीर जब्त

बस स्टैंड के पास हरियाणा नंबर की गाड़ी से बरामदगी

मुकेरियां, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुकेरियां बस स्टैंड के पास बुधवार सुबह करीब 6 बजे हरियाणा नंबर की एक गाड़ी से सात क्विंटल के करीब संदिग्ध पनीर पकड़ा गया। डिस्ट्रिक्ट हेल्थ ऑफिसर डॉ। जतिंदर कुमार भाटिया और उनकी फूड सेफ्टी टीम ने जांच की तो शक हुआ कि पनीर घटिया क्वालिटी का है। पनीर के सैंपल लिए गए और उसे कोल्ड स्टोर में रख कर जब्त कर लिया गया। इस मौके पर फूड सेफ्टी ऑफिसर मनीष कुमार सोढी और टीम के दूसरे सदस्य मौजूद थे। इस मौके पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ। जितेंद्र कामूर ने कहा कि जिले के लोगों को साफ-सुथरा खाना उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी है। पिछले कई दिनों से शिकायतें मिल रही थीं कि पड़ोसी जिलों से घटिया पनीर की सप्लाई हो रही है। आज फूड सेफ्टी टीम मुकेरिया बस स्टैंड के पास पहले से खड़ी थी। पनीर की गाड़ी आ गई और टीम ने उसे रोक लिया। इस हरियाणा नंबर की गाड़ी से करीब 700 किलो (सात क्विंटल) संदिग्ध पनीर जब्त किया गया है, जिसके सैंपल लेकर लैब में भेज दिए गए हैं और पनीर को कोल्ड स्टोर में सीज कर दिया गया है। इस पनीर का क्या करना है, यह रिपोर्ट आने के बाद बताया जाएगा।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि त्योहारों के सीजन में मिठाई बनाने के लिए दूध व पनीर की खपत बहुत बढ़ जाती है और ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में मिलावटी, घटिया क्वालिटी का पनीर व दूध बेचकर लोगों की सेहत से खिलवाड़ किया जा रहा है।

इस मौके पर उन्होंने लोगों से अपील की कि दूध, पनीर, देसी घी, तेल और मिठाई सावधानी से खरीदें, अगर किसी को किसी दुकानदार से कोई शिकायत है तो वे सिविल सर्जन के ऑफिस में संपर्क करें, हेल्थ डिपार्टमेंट की टीमें हर समय लोगों की सेवा में मौजूद हैं।

एनकाउंटर की धमकी देकर किया रेप, इंदौर में किन्नर को बनाया शिकार

इंदौर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहर के नंदलालपुरा क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक किन्नर ने दो आरोपियों पर दुष्कर्म, मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाया है। पंढरीनाथ थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है पुलिस को दी अपनी शिकायत में पीड़ित किन्नर ने बताया कि 30 मई, 2025 को उसके गुरु के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज हुई थी। इसी सिलसिले में 12 जून को आरोपी मीडियाकर्मी पंकज जैन अपने साथी अक्षय के साथ उसके डेरे पर पहुंचा। आरोप है कि पंकज ने उस पर जबरन शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाला। जब पीड़िता ने इसका विरोध किया, तो आरोपी ने उसे समाज में बदनाम करने और पुलिस कार्रवाई में एनकाउंटर करवा देने की धमकी दी।

सोना-चांदी, कैश और लग्जरी कार

एमपी में रिटायर्ड आबकारी अधिकारी के घर छापामारी में और क्या मिला?

इंदौर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में रिटायर्ड आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र भदौरिया के घर पर छापा पड़ा है। लोकायुक्त की टीम ने धर्मेंद्र भदौरिया के ग्वालियर, उज्जैन और इंदौर स्थित आवास पर छापेमारी की, जहां बड़ी संख्या में कैश के साथ सोने और चांदी के आभूषण मिले हैं। जांच अधिकारियों को धर्मेंद्र भदौरिया के घर से कई लग्जरी गाड़ियां, विदेशी मुद्राएं, प्रॉपर्टीज, फ्लैट, कैश, सोना और चांदी बरामद की है।

धर्मेंद्र प्रधान के बतौर आबकारी अधिकारी होते हुए उनकी कुल संपत्ति 2 करोड़ रुपये होनी चाहिए। मगर, अधिकारियों ने 8 करोड़ से अधिक की संपत्ति की जानकारी जुटाई है। धर्मेंद्र भदौरिया 1987 में एसआई (आबकारी) अधिकारी बने थे और 31 अगस्त को जिला आबकारी अधिकारी के पद से रिटायर हुए थे। धर्मेंद्र भदौरिया के पास इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर में कई प्रॉपर्टीज मौजूद थीं। लोकायुक्त टीम ने उनके इंदौर स्थित कैलाश कुंज अपार्टमेंट, 4 ऑफिसों, अवि ग्रीन फ्लैट और काउंटी वॉक कॉलोनी में निर्माणाधीन मकान पर छापा मारा।

गुजरात तक फैला है अवैध शराब का कारोबार

धर्मेंद्र भदौरिया पर अपने समधी एके सिंह के साथ मिलकर गुजरात और मध्य प्रदेश में शराब का कारोबार करने का आरोप है। उनके समधी गुजरात में एक्टिव हैं। दोनों मिलकर बड़ी संख्या में अवैध शराब का कारोबार करते हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 16 अक्टूबर- 2025

डॉलर की हेकड़ी निकाली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ब्रिक्स से इसलिए चिढ़े हैं कि वह अमेरिका की आर्थिक प्रभुत्व को चुनौती देने वाला गठबंधन बनता जा रहा है। ट्रंप ज्यों-ज्यों ब्रिक्स पर अपना गुस्सा उतार रहे है,त्यों-त्यों यह समूह आगे बढ़ता जा रहा है। बढ़ते -बढ़ते अब 10 सदस्य देशों तक का समूह बन गया है। मूल रूप से ब्राजील, रूस, भारत और चीन के साथ बने इस समूह में अब दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया जैसे देश भी शामिल हो गए हैं। ट्रंप ने बुधवार को ब्रिक्स देशों के खिलाफ अपनी टैरिफ स्ट्रैटजी रणनीति का ब्योरा देते हुए कहा कि यह समूह अमेरिकी डॉलर के खिलाफ काम कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी दावा किया कि कई देश इससे अब बाहर निकल रहे हैं। ट्रंप के अनुसार जो भी देश ब्रिक्स में रहना चाहता है, रह सकता है, लेकिन हम उनके ऊपर टैरिफ लगाने से फिर पीछे नहीं हटेंगे। नतीजा यह हुआ कि सभी देश पीछे हटने लगे। ट्रंप ने कहा कि ब्रिक्स डॉलर पर हमला था, इसलिए,मैंने साफ कह दिया कि अगर आप यह खतरनाक खेल खेलना चाहते हैं, तो आपके सभी उत्पादों पर 100% तक टैरिफ लगेगा। अब कई देश खुद कह रहे हैं, हम ब्रिक्स से बाहर हो रहे हैं... अब तो कोई इसका जिक्र भी नहीं करता। ट्रंप के इस बयान से कुछ दिन पहले ही भारत ने ब्रिक्स देशों से बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को बनाए रखने और अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने की अपील की थी, जिसे ट्रंप की संरक्षणवादी नीतियों के खिलाफ एक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। जानकारों का मानना है कि इससे अमेरिका और भारत के बीच नई कूटनीतिक तनातनी पैदा हो सकती है। ट्रंप पहले भी ब्रिक्स को अमेरिका की आर्थिक प्रभुत्व को चुनौती देने वाला गठबंधन बताते रहे हैं। मूल रूप से ब्राजील, रूस, भारत और चीन के साथ बना यह समूह अब 10 सदस्य देशों तक बढ़ गया है। इसके अलावा कुछ साझेदार देश जैसे बेलारूस, बोलिविया और मलेशिया भी जुड़े हैं, जबकि पाकिस्तान और श्रीलंका जैसे देशों ने सदस्यता के लिए आवेदन दिया है। ब्रिक्स के तेजी से हो रहे विस्तार ने अमेरिका के माथे पर पसीना ला दिया है। ट्रंप ने स्पष्ट कहा कि यह समूह "हमारे डॉलर को कमजोर करने और अमेरिका को नुकसान पहुंचाने" के लिए बनाया गया है। हालांकि, भारत ने भी स्पष्ट कर दिया है कि वह 'डी-डॉलराइजेशन' (डॉलर के विकल्प की नीति) का समर्थन कदापि नहीं करता, लेकिन इसके बावजूद ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ब्रिक्स देश इस दिशा में आगे बढ़े तो अमेरिका 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने से पीछे नहीं हटेगा। ट्रंप का इसी तरह का एक बयान मंगलवार को निवेशकों को बहुत भारी पड़ गया। उनके बयान के कारण महज 7 मिनट में निवेशकों ने 450 अरब डॉलर गंवा दिए। ट्रंप ने कहा कि चीन ने अमेरिका से सोयाबीन खरीदने से मना कर दिया है और इसके जवाब में हम खुद कुकिंग ऑयल बनाएंगे। इससे अमेरिका शेयर बाजार भरभरा कर गिर पडा, जिसकी भरपाई में लंबा समय लग सकता है।

पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र, मार्गदर्शक, बुद्धिमान सलाहकार और धैर्यवान शिक्षक होती हैं

संजीव ठाकुर

पुस्तक मानवता की आत्मा और सभ्यता की संवाहक हैं। महात्मा गांधी ने कहा है कि "पुराने वस्त्र पहनो पर नई पुस्तकें खरीदो," क्योंकि रत्न भले ही देह को अलंकृत करें, पर पुस्तकें अंतःकरण को आलोकित करती हैं। वास्तव में पुस्तकें मनुष्य के भीतर छिपे सत्य और अनुभवों के द्वार खोलती हैं। जो व्यक्ति पुस्तकों से दूर रहता है, वह जीवन की अनेक सच्चाइयों से अनभिज्ञ रह जाता है। पुस्तकें न केवल ज्ञान का स्रोत हैं, बल्कि कठिन परिस्थितियों में आत्मबल और समाधान की दिशा भी देती हैं। वे हमें सिखाती हैं कि चाहे विपत्ति कितनी ही बड़ी क्यों न हो, धैर्य और विवेक से उसका समाधान संभव है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का कहना है कि "एक पुस्तक अनेक मित्रों के बराबर होती है," जबकि शिक्षाविद् चार्ल्स विलियम इलियट के अनुसार, "पुस्तकें मित्रों में सबसे शांत, सलाहकारों में सबसे बुद्धिमान और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान होती हैं।" वास्तव में, पुस्तकें जीवन की सच्ची गुरु हैं जो हमें सोचने, समझने और आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। वे न केवल मानसिक, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, सांस्कृतिक और चारित्रिक विकास की संवाहक हैं। प्राचीन भारत में 'पंचतंत्र' और 'हितोपदेश' जैसे ग्रंथों के माध्यम से बच्चों को नैतिक शिक्षा, नीति, सदाचार और जीवन कौशल सिखाने की परंपरा रही है। इन पुस्तकों ने भारतीय संस्कृति, सभ्यता और मूल्यबोध के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विश्व की प्रत्येक सभ्यता में लेखन और पठन की परंपरा ही संस्कृति की धुरी रही है, क्योंकि पुस्तकों ने धर्म, दर्शन, राजनीति और समाज को दिशा दी है। अच्छी पुस्तकें मनुष्य के भीतर चेतना, विवेक और सद्गुणों का संचार करती हैं तथा उसे जीवन के उद्देश्य से परिचित कराती हैं। ऐतिहासिक पुस्तकों से हमें अतीत की घटनाओं, सभ्यता और संस्कृतियों का ज्ञान मिलता है, जिससे व्यक्तित्व का समुचित विकास होता है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था कि "पुस्तकें वह साधन हैं जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों और समाजों के बीच सेतु का निर्माण कर सकते हैं।" यही कारण है कि अनेक लोग आज भी अपने पास गुरुवाणी, हनुमान चालीसा, गीता या रामचरितमानस जैसी पुस्तकें रखते हैं, जो जीवन के हर मोड़ पर उनका मार्गदर्शन करती हैं। वर्तमान में जब डिजिटल युग ने संसार को स्क्रीन पर समेट दिया है, तब भी पुस्तक का महत्त्व समाप्त नहीं हुआ है। अब डिजिटल पुस्तकें और ऑनलाइन लाइब्रेरीज़ ने अध्ययन को आसान और सर्वसुलभ बना दिया है। पहले के बच्चे 'चंदामामा', 'नंदन', 'बालभारती' जैसी पत्रिकाओं से ज्ञान और मनोरंजन प्राप्त करते थे, आज वही ज्ञान डिजिटल स्वरूप में उपलब्ध है। भारत सरकार और राज्य सरकारें 'ई-शिक्षा' तथा 'डिजिटल लाइब्रेरी' के माध्यम से विद्यार्थियों तक पठन सामग्री पहुंचा रही हैं। यह एक नई शिक्षा क्रांति का प्रतीक है, परंतु इसके साथ सावधानी भी आवश्यक है, क्योंकि इंटरनेट पर उपलब्ध भ्रामक या अप्रामाणिक सामग्री बच्चों के मन पर विपरीत प्रभाव डाल सकती है। इसलिए माता-पिता और शिक्षक की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है कि वे बच्चों को सही पुस्तकों के चयन की दिशा में प्रेरित करें। डिजिटल पुस्तकें भले ही सुविधाजनक हों, परंतु कागज़ की पुस्तक हाथ में लेकर पढ़ने का आनंद, उसकी खुशबू, उसके पन्नों का आत्मीय स्पर्श आज भी अनुपम है। पुस्तकें केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि मनुष्य और समाज के बीच संवाद की सबसे पवित्र कड़ी हैं। वे हमें एकता, सद्भावना और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा देती हैं। पुस्तकें युवाओं को दिशा देती हैं, समाज को विचार देती हैं और राष्ट्र को चरित्र देती हैं।

ट्रंप-नेतन्याहू की जीत लेकिन शांति की आस नहीं

राजेश कुमार पासी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा शांति प्रस्ताव के पहले चरण पर अमल शुरू हो गया है । हमास ने इजराइल के 20 बंधकों को रिहा कर दिया है और 28 बंधकों के शवों की वापसी होने वाली है । इजराइल ने भी फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करना शुरू कर दिया है । इससे डोनाल्ड ट्रंप की वाहवाही हो रही है । वैसे उनका शांति प्रस्ताव अपने आप में अनोखा है क्योंकि जिनके बीच यह समझौते की बात कहता है, उसमें से एक पक्ष इसमें शामिल नहीं हैं । बेशक समझौते के पहले चरण पर अमल शुरू हो गया है लेकिन अगले चरण कब पूरे होते हैं या नहीं होते हैं, यह आने वाला वक्त बताएगा । इसके बावजूद इजराइल और हमास के बीच युद्ध रुकवाने का श्रेय डोनाल्ड ट्रंप को देना होगा । उनकी कोशिशों से दोनों पक्ष युद्ध रोकने को सहमत हो गए हैं । इस शांति प्रस्ताव का आंशिक रूप से लागू होना भी ट्रंप और नेतन्याहू की बड़ी जीत माना जाएगा । युद्ध रुकने से हमास ने भी राहत की सांस ली है । अरब देश भी इस समझौते के बाद खुश दिखाई दे रहे हैं. सिर्फ पाकिस्तान में इस मुद्दे पर आग लगी हुई है । वैसे तो हमास-इजराइल युद्ध से पूरी दुनिया परेशान है लेकिन दोनों पक्षों के अलावा अमेरिका और अरब देशों के लिए ये युद्ध बड़ी सिरदर्दी बन चुका है ।

ये सोचना गलत है कि ट्रंप ने सिर्फ वाहवाही हासिल करने के लिए ये समझौता करवाया है बल्कि उन्होंने इस समझौते से सबकी समस्याओं को कुछ समय के लिए टाल दिया है । उनका बड़बोलापन और आत्ममुग्धता से भरे बयान उन्हें अविश्वसनीय बनाते हैं लेकिन इस समझौते के लिए उनकी तारीफ की जानी चाहिए । उन्होंने बड़ी चालाकी से इजराइल को बड़ी मुसीबत से बाहर निकाल लिया है । उन्होंने नेतन्याहू से माफी मंगवा कर इजराइल के प्रति बढ़ती नफरत को थाम लिया है । जब से इजराइल ने कतर की राजधानी दोहा पर हमला करके हमास के अधिकारियों की हत्या की है, तब से सभी अरब देश डरे हुए हैं कि कहीं वो इजराइल के अगले हमले का शिकार न बन जाएं । यही वो डर था, जिसके कारण सऊदी अरब ने पाकिस्तान के साथ रक्षा समझौता कर लिया । इस समझौते के बाद अरब देशों ने राहत की सांस ली है।

डोनाल्ड ट्रंप सिर्फ बंधकों की रिहाई से ही इस समझौते की सफलता का ढिंढोरा पीट रहे हैं । उनका कहना है कि उन्होंने हज़ारों सालों से दोनों देशों के बीच चल रहे युद्ध को हमेशा के लिए खत्म कर दिया है। ऐसा ही बयान उन्होंने भारत-पाकिस्तान के युद्ध विराम के लिये दिया था। देखा जाए तो हमास और इजराइल के बीच भी युद्ध विराम ही हुआ है। स्थायी शांति की उम्मीद करना पूरी तरह से व्यर्थ है । युद्ध-विराम कभी भी शांति का प्रतीक नहीं होता । युद्ध-विराम का अर्थ ही होता है कि दोनों पक्ष लड़ना छोड़कर अब अगले युद्ध की तैयारी करेंगे । हमास और इजराइल दोबारा नहीं लड़ेंगे, ये सोचना गलत है । इजराइली सरकार पर जनता का भारी दबाव पड़ रहा था कि वो तत्काल बंधकों की रिहाई करवाये । दूसरी तरफ हमास पर भी गाजा की जनता का दबाव था कि वो बंधकों को छोड़ दे ताकि इजराइल गाजा की नाकाबंदी खत्म कर दे । वहाँ भुखमरी के हालात पैदा हो गए थे। देखा जाए तो दोनों पक्ष लड़ते-लड़ते थक गए थे, इसलिए दोनों को थोड़े आराम की जरूरत थी ।

इस समझौते को नेतन्याहू की बड़ी सफलता माना जाएगा क्योंकि इतने बड़े नरसंहार के बाद भी वो अपने बंधकों को छुड़ाने में कामयाब रहे हैं । वैसे भी यह समझौता इजराइल के पक्ष में झुका हुआ दिखाई देता है, इसलिए मुस्लिम देशों में इसका विरोध बढ़ता दिखाई दे रहा है । दूसरे चरण में जब इजराइली सेना पीछे हटेगी तो देखना होगा कि वो कहां तक पीछे जाती है । हमास ने हथियार छोड़ने के लिए शर्त रख दी है कि वो स्वतंत्र फिलिस्तीन का रास्ता साफ होने पर ही हथियार छोड़ेगा । इजराइल इसके लिए तैयार होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है । हमास ईरान का प्रॉक्सी है, इसलिए ईरान की भूमिका भी देखनी पड़ेगी कि वो क्या करता है । ईरान ने इजराइल को मिटाने की कसम खा रखी है, इसलिए इजराइल का ईरान पर भरोसा करना बहुत मुश्किल है । ईरान सिर्फ हमास को ही इजराइल के खिलाफ इस्तेमाल नहीं कर रहा है बल्कि वो हिजबुल्लाह और हूती विद्रोहियों से भी इजराइल पर हमले करवा रहा है । इस युद्ध को इसलिए याद रखा जाना चाहिए क्योंकि इजराइल ने लेबनान से हिजबुल्लाह का लगभग सफाया कर दिया है । इसके अलावा इस युद्ध के कारण सीरिया में भी सत्ता परिवर्तन हो गया है।

इजराइली हमलों के कारण गाजा में लगातार लोग मारे जा रहे थे । मरने वालों की संख्या 65000 से ऊपर जा चुकी है और इससे कई गुना ज्यादा लोग घायल हैं । इसके कारण इजराइल पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था कि वो तत्काल युद्ध-विराम कर दे । पूरी दुनिया में बड़ी-बड़ी रैलियां निकाल कर इजराइल का विरोध किया जा रहा था । इजराइल के विरोध में यूरोप के कई देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता प्रदान कर दी थी । सवाल यह है कि 7 अक्टूबर, 2023 से पहले गाजा और इजराइल के बीच युद्ध-विराम ही चल रहा था. इस दिन किसने इजराइल पर बर्बर हमला करके इस युद्ध-विराम को भंग किया था । जब इजराइल पर हमास ने यह भयंकर हमला किया था तो एक समुदाय ने पूरी दुनिया में इसका जश्न मनाया था । देखा जाए तो गाजावासियों की हत्याओं के लिए इजराइल नहीं बल्कि हमास जिम्मेदार है । अगर वो इजराइल पर इतना बर्बर हमला नहीं करता तो इजराइल कैसे गाजा में इतना बड़ा नरसंहार कर सकता था । गाजा के लोगों की हत्याओं के लिए किसी भी मुस्लिम देश ने हमास को जिम्मेदार नहीं ठहराया है । पूरे मुस्लिम जगत की ये मानसिकता है कि इजराइल धरती पर होना ही नहीं चाहिए और यहूदियों को धरती से खत्म करना है। हमास वही कर रहा है जो मुस्लिम जगत चाहता है, इसलिए मुस्लिम देशों में उसके समर्थन में बड़े-बड़े प्रदर्शन होते हैं।

इजराइल का सपना भी एक ग्रेटर इजराइल बनाने का है जिसके लिए युद्ध जरूरी है। डोनाल्ड ट्रंप इस समस्या को दो देशों की लड़ाई समझते हैं जबकि सच्चाई यह है कि ये दो सभ्यताओं की जंग है । ये जंग सिर्फ यहूदियों और मुस्लिमों के बीच नहीं है बल्कि शिया और सुन्नी की भी जंग है । अरब देश फिलीस्तीनियों से नफरत करते हैं इसलिए वहां हमास का ज्यादा समर्थन नहीं है। जो समर्थन है वो सिर्फ यहूदियों से नफरत के कारण है। ईरान इस्लामिक देशों का रहनुमा बनने के चक्कर में आतंकियों के संगठन खड़े कर रहा है जो इजराइल से लड़ते रहते हैं । हमास से जब पूछा गया कि अगर तुम्हें पता होता कि इजराइल तुम्हारे हमले का ऐसा जवाब देगा तो क्या तब भी हमला करते। हमास का जवाब था हम बार-बार ऐसे हमले करेंगे, फिर चाहे कोई भी कीमत चुकानी पड़े। ये संभव ही नहीं है कि हमास हथियार छोड़कर गाजा से बाहर चला जाये, जबकि ये शांति प्रस्ताव की जरूरी शर्त है। सवाल यह है कि हथियार छोड़कर हमास क्या करेगा और वो कहां जाएगा । क्या कोई देश उसे शरण देगा । सवाल यह भी है कि जो आज हमास के लिए लड़ रहे हैं, क्या सिर्फ उन्हें ही हमास माना जाए । अगर हमास के लड़ाके गाजा छोड़ देते हैं तो जो लोग पीछे बचेंगे, वो एक नया हमास खड़ा कर सकते हैं । हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जब हमास ने इजराइल पर हमला किया था तो उसे गाजा की जनता का पूरा समर्थन हासिल था ।

आत्मनिर्भर कृषि के समक्ष चुनौतियां व समाधान

ममता कुशवाहा

भारत आज उस ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है, जहां वह आने वाले दो दशकों में एक "विकसित भारत 2047" का सपना साकार करने की दिशा में अग्रसर है। इस सपने का आधार केवल औद्योगिक प्रगति या तकनीकी विकास नहीं, बल्कि देश की कृषि और उसके किसान हैं। भारत की लगभग 55 प्रतिशत जनसंख्या आज भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। कृषि न केवल हमारी अर्थव्यवस्था का मूल स्तंभ है, बल्कि यह सामाजिक स्थिरता, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण समृद्धि की गारंटी भी है। इसलिए यदि भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित होना है, तो उसके किसानों को समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना अनिवार्य है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार यह कहा है कि "विकसित भारत के निर्माण में किसान ही प्रमुख कड़ी हैं।" बीते वर्षों में सरकार ने कृषि क्षेत्र में कई ऐतिहासिक सुधार किए हैं- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, ई-नाम प्लेटफॉर्म, डिजिटल कृषि मिशन, और हाल ही में पीएम धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन जैसी पहलें इसी दृष्टि का परिणाम हैं। इन योजनाओं का लक्ष्य केवल फसल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि किसानों की आय, उनकी उत्पादकता, और ग्रामीण रोजगार को एक नई दिशा देना है। किसानों की भूमिका केवल अन्नदाता की नहीं रही, बल्कि वे आज "राष्ट्र निर्माता" की भूमिका में हैं। जब हम विकसित भारत की बात करते हैं, तो यह केवल उद्योग और सेवा क्षेत्र की वृद्धि तक सीमित नहीं रह सकता। भारत की समृद्धि की जड़ें गांवों में हैं, और गांवों की आत्मा किसान हैं। एक समृद्ध किसान न केवल अपने परिवार को सुरक्षित रखता है, बल्कि वह बाजार की मांग, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय आय को भी गति देता है। कृषि क्षेत्र में सुधार से रोजगार सृजन, ग्रामीण उद्योगों का विकास, और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का विस्तार होता है। जब किसान की आय बढ़ती है, तो वह शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीक में निवेश करता है, जिससे ग्रामीण जीवन स्तर सुधरता है। यही प्रक्रिया भारत के समग्र विकास को मजबूती प्रदान करती है। इस प्रकार, विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में किसान केवल सहयोगी नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक हैं। "आत्मनिर्भर कृषि" का अर्थ केवल खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक दृष्टिकोण है जिसमें किसान को संसाधनों, तकनीक, और बाजार तक समान पहुंच मिले। आत्मनिर्भर कृषि वह स्थिति है, जब किसान उत्पादन से लेकर विपणन तक हर चरण में स्वावलंबी हो और बाहरी कारकों पर उसकी निर्भरता न्यूनतम हो। सरकार की हाल की पहलें इसी दिशा में अग्रसर हैं। पीएम धन-धान्य कृषि योजना का उद्देश्य पिछड़े जिलों में सिंचाई, भंडारण और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना है, ताकि हर खेत में उत्पादकता बढ़ सके। वहीं दलहन आत्मनिर्भरता मिशन दाल उत्पादन को बढ़ाकर आयात पर निर्भरता कम करने की रणनीति है। इन योजनाओं से यह स्पष्ट होता है कि सरकार कृषि को आत्मनिर्भरता की रीढ़ के रूप में देख रही है।

यद्यपि भारत ने कृषि में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं, फिर भी आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में कई गंभीर चुनौतियां मौजूद हैं। सबसे बड़ी समस्या भूमि जोतों का छोटा होना है। आज भारत में अधिकांश किसान छोटे या सीमांत किसान हैं, जिनके पास दो हेक्टेयर से भी कम भूमि है। इतनी कम भूमि पर आधुनिक तकनीक या बड़े पैमाने पर निवेश करना कठिन होता है। दूसरी चुनौती है जलवायु परिवर्तन और अनिश्चित मौसम। अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और तापमान में उतार-चढ़ाव ने फसल उत्पादन को अस्थिर बना दिया है। जल संकट भी एक बढ़ती चिंता है- देश के कई हिस्सों में भूजल का स्तर लगातार गिर रहा है, जिससे सिंचाई मुश्किल होती जा रही है। तीसरी प्रमुख चुनौती बाजार तक पहुंच और उचित मूल्य की है। किसानों को अक्सर अपनी उपज को औने-पौने दामों में बेचना पड़ता है, क्योंकि भंडारण और परिवहन सुविधाओं का अभाव है। मंडी प्रणाली में बिचौलियों का दबदबा किसानों की कमाई को सीमित कर देता है। इसके अतिरिक्त, कृषि में तकनीकी पिछड़ापन, ग्रामीण ऋण तक सीमित पहुंच, और फसल विविधीकरण की कमी जैसी समस्याएं भी आत्मनिर्भर कृषि के मार्ग में बाधा हैं। युवा पीढ़ी का कृषि से विमुख होना भी चिंता का विषय है, क्योंकि खेती को आज भी परंपरागत और कम लाभकारी माना जाता है। भारत यदि आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है, तो इसके लिए तीन स्तरों पर समन्वित प्रयास आवश्यक हैं- नीतिगत सुधार, तकनीकी नवाचार, और सामाजिक-संस्थागत सहयोग। सबसे पहले, भूमि प्रबंधन और जल संरक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा। सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप और स्प्रिंकलर), वर्षा जल संचयन, और जल पुनर्भरण परियोजनाएं जलवायु संकट से निपटने में सहायक होंगी। साथ ही, मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड योजना और जैविक खेती को व्यापक रूप से लागू कर भूमि की उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है। दूसरा समाधान है तकनीकी एकीकरण। डिजिटल कृषि, ड्रोन आधारित फसल निगरानी, स्मार्ट सिंचाई और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मौसम पूर्वानुमान किसानों को सटीक जानकारी और बेहतर निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करेंगे। इसके लिए सरकार को निजी क्षेत्र और स्टार्टअप्स के साथ साझेदारी बढ़ानी चाहिए।

तीसरा पहलू है बाजार सुधार और मूल्य स्थिरता। किसानों को ई-नाम प्लेटफॉर्म, फार्म-टू-मार्केट कनेक्टिविटी, और भंडारण व कोल्ड चेन इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच मिलनी चाहिए। इससे बिचौलियों की भूमिका घटेगी और किसानों को सीधे उपभोक्ता से उचित मूल्य मिलेगा। इसके अतिरिक्त, किसान उत्पादक संगठन (FPOs) को मजबूत बनाना आवश्यक है, ताकि छोटे किसान सामूहिक रूप से उत्पादन, विपणन और निर्यात कर सकें। सस्ती और सुलभ ऋण सुविधा, कृषि बीमा का सरलीकरण, और ग्रामीण युवाओं के लिए एग्री-स्टार्टअप प्रशिक्षण जैसी पहलों से कृषि को आधुनिक और लाभकारी बनाया जा सकता है। आत्मनिर्भर कृषि का अर्थ केवल उत्पादन में वृद्धि नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन में समृद्धि और स्थायित्व लाना है। जब कृषि आत्मनिर्भर होगी, तो इससे ग्रामीण उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण, हैंडलिंग और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में भी नए रोजगार सृजित होंगे। इससे गांवों से शहरों की ओर पलायन में कमी आएगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भरता की नई दिशा मिलेगी। सरकार की पहलें "कृषि से उद्योग तक" की कड़ी को मजबूत कर रही हैं, जिससे किसान उत्पादन के साथ-साथ मूल्य संवर्धन के लाभ में भी भागीदार बन सके। यह मॉडल न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होगा, बल्कि भारत को वैश्विक कृषि निर्यातक राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की क्षमता भी रखता है। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब उसका किसान आत्मनिर्भर, सशक्त और सम्मानित होगा। सरकार की योजनाएं और सुधार इस दिशा में एक ठोस नींव रख रहे हैं, लेकिन इसके सफल क्रियान्वयन के लिए समाज, उद्योग और प्रशासन- सभी की साझा जिम्मेदारी बनती है।आत्मनिर्भर कृषि केवल आर्थिक नीतियों का हिस्सा नहीं, बल्कि यह भारत के भविष्य की पहचान है। जब हर किसान तकनीक से सशक्त होगा, हर खेत में सिंचाई की सुविधा होगी, और हर ग्रामीण परिवार समृद्ध होगा, तभी भारत 2047 तक वास्तव में एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में उभरेगा।

मारिया की राजनीति और राहुल गांधी की सियासी उलझन

हरीश शिवनानी

वैश्विक राजनीति अक्सर ऐसी जटिल उलझनें पैदा कर देती है जहाँ सिद्धांत और व्यावहारिक राजनीति के बीच का अंतर पेचीदा हो जाता है। नोबेल शांति पुरस्कार 2025 विजेता वेनेजुएला की मारिया कोरिना मचाडो और भारत के कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर एक दिलचस्प परिदृश्य उत्पन्न हो गया गया है। मारिया अपने देश में सरकार के खिलाफ, लोकतंत्र, मतदान में धांधली, भ्रष्टाचार आदि को लेकर संघर्ष कर रही है। कांग्रेस और राहुल गांधी उनकी इस राजनीति की सराहना करते हैं क्योंकि ऐसा ही वे भारत में अपनी राजनीति में कर रहे हैं। कांग्रेसी मारिया और राहुल को एक ही डाल का पंछी मानते हैं। यहाँ तक कि कांग्रेस के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने तो राहुल गांधी के लिए भी नोबेल की मांग कर डाली। वे मारिया को राहुल गांधी की समर्थक मानते हैं। मारिया ने एक बार राहुल गांधी की तारीफ में ट्वीट भी किया था। दूसरी ओर वास्तिवकता यह है कि राहुल गांधी और कांग्रेस की सियासत और मारिया की राजनीति और विचारधारा में गहरा अंतर्विरोध है।

यह अंतर्विरोध ही राहुल और कांग्रेस के लिए जटिल उलझन और गले की फांस बन गया गया है। मारिया की राजनीति अपनी जगह उनके लिए मुफ़ीद है लेकिन राहुल गांधी की सियासत अलग है।

मारिया को नोबेल की घोषणा करते हुए नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने उन्हें 'लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने और तानाशाही के खिलाफ अथक प्रयास' के लिए सराहा। हालांकि, माचाडो की धुर दक्षिणपंथी विचारधारा—जिसमें डोनाल्ड ट्रम्प का समर्थन, इजराइल की नीतियों की पक्षधरता और आर्थिक निजीकरण की वकालत शामिल है— ने कांग्रेस और राहुल गांधी के लिए पसोपेश वाली स्थिति पैदा कर दी है।

मारिया कोरिना माचाडो का राजनीतिक उदय वेनेजुएला की समाजवादी सरकारों के खिलाफ प्रतिरोध पर आधारित है। 1967 में जन्मी माचाडो, एक पूर्व सांसद और इंजीनियर, 2012 से विपक्षी गठबंधन की प्रमुख रही हैं। उन्होंने ह्यूगो चावेज़ और निकोलास मादुरो की सरकारों पर चुनावी धांधली, भ्रष्टाचार और मानवाधिकार उल्लंघनों के आरोप लगाए। ऐसा ही राहुल गांधी भारत में भाजपा सरकार के ख़िलाफ़ करते हैं। 2024 के राष्ट्रपति चुनावों में, मादुरो सरकार ने मारिया को अयोग्य घोषित कर दिया, जिसके बाद उन्होंने एडमुंडो गोंजालेज़ को समर्थन देकर विपक्ष को एकजुट किया। इन प्रयासों ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाई, जिसमें अमेरिकी प्रतिबंधों और विदेशी सहायता की मांग शामिल थी। मारिया की विचारधारा की अपनी राजनीति है। उन्होंने अपना पुरस्कार ट्रम्प को समर्पित करते हुए उन्हें 'हमारे संघर्ष का निर्णायक समर्थक' बताया। मारिया ने अपने देश मे अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप की भी वकालत की, जिससे वेनेजुएला में आर्थिक संकट बढ़ा। इजराइल के प्रति उनका रुख साफ है। उन्होंने इजराइल को 'स्वतंत्रता का सच्चा सहयोगी' कहा और गाजा संघर्ष में इजराइली कार्रवाइयों का समर्थन किया। इसके अलावा, माचाडो राज्य तेल कंपनी पीडीवीएसए के निजीकरण की भी पक्षधर हैं, जो समाजवादी विचारधारा के विपरीत है।

इस बीच मारिया को नोबेल की घोषणा होते ही भारत में कांग्रेस ने मारिया के पुरस्कार को अपने राजनीतिक नैरेटिव से जोड़ने का प्रयास किया। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि ₹मारिया ने वेनेजुएला में लोकतंत्र के लिए जो संघर्ष किया, वही राहुल गांधी भारत में कर रहे हैं। पार्टी प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने सोशल मीडिया पर माचाडो की तुलना राहुल गांधी से की, उन्हें 'संविधान बचाने का योद्धा' बताते हुए उनके लिए भी नोबेल पुरस्कार की मांग कर डाली। यह तुलना कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा है, जहां राहुल गांधी को चुनावी धांधली, संस्थागत क्षरण और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर मुखर दिखाया जाता है। विश्लेषणात्मक दृष्टि से देखें तो यह नैरेटिव बहुत सतही है और राहुल तथा मारिया के बीच वैचारिक विरोधाभासों को अनदेखा करता है।

कांग्रेस की ऐतिहासिक विचारधारा समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और साम्राज्यवाद-विरोध पर टिकी है। पार्टी ने फिलिस्तीन मुद्दे पर हमेशा समर्थन दिया, जो उसके मुस्लिम मतदाता आधार और वामपंथी सहयोगियों से जुड़ा है। मारिया का इजराइल-समर्थक रुख कांग्रेस की नीतियों से सीधा टकराव पैदा करता है।

कांग्रेस ने गाजा हमलों की निंदा की है, जबकि मारिया ने इजराइल को 'स्वतंत्रता का सहयोगी' बताया।

इसी प्रकार, माचाडो का ट्रम्प समर्थन कांग्रेस के लिए असहज है, जिसने भाजपा पर 'ट्रम्प-मोदी गठजोड़' के आरोप लगाए हैं। माचाडो की निजीकरण नीति भी कांग्रेस की समाजवादी नीति के विपरीत है। विश्लेषणात्मक रूप से, ये अंतर्विरोध कांग्रेस की वैचारिकता को चुनौती देते हैं। यदि कांग्रेस मारिया का समर्थन जारी रखती है, तो यह उसके वोट बैंक और सहयोगी दलों में दरार डाल सकती है, विशेष रूप से मुस्लिम और वामपंथी समूहों में, जहां माचाडो को 'इजराइल-समर्थक' माना जाता है। यदि पार्टी माचाडो का समर्थन करती है, तो वह वैचारिक समझौता करेगी, जिससे वोट बैंक दरक सकता है— उदाहरण के लिए, 2024 चुनावों में मुस्लिम वोटों का करीब 70 प्रतिशत कांग्रेस को मिला था।

डिजिटल का छप्पर फाड़ अभियान

रामविलास जांगिड़

दीपावली पर हर घर में सफाई की महामारी फैल चुकी थी। लक्ष्मी जी ऊपर अपने स्वर्गीय मुख्यालय में बैठे सोच रही थी- अब तो धरती वालों ने मेरे नाम पर इतने विज्ञापन बना दिए हैं कि खुद मुझे 'लक्ष्मी जी' होने पर शक होने लगा है! उन्होंने लैपटॉप खोला (हाँ, वही स्वर्ण जड़ित मैकबुक) और फाइल खोली- छप्पर फाड़ वितरण योजना! लिखा था- योग्य भक्तों को इस वर्ष डॉलर, रुपये और बिटकॉइन के रूप में वरदान दिया जाएगा। लक्ष्मी जी मुस्कुराई, बोलीं- अब तो युग बदल गया है, अब सिर्फ नोट नहीं, नेटवर्थ बरसाना पड़ता है। उन्होंने अपने निजी वाहन उल्लू महाराज को आवाज दी- उल्लू! निकलो, धरती भ्रमण पर चलना है। उल्लू जी ने पूछा- माँ, किस रूट से चलें? आजकल ऊपर भी हवाई जाम लगा है। ड्रोन, सैटेलाइट, हवाई जहाज और नीचे तो मनुष्य की इच्छाएँ ही बादलों तक जा पहुँची हैं। लक्ष्मी जी ने कहा- जहाँ भक्तों की आवाजें सबसे ज़्यादा हैं, पहले वहीं चलो।महानगर के एक मॉल में घुसते ही लक्ष्मी जी को चमक-दमक देखकर लगा कि यहाँ तो पहले से ही मैं फुल टाइम रहती हूँ। हर दुकान पर लिखा था- लक्ष्मी जी के स्वागत में, अस्सी प्रतिशत की महाछूट! चाबी के छल्ले के साथ कार फ्री! एक शर्ट खरीदो 50 शर्ट मुफ्त घर ले जाओ! एक रुमाल के साथ 10 साड़ियां एकदम फ्री! उल्लू ने धीरे से कहा- माते! ये लोग छूट दे रहे हैं या आपके नाम से अपनी जेब भर रहे हैं? लक्ष्मी जी बोलीं- यह छूट नहीं, लूट का मूल मंत्र है। उधर कुछ युवक बिन बुलाए भक्तों की तरह बोले- हे देवी! बस इतना कर दो कि हमारी ईएमआई समय पर कट जाए और वेतन भी बढ़ जाए। लक्ष्मी जी ने सूची देखी। इनका नाम तो आलस्य विभाग में दर्ज है। वह बोलीं- भई! जो मोबाइल में स्टॉक मार्केट गुरु और ऑनलाइन सट्टा ऐप दोनों फॉलो करता है, उस पर छप्पर नहीं, छलनी फटती है। सरकारी दफ्तरों में लक्ष्मी जी को लगा जैसे समय रुक गया हो। फाइलों की मोटी परतें देखकर उल्लू बोला- माँ! क्या यही पृथ्वी का 'कर्मकांड विभाग' है? लक्ष्मी जी ने सिर हिलाया- नहीं बेटा! ये भ्रष्टाचार विभाग है, जहाँ बिना चढ़ावे कोई आवेदन नहीं चलता। एक बाबू ने उन्हें देखा और झट हाथ जोड़कर बोला- माँ, कृपा करो! तनख्वाह तो मिलती है, पर घर का बजट हमेशा घाटे में रहता है।लक्ष्मी जी ने कहा- बेटा, जब तुम नोटों की माला खुद को पहनाते हो और काम जनता से करवाते हो, तो लक्ष्मी क्या करें? बाबू कुछ बोलता, इससे पहले ऊपर से फाइल गिरी और लक्ष्मी प्रसाद का आवेदन दब गया। फिर लक्ष्मी जी डिजिटल युग में पहुंची। उन्होंने फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और एक्स (पूर्व ट्विटर) पर नज़र डाली। हर जगह लिखा था- लक्ष्मी माँ आज घर आओगी तो 50 दोस्तों को टैग करो, वरना 1000 साल गरीबी में रहोगे! उल्लू ने आश्चर्य से पूछा- माँ! ये लोग आपको बुला भी रहे हैं और ब्लैकमेल भी? लक्ष्मी जी हँस पड़ीं- ये भक्त नहीं, मार्केटिंग एजेंट हैं!

धनतेरस पर शनि प्रदोष का महासंयोग दिलाएंगे दो गुना लाभ

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाने वाला धनतेरस का पर्व इस वर्ष एक दुर्लभ और अत्यंत शुभ संयोग लेकर आया है। जब त्रयोदशी तिथि शनिवार के दिन पड़ती है, तो इसे शनि प्रदोष व्रत का महासंयोग कहा जाता है। इस वर्ष यह पवित्र संयोग धनतेरस के दिन निर्मित हो रहा है, जिससे भक्तों को एक ही दिन में चार देवों का आशीर्वाद और दोगुना लाभ कमाने का सुनहरा अवसर मिल रहा है।

क्या है दुर्लभ संयोग का आध्यात्मिक महत्व: धनतेरस मुख्य रूप से मां लक्ष्मी, धन के देवता कुबेर और आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि को समर्पित है। वहीं, शनि प्रदोष व्रत भगवान शिव और न्याय के देवता शनिदेव को समर्पित है। इन दोनों पावन तिथियों का एक साथ आना ज्योतिष शास्त्र में महासंयोग माना जाता है, जो भक्तों के जीवन में संतुलित समृद्धि लाता है:

1. धन-समृद्धि और ऐश्वर्य: मां लक्ष्मी और कुबेर की कृपा से धन आगमन के मार्ग खुलते हैं और आर्थिक संपन्नता आती है।

2. उत्तम स्वास्थ्य और आरोग्य: भगवान धन्वंतरि की पूजा से व्यक्ति रोग मुक्त होता है और जीवन में स्वास्थ्य का आशीर्वाद मिलता है।

3. कष्टों से मुक्ति और दोष निवारण: भगवान शिव और शनिदेव की संयुक्त कृपा से शनि की साढ़ेसाती, ढैय्या और अन्य शनि दोषों का नकारात्मक प्रभाव कम होता है, जिससे जीवन के बड़े कष्टों से मुक्ति मिलती है।

दोगुना लाभ पाने के लिए करें ये चमत्कारी उपाय

इस दुर्लभ महासंयोग का अधिकतम लाभ उठाने के लिए भक्तों को शास्त्रों में बताए गए विशिष्ट उपाय प्रदोष काल (सूर्यास्त के बाद का समय) में अवश्य करने चाहिए:

दीपदान: धनतेरस पर दीपदान की परंपरा यमराज को समर्पित है। इस दिन सूर्यास्त के बाद घर के मुख्य द्वार और आंगन में 13 दीपक जरूर जलाने चाहिए। एक दीपक यमराज के नाम से दक्षिण दिशा में भी रखें। यह उपाय अकाल मृत्यु के भय को टालता है और परिवार को सुरक्षा प्रदान करता है।

शिव अभिषेक: प्रदोष काल में भगवान शिव का अभिषेक करें। उन्हें बेलपत्र, शमी पत्र, भांग, धतूरा और गंगाजल अर्पित करें। शिव दारिद्र्य दहन स्तोत्र का पाठ दरिद्रता दूर करने में विशेष फलदायी माना जाता है।

शनिदेव को प्रसन्न करें: शाम के समय पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं। शनिदेव को काले तिल, उड़द दाल या तेल अर्पित करें। शनि मंत्र 'ॐ शं शनैश्चराय नमः' का 108 बार जाप करने से शनि दोष और बाधाएं दूर होती हैं।

धनतेरस की रात करें ये चमत्कारी उपाए

मां लक्ष्मी की विशेष कृपा से हो जाएंगे मालामाल

धनतेरस का पर्व, दीपावली के पांच दिवसीय महोत्सव का आरंभ बिंदु है, जिसका हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। इस दिन धन के देवता कुबेर, आरोग्य के देव धन्वंतरि और धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है।

1. मुख्य द्वार पर 'ॐ' का शुभ प्रतीक: अपने घर का मुख्य दरवाजा वह स्थान होता है जहाँ से ऊर्जा और धन का प्रवेश होता है। धनतेरस की रात इस द्वार पर 'ॐ' का चिन्ह बनाना अत्यंत शुभ माना जाता है। इस उपाय के लिए चावल को हल्दी के साथ पीसकर एक प्राकृतिक पेस्ट बनाया जाता है। हल्दी को शुभता और आरोग्य का प्रतीक माना जाता है, जबकि चावल को सनातन धर्म में अन्न, समृद्धि और अक्षत का प्रतीक माना जाता है। 'ॐ' को ब्रह्मांड की ध्वनि और प्रथम ध्वनि माना जाता है। इसे सभी मंत्रों का बीज माना गया है। घर के मुख्य द्वार पर इस चिन्ह को बनाने का अर्थ है, ब्रह्मांडीय सकारात्मक ऊर्जा और मां लक्ष्मी का खुले दिल से स्वागत करना। यह चिन्ह नकारात्मकता को घर से बाहर रखता है और परिवार में शांति व आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करता है।

2. सफेद वस्तुओं का दान: यदि आपके जीवन में लगातार कार्य अटक रहे हैं, धन आने के मार्ग में रुकावटें आ रही हैं या जमा पूंजी नहीं टिक पा रही है, तो धनतेरस के दिन सफेद वस्तुओं का दान करना एक शक्तिशाली उपाय है। चीनी, बताशा, खीर या चावल जैसी सफेद वस्तुओं का दान ज्योतिषीय दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है। ज्योतिष में सफेद रंग शुक्र ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है, जिसे धन, वैभव, सुख-सुविधा और ऐश्वर्य का कारक माना जाता है। शुक्र की स्थिति मजबूत होने पर जीवन में भौतिक सुखों की कमी नहीं रहती। सफेद वस्तुओं का दान करने से कुंडली में शुक्र मजबूत होता है, जिससे धन से जुड़ी अड़चनें दूर होती हैं और समृद्धि के मार्ग खुलते हैं। यह दान, खासकर गरीबों और जरूरतमंदों को करना, 'स्थिर लक्ष्मी' की कृपा दिलाता है।

3. दक्षिणावर्ती शंख का जल छिड़काव: धनतेरस पर सबसे प्रभावशाली उपायों में से एक है दक्षिणावर्ती शंख का प्रयोग। पूजा शुरू करने से पहले और पूजा समाप्त होने के बाद शंख में जल भरकर पूरे घर में छिड़काव करना चाहिए।

पौराणिक और ऊर्जा आधारित तथ्य: पौराणिक कथाओं के अनुसार, दक्षिणावर्ती शंख समुद्र मंथन से प्राप्त हुए 14 रत्नों में से एक है। इसे मां लक्ष्मी का भाई भी माना जाता है, क्योंकि दोनों की उत्पत्ति एक ही स्थान से हुई है। जिस घर में यह शंख होता है, वहां मां लक्ष्मी स्वयं वास करती हैं। जल छिड़कने से पहले शंख से निकलने वाली ध्वनि और इसका जल वातावरण की सभी नेगेटिव एनर्जी को नष्ट कर देता है। यह शुद्धिकरण का कार्य करता है और मां लक्ष्मी के लिए एक पवित्र, शांत मार्ग तैयार करता है, जिससे घर में धन-धान्य का आगमन स्थायी रूप से होता है।

इन चमत्कारी उपायों को सच्ची श्रद्धा और विधि-विधान से करने पर, धनतेरस की रात मां लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है, जिससे न केवल धन की कमी दूर होती है, बल्कि पूरे परिवार के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का प्रकाश फैलता है।

इस धनतेरस पर सोना-चांदी नहीं, खरीदें ये सस्ती चीजें

दिवाली से एक दिन पहले आने वाला त्योहार धनतेरस हिंदू धर्म में बहुत खास होता है।इस दिन सोना, चांदी, आभूषण, वाहन और अन्य चीजें खरीदना बहुत शुभ माना जाता है। हालांकि कुछ लोगों के लिए इस दिन सोना खरीदना हर किसी के लिए संभव नहीं है।ऐसे में आप ये उपाय अपना सकते हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल

धनतेरस 18 अक्टूबर 2025 को है।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार धनतेरस पर कोई भी नई वस्तु खरीदना बहुत शुभ माना जाता है।खासकर सोना, चांदी, वाहन, कार और खरीदारी के सामान का बहुत महत्व माना जाता है।लेकिन अगर आपका बजट कम है और आप सोना जैसी चीज़ें नहीं खरीदना चाहते, तो चिंता न करें।केवल 100 रुपये में आप धनतेरस पर बेहद शुभ मानी जाने वाली कुछ चीज़ें खरीद सकते हैं. धनतेरस पर साबुत धनिया खरीदना बहुत शुभ माना जाता है।साबुत धनिया मां लक्ष्मी को प्रसन्न करता है और घर में धन-धान्य लाता है।आपको 100 ग्राम धनिया 50-70 रुपये में मिल जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, झाड़ू को धन की देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है।धनतेरस पर झाड़ू खरीदने से घर से दरिद्रता दूर होती है, नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा आती है।बाज़ार में एक अच्छा झाड़ू 50- 60 रुपये में मिल जाता है. धनतेरस पर आपको कम से कम 11 या 13 मिट्टी के दीपक जरूर खरीदने चाहिए।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धनतेरस की शाम को मिट्टी के दीपक जलाना बहुत शुभ माना जाता है।ऐसा करने से भगवान गणेश, देवी लक्ष्मी और भगवान धन्वंतरि की विशेष कृपा प्राप्त होती है।ये आपको बाजार में 20-30 रुपये में मिल जाएंगे।

इसके अलावा धनतेरस पर सुपारी खरीदना भी शुभ और पवित्र माना जाता है।सुपारी धन की देवी मां लक्ष्मी को प्रिय होती है।इस दिन सुपारी खरीदने और उसकी पूजा करने के बाद, उसे लाल कपड़े में लपेटकर तिजोरी के पास रख दिया जाता है ताकि धन की प्राप्ति हो।

दिवाली में दीये जलाने से पहले उनके नीचे रखें ये 3 चीजें, घर में आकर्षित होगी सुख-समृद्धि

दीपावली हिंदू धर्म का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है। यह सिर्फ अंधकार को दूर करने का त्योहार नहीं है, बल्कि यह वह शुभ दिन है जब माता लक्ष्मी अपने भक्तों के घर में प्रवेश कर अपने साथ सुख, समृद्धि और सौभाग्य लेकर आती हैं। धार्मिक मान्यताओं और ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, दिवाली की रात जलाए जाने वाले दीयों को सीधे जमीन या फर्श पर नहीं रखना चाहिए। दीये के नीचे कुछ विशेष और शुभ चीजें रखने से लक्ष्मी जी प्रसन्न होती हैं और घर में धन, शांति और खुशहाली का वास बढ़ता है। आइए जानते हैं वे 3 महत्वपूर्ण चीजें, जिन्हें दीये के नीचे अवश्य रखना चाहिए:

क्यों जरूरी है दीये को आसन देना: सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार, दीपक को अग्नि देवता का रूप माना जाता है। किसी भी देवता को सीधे जमीन पर नहीं रखा जाता, क्योंकि यह उनका अपमान माना जाता है। दीपक को अक्षत, रोली, या किसी अनाज का आसन देने से दीये का सम्मान बना रहता है और इससे मिलने वाला शुभ फल कई गुना बढ़ जाता है।

दीये के नीचे रखी जाने वाली 3 शुभ वस्तुएं: इन वस्तुओं का उपयोग न केवल दीये को आधार प्रदान करता है, बल्कि ये घर की सकारात्मक ऊर्जा को भी कई गुना बढ़ा देते हैं:

अक्षत: चावल जिन्हें अक्षत भी कहा जाता है, हिंदू धर्म में शुभता, पवित्रता और पूर्णता का प्रतीक माना गया है। कोई भी पूजा अक्षत के बिना अधूरी मानी जाती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, चावल का संबंध शुक्र ग्रह से होता है, जो भौतिक सुख, धन और वैभव का कारक है। दीयों के नीचे चावल रखने से शुक्र ग्रह की स्थिति मजबूत होती है, जिससे धन-संपत्ति और परिवार के सदस्यों की तरक्की सुनिश्चित होती है। दीये जलाने से पहले एक चुटकी साबुत चावल आसन के रूप में दीये के नीचे रखें।

हल्दी: हल्दी को देवी लक्ष्मी का वास माना जाता है। हल्दी सौभाग्य और विस्तार का प्रतीक है। हल्दी, विशेष रूप से गांठ वाली हल्दी, को शुभ और मंगलकारी माना जाता है। हल्दी का संबंध मंगल ग्रह और गुरु ग्रह दोनों से होता है। मंगल जहां ऊर्जा और साहस देता है, वहीं गुरु समृद्धि और ज्ञान देते हैं। दीये के नीचे हल्दी रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह तेज होता है और किसी भी तरह की नकारात्मकता दूर होती है। दीये के नीचे चावल रखने के बाद, उस पर थोड़ी सी हल्दी का पाउडर या हल्दी की छोटी सी गांठ रखें।

सिक्का: सिक्का साक्षात धन के आगमन और स्थिर लक्ष्मी के आह्वान का प्रतीक है। दिवाली की रात सिक्का रखने से यह एक प्रकार का धन आकर्षण यंत्र बन जाता है। यह उपाय सीधे तौर पर मां लक्ष्मी को निमंत्रण देता है कि वह आपके घर में स्थायी रूप से वास करें।

सिक्का धातु का होता है, जो स्थायित्व और समृद्धि की स्थिरता को दर्शाता है। दीये के नीचे चावल और हल्दी के साथ एक सिक्का रखें।

पूजा समाप्त होने के बाद इस सिक्के को उठाकर तिजोरी या धन के स्थान पर रखने से पूरे साल धन-धान्य का आवागमन बना रहता है।

दिवाली के दिन कमलगट्टे से कर लें ये खास उपाय

हिंदू पंचांग के अनुसार प्रतिवर्ष कार्तिक माह की अमावस्या तिथि को दीपावली का महापर्व मनाया जाता है। दीपावली की रात्रि को सिद्ध रात्रि के नाम से भी जाना जाता है।इस मौके पर कई साधनाएं की जाती हैं जिससे तुरंत फल भी व्यक्ति को प्राप्त होता है।अगर आपके जीवन में आर्थिक तंगी की परेशानियां आ रही है और धन आगमन के मार्ग नहीं प्रशस्त हो पा रहे हैं, तो ऐसी स्थिति में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है।दीपावली के दिन ज्योतिष शास्त्र द्वारा बताए गए कुछ खास उपाय करने से सभी तरह की परेशानियां दूर होंगी और माता लक्ष्मी का भी आशीर्वाद प्राप्त होगा।

मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा

इस वर्ष दीपावली 20 अक्टूबर को मनाई जाएगी।दीपावली के दिन दीपक जलाया जाता है और भगवान गणेश माता लक्ष्मी की विधि विधान पूर्वक पूजा आराधना भी की जाती हैं।दीपावली की रात्रि को किया गया उपाय कई मायने में बेहद खास माना जाता है।ऐसी स्थिति में इस दिन कुछ खास उपाय करने से माता लक्ष्मी की भी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

दिवाली पर कमलगट्टे की माला से खास उपाय अयोध्या के ज्योतिष पंडित कल्कि राम ने बताया कि दीपावली का नाम लेते ही मन में एक उमंग जागृत हो जाती है।प्रत्येक सनातनी दुनिया के किसी भी कोने में हो वह इस पर्व को मनाता ही है।दीपावली में कुछ ऐसे प्रयोग हैं जिन्हें अगर किया जाए तो धन आगमन के मार्ग प्रशस्त होते हैं। इसके अलावा दीपावली के शाम के समय श्वेत वस्त्र धारण कर लाल रंग के आसन पर बैठकर भगवती लक्ष्मी की प्रसन्नता के लिए विधि विधान पूर्वक पूजा आराधना करनी चाहिए।कमल गट्टे की माला लेकर घी का दीपक प्रज्वलित करना चाहिए।ऐसा करने से माता रानी बेहद प्रसन्न होती हैं और धन आगमन के मार्ग भी प्रशस्त होते है।

कैसे करें पूजा

दीपावली की रात्रि में माता लक्ष्मी की पूजा आराधना करते समय पांच सफेद कौड़िया पांच कमलगट्टे और थोड़ी सी पीली सरसों लेना चाहिए। इन सभी वस्तुओं को लाल रंग के कपड़े में बांधकर रख देना चाहिए। पूजा करते समय माता लक्ष्मी के चरणों में इसे समर्पित करना चाहिए और माता लक्ष्मी के मंत्र का जाप करना चाहिए.फिर अगले दिन इसे तिजोरी में रखना चाहिए ऐसा करने से आर्थिक तंगी से मुक्ति मिलती है धन आगमन के मार्ग प्रशस्त होते हैं।

मां लक्ष्मी को लगाएं खीर का भोग

दीपावली की रात्रि में माता लक्ष्मी को मखाने की खीर का भोग लगाना चाहिए, ऐसा करने से धन दौलत में वृद्धि होती है और माता लक्ष्मी की सदैव कृपा बनी रहती है।इसके अलावा, दीपावली की रात माता लक्ष्मी के सामने घी का दीपक जलाना चाहिए, ऐसा करने से लंबी उम्र का वरदान प्राप्त होता है।

कार्तिक मास में तुलसी पूजन का महत्व

हिंदू धर्म में कार्तिक माह को सबसे पवित्र महीना माना गया है। इस माह में की गई हर पूजा, व्रत और दान का फल कई गुना बढ़कर मिलता है। इसी काल में तुलसी माता की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है।तुलसी को देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है, जो भगवान विष्णु को अति प्रिय हैं।कार्तिक माह के दौरान तुलसी पूजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि जीवन में शांति, समृद्धि और सकारात्मकता का स्रोत भी है।

शास्त्रों के अनुसार, कार्तिक शुक्ल एकादशी के दिन तुलसी विवाह का आयोजन होता है, जिसमें तुलसी माता का विवाह भगवान शालिग्राम (विष्णु) से कराया जाता है। यह परंपरा हजारों वर्षों से चली आ रही है। मान्यता है कि इस विवाह में भाग लेने वाला व्यक्ति भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करता है और उसके जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

तुलसी पौधे का धार्मिक महत्व इसके आध्यात्मिक और औषधीय गुणों से भी जुड़ा हुआ है।कहा गया है कि घर में तुलसी का पौधा नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर वातावरण को शुद्ध करता है।कार्तिक माह में हर सुबह तुलसी के समक्ष दीपक जलाना और जल अर्पित करना शुभ माना गया है।इससे न केवल मन को शांति मिलती है, बल्कि घर में सौभाग्य और आरोग्यता बनी रहती है।

इन हसीनाओं का चलता है आइटम सॉन्ग्स पर जलवा

हाल ही में अपकमिंग हॉरर कॉमेडी फिल्म 'थामा' का आइटम नंबर रिलीज हुआ है, जिसमें मलाइका अरोड़ा और रश्मिका मंदाना नजर आ रही हैं। हालांकि, कोई भी फिल्म बिना आइटम सॉन्ग के अधूरी सी लगती है।

कई सारी एक्ट्रेस आइटम सॉन्ग के लिए काफी फेमस हैं, हालांकि वो इन गानों के लिए अच्छे पैसे भी चार्ज करती हैं। जानें फिल्मी दुनिया की उन एक्ट्रेस के बारे में जो आइटम सॉन्ग के लिए फेमस और वो कितना चार्ज करती हैं।

सबसे पहली शुरुआत मलाइका अरोड़ा से करते हैं, तो उन्होंने कई कमाल के गाने दिए हैं। जिसमें 'मुन्नी बदनाम', 'अनारकली डिस्को चली' जैसे गाने शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, एक्ट्रेस एक गाने के लिए 1-2 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं।

वहीं 'पुष्पा' का पॉपुलर गाना 'ऊ अंटावा' की बात करें, तो इस गाने में लोगों ने समांथा रुथ प्रभु को काफी पसंद किया था। जानकारी के मुताबिक, एक्ट्रेस एक आइटम नंबर के लिए तकरीबन 5 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं।

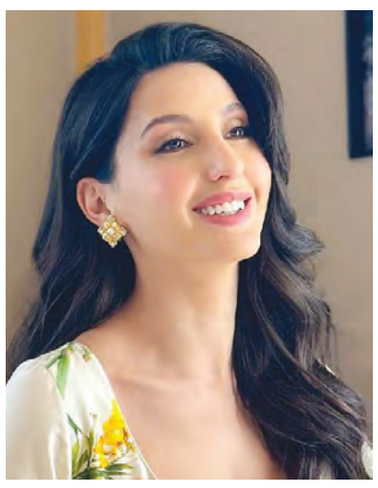

नोरा फतेही ने कई फिल्मों में अपना कमाल के डांस मूव्स के साथ आइटम नंबर को फेमस किया है और लोगों का दिल जीता है। बताया जाता है कि नोरा हर गाने के लिए 2 करोड़ रुपए फीस के तौर पर लेती हैं।

सनी लियोनी को उनकी अदाओं के लिए लोग काफी पसंद करते हैं। उन्होंने कई फिल्मों में आइटम नंबर किया है। सनी लियोनी हर आइटम नंबर के लिए 3 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं। उन्हें 'बेबी डॉल', 'लैला मैं लैला' जैसे गानों में देखा गया है।

बैटल ऑफ गलवान' के बाद सलमान खान मचाएंगे असली धमाल

हो गई बड़ी तैयारी, अब आया धांसू अपडेट

सलमान खान इस वक्त एकदम फ्रंट फुट पर खेल रहे हैं। जैसे ही कोई उनपर या उनकी फिल्मों पर बयान देता है, तो वो तुरंत पलटवार करते हैं। 'बिग बॉस 19' होस्ट कर रहे सलमान खान ने अपने दुश्मनों को चित्त कर दिया है। साथ ही कुछ पुराने डायरेक्टर्स और दोस्त भी हैं, जिनके दिए बयानों पर रिएक्शन देते नजर आए हैं। भाईजान का इस वक्त एक अलग ही मोड ऑन है, पर फोकस अब भी अपकमिंग फिल्म पर ही है।

वो इस समय अपूर्व लाखिया की बैटल ऑफ गलवान पर काम कर रहे हैं। हालांकि, इस फिल्म को खत्म करने के बाद एक और प्रोजेक्ट कंप्लीट करना है, जिसका अपडेट मिल गया है। यूं तो सलमान खान 'सिकंदर' से जैसी वापसी करना चाहते थे, वैसा हुआ नहीं। फिल्म रिलीज होते ही बुरी तरह से डूब गई।पर उससे पहले भी टाइगर 3 उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सकी थी। अब है अगली फिल्म की बारी, जिसे लेकर तगड़ा बज बना हुआ है। इस फिल्म का कुछ वक्त पहले ही लद्दाख वाला शेड्यूल खत्म किया है। वहीं अब मुंबई में ही आगे का काम किया जा रहा है। अब नए प्रोजेक्ट को लेकर क्या पता लगा है।

सलमान खान 'फौजी' के बाद क्या करेंगे?

दरअसल सलमान खान बेशक एक बेहतरीन एक्टर हैं, पर उनकी पेंटिंग का भी कोई जवाब नहीं है।

अर्पिता खान के घर में उनकी पेंटिंग लगी हुई है, जो फराह खान ने दिखाई थी। इसके अलावा वो गाने के भी शौकीन हैं। कई फिल्मों में अबतक गाने गा चुके हैं। इसी बीच एक रिपोर्ट छपी। म्यूजिक प्रोड्यूसर अंशुल गर्ग ने हाल ही में अपनी प्लानिंग के बारे में बताया है। वो कहते हैं कि सलमान खान की आवाज में जल्द ही एक गाना रिलीज किया जाएगा। फिलहाल एक्टर 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग में बिजी हैं। पर फिल्म का काम पूरा होते ही एक सिंगल रिकॉर्ड करने का इरादा है साथ ही म्यूजिक प्रोड्यूसर ने जानकारी दी कि- "हम पिछले कुछ समय से एक सिंगल रिकॉर्ड करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। लेकिन अभी सलमान भाई कई प्रोजेक्ट् को लेकर बिजी चल रहे हैं। उन्हें मेरे कंपोज किए कुछ गाने बहुत पसंद आए हैं। ऐसे में जब वो गाना चुन लेंगे और उसे रिकॉर्ड करने के लिए तैयार होंगे। तो वो मुझे कॉल करेंगे"।

पर्सनल मार्केट, परिवार के लिए म्यूजिक एकेडमी, तान्या मित्तल के नए दावों ने अमाल को किया हैरान

बिग बॉस 19 की कंटेस्टेंट तान्या मित्तल अपने अजब-गजब दावों को लेकर अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं। पिछले दिनों तान्या ने आगरा जाकर कॉफी पीने और लंदन से बिसकिट मंगाने के दावे किए थे और अब उन्होंने फिर अपने नए दावों से दर्शकों को चौंका दिया है। वाइल्डकार्ड एंट्री मालती चाहर ने शो में एंट्री लेते ही तान्या मित्तल को रियेलिटी चेक दिया था, लेकिन लगता है मिताली की बातों का उन पर कोई खास असर नहीं हुआ है। अब तान्या एक बार फिर अपनी रईसी झाड़ती नजर आईं। अमाल मलिक, शहबाज बदेशा के साथ आम शॉपिंग को लेकर चर्चा करते हुए तान्या ने अपनी हाई-फाई लाइफस्टाइल के बारे में बताना शुरू कर दिया और दावा किया कि उनके पास अपना पर्सनल मार्केट है और परिवार के लिए म्यूजिक एकेडमी भी है।

विक्की कौशल ने दी कैटरीना कैफ की डिलीवरी को लेकर हिंट

कहा- 'मैं घर से ही नहीं निकलने वाला हूं'

विक्की कौशल और कैटरीना कैफ बॉलीवुड के क्यूट कपल्स में से एक हैं। हाल ही में इस कपल ने फैंस को एक बड़ी खुशखबरी दी है। विक्की और कैटरीना ने सोशल मीडिया पर प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की है। कैटरीना की प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट के बाद से फैंस फूले नहीं समा रहे हैं। वो अब इंतजार कर रहे हैं कि कैटरीना की डिलीवरी कब होने वाली है। डिलीवरी को लेकर विक्की कौशल ने हिंट दे दी है। विक्की कौशल ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि इस स्पेशल टाइम में वो अपनी पत्नी कैटरीना के साथ रहने वाले हैं। विक्की पापा बनने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं उनकी बातों से उनकी खुशी साफ झलक रही है। विक्की ने साथ ही हिंट दे दिया है कि कैटरीना की डिलीवरी जल्द हो सकती है।

डिलीवरी को लेकर कही ये बात

विक्की हाल ही में युवा कॉन्क्लेव में गए थे। जहां पर उन्होंने अपनी जिंदगी के नए चैप्टर के बारे में बात की। पापा बनने के बारे में बात करते हुए विक्की ने कहा- 'मैं बहुत बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। मुझे लगता है ये बहुत बड़ी ब्लेसिंग है। बहुत एक्साइटिंग टाइम है, हम बस उसके पास ही हैं तो फिंगर क्रॉस्ड हैं। मुझे लग रहा है कि मैं घर से ही नहीं निकलने वाला हूं।'

फिल्म 'दबंग' में 'फेविकोल' और 'हलकट जवानी' जैसे गानों से लोगों को फैन बनाने वाली करीना कपूर खान भी आइटम नंबर के लिए फेमस हैं। रिपोर्ट की मानें, तो करीना हर गाने के लिए 5 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं।

तमन्ना भाटिया को लेकर आइटम नंबर की डिमांड काफी ज्यादा बढ़ गई है। उन्होंने 'स्त्री 2' में 'आज की रात' से लोगों का दिल जीता था, इसके अलावा भी वो और आइटम नंबर में दिख चुकी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एक्ट्रेस 1 से 2 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं।

सामंथा, अनुष्का से श्रीलीला तक

10 हीरोइनों संग काम करने वाला इकलौता सुपरस्टार, 50 की उम्र में भी हट्टा-कट्टा

वैसे तो इंडियन सिनेमा में ऐसे कई सितारे हुए जिन्होंने कई हीरोइनों के साथ काम किया। मगर आज आपको हम ऐसे सुपरस्टार से मिलवा रहे हैं जिन्होंने साउथ की 10 हीरोइनों के साथ काम किया। क्या आप जानते हैं कि वो इकलौता सुपरस्टार हीरो कौन है जिसने कई स्टार अभिनेत्रियों के साथ काम किया है? ये कोई और नहीं बल्कि तेलुगु एक्टर और हैंडसम हंक महेश बाबू हैं।

उन्होंने 10 की 10 हीरोइनों के साथ काम किया है। महेश बाबू और सिमरन ने 2000 में रिलीज हुई तेलुगु फिल्म 'युवराजू' में मुख्य भूमिका निभाई थी। यह फिल्म रिलीज़ हुई और इसे अच्छा खासा रिस्पॉन्स भी मिला। तेलुगु में अगली लीड अभिनेत्री आरती अग्रवाल थीं। उन्होंने महेश बाबू के साथ फिल्म 'बॉबी' में काम किया।

दोनों की जोड़ी तो जमी लेकिन 2002 में रिलीज़ हुई यह फिल्म सफल नहीं हो पाई। महेश बाबू ने बॉलीवुड की अप्सरा इलियाना के साथ भी स्क्रीन शेयर की है। दोनों ने फिल्म पोक्किरी' में अभिनय किया। 2006 में रिलीज हुई यह फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट रही थी। महेश बाबू और त्रिशा की जोड़ी को कैसे भुलाया जा सकता है। दोनों ने फिल्म 'अथाडु' में साथ काम किया था। यह फिल्म 2005 में रिलीज हुई थी। इस जोड़ी को इतना पसंद किया गया कि 2006 में, महेश बाबू और त्रिशा ने फिल्म 'सैनिकुडु' में भी साथ काम किया। महेश बाबू ने सामंथा संग भी रोमांस किया है। दोनों की फिल्म 'प्रमोत्सवम' आई थी जिसमें काजल अग्रवाल भी मुख्य भूमिका में थीं। महेश बाबू ने अनुष्का के साथ तेलुगु फिल्म 'कलेजा' में काम किया था। 2010 में रिलीज हुई यह फिल्म भले ही चली न हो लेकिन दोनों की ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री को लोगों ने खूब पसंद किया था। महेश बाबू ने काजल अग्रवाल के साथ फिल्म बिजनेसमैन में रोमांस किया था।

यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही और हिंदी डब्ड वर्जन में भी लोगों ने खूब देखी। 50 साल के महेश बाबू ने तमन्ना भाटिया के साथ भी काम किया है। दोनों ने फिल्म आगाडु में स्क्रीन शेयर की थी। ये 2014 में रिलीज हुई फिल्म थी जिसे बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप होना पड़ा था। महेश बाबू के साथ श्रीलीला ने फिल्म 'गुंटूर करम' में काम किया। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। इसी तरह, उन्होंने रश्मिका मंदाना के साथ फिल्म 'सरिलरु नीकेवरु' में काम किया।

अक्षय कुमार पहुंचे बॉम्बे हाईकोर्ट

पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा को लेकर लगाई गुहार

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने अपने पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया है। खिलाड़ी कुमार ने उन लोगों के खिलाफ अदालत में मुकदमा दायर किया है ,जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करके उनके व्यक्तित्व अधिकारों का उल्लंघन कर रहे हैं। हालांकि अक्षय के मामले में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन अक्षय से पहले अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन, करण जौहर और ऋतिक रोशन भी ये कदम उठा चुके हैं। दरअसल अक्षय कुमार से पहले हाल ही के दिनों में ऐश्वर्या राय, अभिषेक बच्चन, अमिताभ बच्चन, करण जौहर, ऋषभ शेट्टी और अक्किनेनी नागार्जुन सहित कई मशहूर हस्तियों ने भी अपने पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए अदालत का रुख किया है। सभी की यही मांग है कि उनकी इजाजत के बिना उनकी तस्वीरों और पर्सनैलिटी राइट्स का गलत किसी भी तरह से इस्तेमाल ना किया जाए।कई सितारों ने लगाई गुहार

इस महीने की शुरुआत में बॉम्बे हाईकोर्ट ने वरिष्ठ पार्श्व गायिका आशा भोसले के पर्सनैलिटी राइट्स के अनधिकृत उपयोग की रक्षा के लिए एक आदेश जारी किया था। अदालत ने विभिन्न संस्थाओं को गायिका के व्यक्तिगत गुणों, जैसे उनके नाम और तस्वीरों का दुरुपयोग करने से रोक दिया। यहां तक कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल से भी। यह भी कहा कि बिना सहमति के किसी सेलिब्रिटी की आवाज़ की नकल करने के लिए एआई उपकरण उपलब्ध कराना उनके पहचान अधिकारों का उल्लंघन है।

ऐश्वर्या के केस में कोर्ट का फैसला

दिल्ली उच्च न्यायालय ने ऐश्वर्या के अधिकारों का बचाव करते हुए कहा, "व्यक्तियों के पर्सनैलिटी राइट्स सीधे शब्दों में कहें तो, अपनी छवि, नाम, समानता या व्यक्तित्व के अन्य गुणों के शोषण को कंट्रोल करने और संरक्षित करने के अधिकार के साथ-साथ, उससे प्राप्त होने वाले बिजनेस प्रॉफिट को भी शामिल करते हैं। पर्सनैलिटी राइट्स, व्यक्ति की अपनी स्वायत्तता में निहित हो सकते हैं कि वह अपने व्यक्तित्व के अन्य गुणों के शोषण की अनुमति दे या न दे।"

क्या प्रेग्नेंट हैं सोनाक्षी सिन्हा?

एक्ट्रेस की यह हरकत देख फैंस ने लगाए कयास

सोनाक्षी सिन्हा अपने पति जहीर इकबाल के साथ अच्छा वक्त बिता रही हैं। हाल ही में वह तब सुर्खियों में आईं, जब वह अबु धाबी की एक मस्जिद में सर पर दुपट्टा डाले हुए नजर आईं। एक बार फिर वह अपनी प्रेग्नेंसी की अफवाहों को लेकर सुर्खियों में हैं। सोनाक्षी सिन्हा हाल ही में एक फैशन शो में स्टाइलिश अंदाज में नजर आईं। उनके साथ उनके पति जहीर इकबाल भी थे।

सोनाक्षी ने दुपट्टे से पेट को ढका?

सोनाक्षी सिन्हा डिजाइनर विक्रम फडनीस के फैशन शो में पहुंची। उन्होंने लाल रंग की फूलों वाली अनारकली ड्रेस पहनी थी। इसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। हालांकि उनकी ड्रेस की वजह से उनकी प्रेग्नेंसी की अफवाहें फैल गईं। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में फैंस ने देखा कि वह रेड कार्पेट पर पोज देते समय अपने पेट को दुपट्टे और हाथ से ढक रही थीं।

यूजर्स ने लगाईं प्रेग्नेंसी की अटकलें

सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो को कई यूजर्स ने लाइक किया है। कई यूजर्स ने जोड़े की तारीफ की है और उन्हें दुआएं दी हैं। वहीं कुछ ऐसे भी यूजर्स हैं जिन्होंने कहा है कि लगता है सोनाक्षी प्रेग्नेंट हैं। एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा 'मुझे लगता है वह प्रेग्नेंट है।' एक और यूजर ने लिखा है 'ये प्रेग्नेंसी ग्लो है।' एक और यूजर ने पूछा है 'क्या वह प्रेग्नेंट हैं?'

इन एक्टर्स के पास है शाहरुख खान के मन्नत से भी महंगा घर

टॉप 5 में अक्षय कुमार का नाम नहीं

एक्टर शाहरुख खान के 'मन्नत' की एक झलक पाना फैंस के लिए किसी जन्नत से कम नहीं है। हर किसी की चाह है कि एक बार मन्नत को अंदर से देखा जा सके। बॉलीवुड में इंडस्ट्री में कई एक्टर्स हैं जो बड़े-बड़े बंगले में रहते हैं। आज हम आपको एक्टर्स के लग्जरी घरों के बारे में बता रहे हैं।

सैफ अली खान

सैफ अली खान के पास वैसे तो कई अपार्टमेंट हैं। लेकिन उनकी सबसे बड़ी प्रॉपर्टी है पटौदी पैलेस। इस पैलेस की कीमत 800 करोड़ रुपये है। इस पैलेस में 150 कमरे हैं। सैफ फैमिली के साथ इस पैलेस में वेकेशन के लिए जडाते रहते हैं। कई फिल्मों की शूटिंग भी इस पैलेस में हुई है।

आलिया भट्ट-रणबीर कपूर

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर का नया घर बन रहा है। ये घर 6 मंजिर का है। इसका नाम कृष्णा राज रखा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस घर की कीमत 250 करोड़ रुपये है। इस र को रणबीर और आलिया ने मॉडर्न टत दिया है। जल्द ही कपल फैमिली के साथ इसमें शिफ्ट होने वाला है।

शाहरुख खान

खबर के मुताबिक, शाहरुख खान के मन्नत की कीमत तकरीबन 200 करोड़ के आसपास है। शाहरुख खान ने 2001 में ये बंगला खरीदा था। 2005 में इसका नाम मन्नत रखा था। इन दिनों मन्नत में रेनोवेशन का काम चल रहा है।

अमिताभ बच्चन

अमिताभ बच्चन जलसा नाम के बंगले में रहते हैं। उनका ये बंगला भी काफी चर्चा में रहता है। अमिताभ हर रविवार को यहां से फैंस से ग्रीट करते हैं। अमिताभ के इस बंगले की कीमत तकरीबन 112 करोड़ रुपये है। अमिताभ को ये घर प्रोड्यूस एनसी शिप्पी ने गिफ्ट दिया था।

सलमान खान

सलमान खान मुंबई में गैलेक्सी अपार्टमेंट में रहते हैं। यहां सलमान का 1BHK अपार्टमेंट है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान खान के इस अपार्टमेंट की कीमत 100 करोड़ रुपये है। गैलेक्सी अपार्टमेंट में सलमान ग्राउंड फ्लोर पर रहते हैं। वहीं फर्स्ट फ्लोर पर उनकी फैमिली रहती है। बता दें कि अक्षय कुमार का बंगला जुहू में है। इस सी फेसिंग बंगले की कीमत रिपोर्ट्स के मुताबिक 80 करोड़ के आसपास है।

दिवाली से लेकर भाई दूज तक के लिए मेहंदी की आकर्षक डिजाइन

पांच दिनों तक चलने वाले दिवाली के उत्सव में धनतेरस से लेकर भाई दूज तक हर दिन का अपना एक अलग महत्व होता है। ये पांचों दिन खासकर महिलाओं के लिए सबसे खास माने जाते हैं, क्योंकि ये पांच दिन उनके सजने-संवरने के लिए सुनहरे मौके लेकर आते हैं।

आजकल महिलाएं पारंपरिक के साथ-साथ मॉडर्न और सिंपल डिजाइन्स भी पसंद कर रही हैं, जो जल्दी लग जाएं और दिखें भी स्टाइलिश। ऐसे में हम आपके लिए लाए हैं कुछ खास मेहंदी डिजाइन्स जो धनतेरस, छोटी दिवाली, दिवाली, गोवर्धन पूजा और भाई दूजहर खास दिन के लिए परफेक्ट हैं।

धनतेरस के दिन

सबसे पहले नजर डालते हैं धनतेरस की मेहंदी डिजाइन पर... तो अगर आपको धनतेरस के दिन अपने हाथों पर मेहंदी रचानी है तो इस तरह की डिजाइन का चयन करें। इसके लिए चाहें तो अपने हाथों पर ऐसे ही शुभ धनतेरस लिखवा लें। ऐसे भरा हुआ कलश अपने हाथों पर बनवाएंगी तो आपका लुक प्यारा दिखेगा।

नरक चतुर्दशी के दिन

नरक चतुर्दशी का दिन होता है छोटी दिवाली का, ऐसे में अपने हाथों पर आप चाहें तो दिवाली का संदेश लिखकर मेहंदी लगवा सकती हैं। ऐसे हैप्पी दिवाली के साथ हाथ के बीच में दीपक बनाएं, ताकि आपका लुक प्यारा दिखे। मेहंदी की ऐसी डिजाइन देख ने में बेहद खूबसूरत लगती है।

दिवाली के दिन

दीपोत्सव के पांच दिन का सबसे खास और अहम दिन होता है दिवाली का, जिसमें हाथों पर मेहंदी लगाना सबसे जरूरी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन लक्ष्मी की पूजा होती है, ऐसे में हाथों में मेहंदी लगाना आपके लिए काफी शुभ साबित हो सकता है। इसलिए बिना ज्यादा सोच-विचार के दिवाली पूजन के लिए अपने हाथों पर खूबसूरत मेहंदी रचाएं।

गोवर्धन के दिन

इस दिन को कई जगहों पर अन्नकूट भी कहते हैं। इस दिन भगवान श्री कृष्ण की पूजा की जाती है। इसलिए आप अपनी मेहंदी में भगवान श्री कृष्ण की झलक दिखा सकती हैं। हाथों की मेहंदी में भगवान श्री कृष्ण की फोटो के साथ-साथ मोरपंखी भी बनवाएं। चाहें तो गोवर्धन पर्वत उठाते कान्हा की झलक भी आप दिखा सकती हैं।

भाई दूज के दिन

ये दिन होता है भाई-बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक, तो अपनी खूबसूरत मेहंदी में भाई-बहन के रिश्ते की झलक दिखाएं। ऐसी मेहंदी लगाएंगी तो आपका भाई भी आपकी तारीफ करते थकेगा नहीं। इस डिजाइन को चाहें तो अभी से सेव करके रख लें।

दिवाली पर शुगर कैसे रखें कंट्रोल में

दिवाली सेलिब्रेट कर रहे हैं और सेहत के ख्याल में मिठाई न खाएं तो कुछ अधूरा सा लगता है। अगर मिठाई खा लें तो ब्लड शुगर शूट-अप कर जाता है। जिन लोगों को डायबिटीज है, उनके लिए यह सबसे बड़ी मुश्किल है।

इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज जानेंगे कि दिवाली में सुरक्षित ढंग से मिठाई कैसे खाएं। साथ ही जानेंगे कि-

त्योहारों में ब्लड शुगर क्यों बढ़ता है?

सुरक्षित मिठाई खाने के क्या तरीके हैं?

इससे क्या फायदे होंगे?

त्योहार में ब्लड शुगर ज्यादा क्यों बढ़ता है?

दिवाली जैसे त्योहारों में घर में ढेर सारी मिठाइयां रहती हैं। रसगुल्ला, गुलाब जामुन या लड्डू में चीनी और घी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। ये चीजें शरीर में तेजी से ग्लूकोज रिलीज करती हैं, जिससे ब्लड शुगर स्पाइक हो जाता है। अगर आप डायबिटिक हैं तो इंसुलिन का बैलेंस बिगड़ सकता है।

अगर डाइट पर ध्यान न दिया जाए तो त्योहार में डायबिटिक लोगों का ब्लड शुगर लेवल लगभग 20-30% तक बढ़ जाता है। मिठाइयों के अलावा तले-भुने स्नैक्स और तनाव भी शुगर लेवल को बढ़ाते हैं। लेकिन अगर आप पहले से प्लानिंग करें तो यह समस्या टाली जा सकती है।

दिवाली में सुरक्षित तरीके से मिठाई कैसे खाएं?

डॉ. बॉबी दीवान कहते हैं कि मिठाई खाएंगे तो उसका नुकसान तो शरीर को होगा। अब करना ये है कि इसे ऐसे खाएं कि स्वाद भी मिल जाए और सेहत पर बहुत अधिक प्रभाव भी न पड़े। इसके लिए सबसे अच्छा तरीका ये है कि मिठाई संयम से खाएं। एक बार में ही बहुत ज्यादा मिठाई न खाएं। इसके लिए एक निश्चित समय तय कर सकते हैं। इसे खाने से पहले पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन और फाइबर से भरपूर चीजें खाएं। इसका मतलब ये है कि खूब सारा सलाद खाने के बाद थोड़ी मिठाई खा सकते हैं।

खाली पेट मिठाई न खाएं

खाली पेट मिठाई खाने से ग्लूकोज जल्दी ब्लड में जाता है और शुगर स्पाइक होती है। पेट में थोड़ा प्रोटीन या फाइबर होने से शुगर धीरे-धीरे रिलीज होती है।

खाने में सबसे पहले मिठाई न लें

अगर मिठाई मुख्य भोजन से पहले खाई जाए, तो ब्लड शुगर तेजी से बढ़ता है। पहले सब्जियां, दाल या सलाद लेने से ग्लूकोज धीरे-धीरे एब्जॉर्ब होता है।

एक बार में ज्यादा मिठाई न खाएं

ज्यादा मिठाई खाने से इंसुलिन पर अचानक दबाव पड़ता है। शरीर इसे कंट्रोल नहीं कर पाता और शुगर तेजी से बढ़ता है।

मिठाई से पहले प्रोटीन और फाइबर लें

प्रोटीन और फाइबर शुगर की एब्जॉर्प्शन को धीमा करते हैं। इससे ब्लड शुगर स्पाइक कम होती है और इंसुलिन बेहतर काम करता है।

ऐसी मिठाई चुनें, जिसमें फैट हो

हेल्दी फैट जैसे ड्राय फ्रूट्स, शुद्ध घी वाली मिठाई शुगर को धीरे-धीरे ब्लड में रिलीज करता है। यह अचानक शुगर बढ़ने से बचाता है।

फैट फ्री और शुगर बेस्ड मिठाई न खाएं

केवल शुगर वाली मिठाई बिना फैट के तेजी से ब्लड शुगर बढ़ाती है। यह इंसुलिन रेसिस्टेंस और वजन बढ़ने का कारण बन सकती है।

आर्टिफिशियल स्वीटनर वाली मिठाई न लें

ऑनलाइन शॉपिंग में न करें गलतियां असली-नकली वेबसाइट कैसे पहचानें?

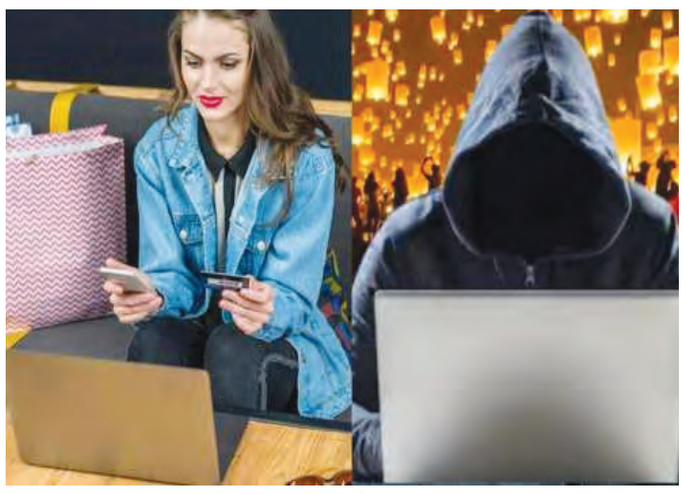

फेस्टिव सीजन में बाजार और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर डिस्काउंट्स और ढेर सारे ऑफर्स मिलते हैं। मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े, ज्वेलरी जैसी हर चीज पर भारी छूट का दावा किया जाता है।

ऐसे में ज्यादातर लोग ऑनलाइन शॉपिंग को ही आसान और किफायती विकल्प मानते हैं। हालांकि यही समय सबसे ज्यादा सतर्क रहने का भी होता है, क्योंकि ऑनलाइन सेल के नाम पर नकली वेबसाइट, फर्जी सेलर्स और धोखाधड़ी भी होती है।

एक छोटी-सी लापरवाही आपको पैसे और सामान दोनों में नुकसान करा सकती है। इसलिए जरूरी है कि खरीदारी करने से पहले सही जानकारी जुटाई जाए और हर कदम सोच-समझकर उठाया जाए।

इसलिए आज 'साइबर लिटरेसी' में हम जानेंगे कि-

दिवाली सेल में शॉपिंग करते समय किन बातों का ध्यान रखें?

असली और नकली ऑफर में कैसे फर्क करें?

शॉपिंग के दौरान किन गलतियों से बचना जरूरी है?

दिवाली सेल के समय ऑनलाइन शॉपिंग करते हुए सबसे बड़ा खतरा फर्जी वेबसाइट, नकली डिस्काउंट और धोखाधड़ी वाले ट्रांजैक्शन से होता है। आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं।

फर्जी वेबसाइट असली की तरह दिखती हैं और लोग पेमेंट कर देते हैं।

बहुत ज्यादा डिस्काउंट दिखाकर ग्राहकों को लालच दिया जाता है।

असुरक्षित पेमेंट गेटवे के जरिए कार्ड या बैंक डिटेल्स चोरी की जाती है।

डिलीवरी के नाम पर नकली या घटिया प्रोडक्ट भेज दिए जाते हैं।

फर्जी वेबसाइट्स से ऑर्डर लेने के बाद प्रोडक्ट डिलीवर ही नहीं होता है।

नकली वेबसाइट्स को पहचाने के कई सारे तरीके हैं। इसके लिए आपको बस थोड़ी सी सावधानी बरतने की जरूरत होगी। आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं।

नकली ऑफर्स बहुत बढ़ा-चढ़ाकर दिखाए जाते हैं, जिससे आप उसकी तरफ आकर्षित हो सकें। लालच में आते ही आप ट्रैप में फंस सकते हैं। आइए इन ऑफर्स के बारे में समझते हैं।

शॉपिंग से पहले वेबसाइट और सेलर की विश्वसनीयता जांचने के कौन से तरीके हैं?

किसी भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर खरीदारी करने से पहले यह जानना जरूरी है कि वेबसाइट या सेलर कितना भरोसेमंद है।

इसके लिए सबसे आसान तरीका है पिछले ग्राहकों के रिव्यू पढ़ना। अगर किसी प्रोडक्ट पर लगातार खराब रेटिंग है या डिलीवरी में दिक्कत की शिकायतें हैं, तो उससे दूर रहना चाहिए।

इसके अलावा, वेबसाइट का डोमेन नाम देखकर भी भरोसे का अंदाजा लगाया जा सकता है। बड़े प्लेटफॉर्म जैसे अमेजन, फ्लिपकार्ट, मिंत्रा आदि पर आमतौर पर असली सेलर्स ही मौजूद रहते हैं, लेकिन छोटे या नए प्लेटफॉर्म पर विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

पेमेंट करते समय किन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए?

फेस्टिव सीजन में ऑनलाइन पेमेंट करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। इसके जरिए आप स्कैम या फ्रॉड का शिकार होने से बच सकते हैं। आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं।

ऑनलाइन पेमेंट आसान और तेज होता है, लेकिन इसमें धोखाधड़ी का खतरा रहता है। अगर वेबसाइट या सेलर भरोसेमंद है और पेमेंट गेटवे सुरक्षित है, तो ऑनलाइन पेमेंट में दिक्कत नहीं आती है।

हालांकि पहली बार किसी नए प्लेटफॉर्म से खरीदारी कर रहे हैं, तो कैश ऑन डिलीवरी चुनना ज्यादा सुरक्षित होता है। इससे प्रोडक्ट हाथ में आने के बाद ही पैसा देना पड़ता है और धोखाधड़ी का खतरा कम हो जाता है।

ऑनलाइन शॉपिंग करते समय आप प्रोडक्ट को सीधे छू या देख नहीं सकते। ऐसे में रिव्यू और रेटिंग ही असली मददगार साबित होते हैं। अगर प्रोडक्ट पर हजारों लोगों के अच्छे रिव्यू हैं, तो उसका भरोसा बढ़ जाता है।

वहीं, अगर बार-बार खराब क्वालिटी, गलत साइज या डिलीवरी में देरी की शिकायतें दिखें, तो उससे बचना बेहतर है। असली रिव्यू अक्सर डिटेल में लिखे जाते हैं, जबकि नकली रिव्यू छोटे और एक जैसे होते हैं। इसलिए खरीदने से पहले कम से कम 10–15 रिव्यू जरूर पढ़ें।

ऐसे मामलों में घबराने के बजाय तुरंत कदम उठाना जरूरी है। सबसे पहले प्रोडक्ट की फोटो और पैकेजिंग का सबूत तैयार करें। फिर तुरंत कस्टमर केयर से संपर्क करें और ऑर्डर नंबर के साथ शिकायत दर्ज करें। ज्यादातर भरोसेमंद प्लेटफॉर्म रिटर्न पिकअप और रिफंड की सुविधा देते हैं।

पूर्ण रूप से हो स्वदेशी दिवाली

दीपावली दीपों का त्यौहार होता है ! गरीब अमीर सभी के लिए दीपावली का एक विशेष महत्व होता है ! पुराने समय में हाथ की कारीगरी का नमूना दीपावली पर देखने को मिलता था, आज भी मिलता है, पर हम तड़क , भड़क में फंस गए हैं । और मशीनी युग की और बढ़ रहे हैं !

दिवाली एक ऐसा त्यौहार है जिसमें कोई अमीर हो या गरीब सभी अपनी हैसियत के हिसाब से दीपावली को रंगीन बनाने की कोशिश करते हैं। और कुछ न कुछ जरूर खरीदते हैं। आज आवश्यकता से अधिक दिखावे का प्रचलन हो गया है। बाजार अनेक प्रकार के सामानों से पट गए हैं। जिसमें मशीनी सामान सस्ता सुंदर दिखाई देता है, जो बड़े उद्योगों को बढ़ावा देने वाला होता है, पर छोटे दुकानदारों का भी ध्यान रखा जाना चाहिए, छोटे दुकानदारों से सामान खरीदा जाए।

हमें अपनी पुरानी परम्परा नहीं भूलनी चाहिए मिट्टी के दीए, मिट्टी की मूर्तियां, तेल बाती का प्रयोग करके दिवाली को मनाना चाहिए , जिनका एक प्रकार से वातावरण के लिए वैज्ञानिक महत्व भी है ! छोटे-छोटे कारीगर अपना सामान बनाकर बाजार में लाते हैं।

उनकी बिक्री अच्छी होगी तो उनकी दीपावली भी अच्छे से मन पाएगी। हम कहीं घूमने जाएं या स्थानीय बाजारों में घूमें तो हमें वहां के कारीगरों द्वारा तैयार किया गया सामान अवश्य खरीदना चाहिए , ताकि उनका उत्साह वर्धन हो सके, और वह अधिक से अधिक सामान तैयार कर सकें ।

इस खरीदारी को केवल दिवाली तक ही न सीमित किया जाए इसको बराबर बनाये रखा जाए और इसका भुगतान भारत की शान यू पीआई से किया जाने लगा है, हालांकि देखने में आया है कि हर जगह छोटे दुकानदार छोटे-छोटे रेडी, ठेले वालों पर यू पीआई मौजूद है, जिससे भुगतान करना आसान हो गया है !

हम एक पुरुष या एक महिला से जब दीए खरीदने जाते हैं दीए बेचने वाले से मोल भाव करते हैं, पर जब हम बड़े-बड़े मॉल में बड़ी-बड़ी दुकानों पर जाकर सामान खरीदते हैं ,तो हम किसी भी प्रकार का मोल भाव उनसे नहीं कर सकत हैं ,तो इन छोटे ठेले वाले, रेड़ी वाले, या सड़क पर दुकान लगाकर बेचने वालों से क्यों मोलभाव करें। यह कारीगर बड़ी मेहनत से सामान बनाकर बाजार में इस उम्मीद से लाते हैं ,कि उनकी अच्छी बिक्री होगी तो उनके घर भी दिवाली शान से मन सकेगी , उनकी तन की मेहनत को हमें समझना चाहिए उनकी मजबूरी का लाभ नहीं उठाना चाहिए और उनका अधिक से अधिक पोषण भी करना जरूरी होता है, हम एक ही देश के नागरिक हैं हमें कभी नहीं भूलना चाहिए ! मेहनतकश लोगों को उनकी बनी चीजों का उचित दाम दे ।

तभी हमारी सच्ची दिवाली होगी । स्थानीय बने सामानों को लेकर हम उनको आत्मनिर्भर बनने में मदद करें । मिट्टी के दीए, सरसों का तेल, हटरी, खील, बताशे, खांड के खिलौने, मिट्टी के लक्ष्मी गणेश जी आदि परंपरा को न भूले इनको जीवित रखें और आने वाली पीढ़ी को भी इनका महत्व समझाएँ। चकाचौंध की दुनिया में दिवाली का रूप न बदलें।

केपी अग्रवाल

इस दिवाली घर पर बनाएं हलवाई जैसी कुरकुरी खस्ता मठरी, रेसिपी

दिवाली और अन्य भारतीय त्योहारों पर चाय के साथ अगर सबसे ज़्यादा कोई स्नैक पसंद किया जाता है, तो वह है मठरी। यह पारंपरिक नमकीन अपनी खस्ता और कुरकुरी बनावट के कारण सभी की पसंदीदा है। हमारी आसान विधि का उपयोग करके, आप घर पर ही हलवाई जैसी मठरी बना सकते हैं जिसे आप लंबे समय तक स्टोर कर सकते हैं। अजवाइन और कसूरी मेथी के फ्लेवर वाली यह परफेक्ट मठरी बनाना सीखिए और इस फेस्टिवल को स्वादिष्ट बनाइए!

सामग्री मात्रा

मैदा 2 कप

सूजी 1/4 कप

घी/तेल (मोयन के लिए) 1/2 कप (गरम)

अजवाइन 1 छोटा चम्मच

कसूरी मेथी (वैकल्पिक) 1 छोटा चम्मच

नमक स्वादानुसार

तलने के लिए तेल आवश्यकतानुसार

2. मोयन डालें: गरम घी या तेल (मोयन) डालकर हाथों से अच्छी तरह रगड़ें। मिश्रण ऐसा होना चाहिए कि दबाने पर लड्डू जैसा बन जाए।

3. गूथें: अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर आटा सख्त गूथ लें। इसे गीले कपड़े से ढककर 30 मिनट के लिए रख दें।

4. मठरी बनाएं: आटे की छोटी-छोटी लोइयां लेकर हथेली से दबाकर चपटा कर लें या हल्का बेल लें। मठरी को कांटे या टूथपिक से गोद लें ताकि तलते समय ये फूलें नहीं।

5. तलें: तेल को धीमी आंच पर गरम करें। मठरियों को धीमी आंच पर ही कुरकुरा और हल्का सुनहरा होने तक तलें। तेज आंच पर तलने से ये अंदर से कच्ची रह जाएंगी।

स्वाद भरी दिवाली, घर पर बनाएं टेस्टी गुझिया मिठाई

दीपावली और होली जैसे बड़े त्योहारों की पहचान है गुझिया ! यह उत्तर भारत की सबसे पसंदीदा पारंपरिक मिठाई है, जिसके बिना त्योहार का जश्न अधूरा है। चाशनी वाली या सूखी (Dry Gujiya), हर तरह से यह खस्ता करारी (Khasta Karari) मिठाई खोया (Mawa) और सूजी के स्वादिष्ट भरावन से भरी होती है। यह मोदक (महाराष्ट्र) और गुझिया (उत्तर भारत) दिवाली पर खोया भरकर बनाई जाती है।

खस्ता करारी गुझिया कैसे बनाएं

सामग्री (आवरण के लिए) मात्राः

मैदा 2 कप

घी/तेल (मोयन के लिए) 1/4 कप (गरम)

पानी गूथने के लिए

मावा/खोया (Mawa) 1 कप

पिसी चीनी / बूरा 1/2 कप (या स्वादानुसार)

नारियल (कसा हुआ) 1/4 कप

इलायची पाउडर 1/2 छोटा चम्मच

मेवे (बारीक कटे) 2 बड़े चम्मच

संपूर्ण विधिः

1. आटा गूंथें: मैदा में गरम मोयन और पानी डालकर सख्त आटा गूथ लें। इसे गीले कपड़े से ढंककर 20 मिनट रखें।

2. भरावन: एक पैन में मावा/खोया डालकर हल्का भून लें। ठंडा होने पर इसमें पिसी चीनी, नारियल, इलायची और मेवे मिलाकर भरावन तैयार करें।

3. गुझिया/मोदक बनाएं: आटे की छोटी लोई को पतला बेलें। सांचे की मदद से या हाथ से भरावन भरकर किनारे बंद करें और गुझिया/मोदक का आकार दें।

4. तलें: तेल को धीमी आंच पर गरम करें। गुझिया/मोदक को धीमी आंच पर सुनहरा और कुरकुरा होने तक तल लें।

अमेरिका के लिए भस्मासुर बनेगा ट्रंप का टैरिफ!

आईएमएफ ने माना भारत की इकॉनमी का लोहा

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय सामान पर 50% का भारी-भरकम टैरिफ लगा रखा है। माना जा रहा था कि इससे भारत की इकॉनमी को नुकसान होगा क्योंकि अमेरिका हमारा सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के जीडीपी ग्रोथ रेट के अनुमान को बढ़ाकर 6.6% कर दिया। इससे पहले इसके 6.4% रहने का अनुमान लगाया गया था। पहली तिमाही में मजबूत आर्थिक वृद्धि के साथ यह अनुमान बढ़ाया गया है, जो अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को सीमित करेगा। उल्टे इससे अमेरिकी की इकॉनमी के प्रभावित होने की आशंका है। साथ ही यूरोप में एडवांस्ड इकॉनमीज की ग्रोथ भी स्लो होने का अनुमान है। आईएमएफ ने अपनी ताजा विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में 2026-27 के लिए भारत के वृद्धि दर के अनुमान को 0.2% घटाकर 6.2% कर दिया है। हालांकि पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकनॉमिक्स ने इस साल भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.7% और अगले साल 6.6% रहने का अनुमान जताया है। इसी तरह ग्लोबल इकनॉमिक ग्रोथ इस साल 3.1 फीसदी और अगले साल 2.9 फीसदी रहने का अनुमान है। अमेरिका में इस साल जीडीपी ग्रोथ 1.9% और अगले साल 1.7% रहने का अनुमान है। 2024 में यह 2.8% रहा था। यानी टैरिफ अमेरिका के लिए भस्मासुर बनने वाला है।

भारत की इकॉनमी

अमेरिका के दोस्तों पर भी टैरिफ भारी पड़ने वाला है। इस साल यूरो एरिया की ग्रोथ 1.2 फीसदी और अगले साल 0.7 फीसदी रहने का अनुमान है। यूके का भी यही हाल होने वाला है। इस बीच चीन की इकॉनमी के इस साल 4.9 फीसदी और अगले साल 4.5 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान है। पिछले साल चीन की इकॉनमी 5 फीसदी की रफ्तार से बढ़ी थी। कई साल तक ग्लोबल इकॉनमी का इंजन रहा चीन अब कई मोर्चों पर संघर्ष कर रहा है। आईएमएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई के विश्व आर्थिक परिदृश्य की अपडेट रिपोर्ट की तुलना में, 2025 के लिए वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाया गया है। इसमें पहली तिमाही की मजबूत वृद्धि जुलाई से भारत से आयात पर अमेरिकी शुल्क दर में वृद्धि की भरपाई से कहीं अधिक है। इसके साथ 2026 के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को कम किया गया है। भारत की आर्थिक वृद्धि दर अप्रैल-जून में 7.8% रही, जो पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। इस महीने की शुरुआत में विश्व बैंक ने भी चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.3% से बढ़ाकर 6.5% कर दिया था। साथ ही यह कहा था कि देश सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

दुनिया की इकॉनमी

आईएमएफ ने जुलाई में भारत की आर्थिक वृद्धि के अपने अनुमान को संशोधित कर 2025 और 2026 दोनों के लिए 6.4% कर दिया था। वहीं अप्रैल, 2025 के विश्व आर्थिक परिदृश्य में, देश की आर्थिक वृद्धि दर 2025 के लिए 6.2 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.3% रहने का अनुमान लगाया था। मुद्राकोष ने कहा कि वैश्विक वृद्धि दर 2024 में 3.3% से घटकर 2025 में 3.2%और 2026 में 3.1% रहने का अनुमान है। यह जुलाई के विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में जताए गए अनुमान से अधिक है।

7 मिनट में 450 अरब स्वाहा! डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान ने निकाल दिया निवेशकों का 'तेल'

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बयान मंगलवार को निवेशकों को बहुत भारी पड़ा। इस बयान के कारण महज 7 मिनट में निवेशकों ने 450 अरब डॉलर गंवा दिए। ट्रंप ने कहा कि चीन ने अमेरिका से सोयाबीन खरीदने से मना कर दिया है और इसके जवाब में हम खुद कुकिंग ऑयल बनाएंगे। इससे शेयर बाजार में भारी गिरावट आई। एसएंडपी ग्लोबल के आंकड़ों के मुताबिक चीन ने पिछले साल 2.951 मिलियन मीट्रिक टन कुकिंग ऑयल का एक्सपोर्ट किया। इसमें से अमेरिका के हिस्से में सबसे ज्यादा 1.267 मिलियन मीट्रिक टन तेल आया। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर कहा कि चीन जानबूझकर हमारा सोयाबीन नहीं खरीद रहा है और हमारे किसानों के लिए मुश्किल पैदा कर रहा है। हम चीन के साथ ट्रेड खत्म करने पर विचार कर रहे हैं। हम आसानी से कुकिंग ऑयल बना सकते हैं और हमें चीन से इसे खरीदने की जरूरत नहीं होगी। ट्रंप के इस बयान से शेयर मार्केट में अचानक गिरावट आई। डाउ जोंस एक समय 600 अंक तक गिर गया।

अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर

लेकिन अमेरिका के ट्रेड रिप्रजेंटेटिव ग्रीयर ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मीटिंग का समय तय हो गया है। इससे शेयर मार्केट में फिर तेजी आ गई।चीन और अमेरिका के बीच लंबे समय से ट्रेड वॉर चल रहा है। हाल में ट्रंप ने धमकी दी थी कि अगर चीन ने अमेरिका का बात नहीं मानी तो नवंबर से उस पर 100 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया जाएगा। चीन ने इसके जवाब में कहा था कि वह अंत तक यह लड़ाई जारी रखेगा।

हरे निशान पर बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

सेंसेक्स 575 अंक चढ़ा, निफ्टी 25300 के पार

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशियाई और यूरोपीय बाजारों में तेजी के बीच बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में लिवाली से बुधवार को भारतीय बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा इस महीने के अंत में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच यह तेजी आई। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 575.45 अंक या 0.70 प्रतिशत उछलकर 82,605.43 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 697.04 अंक या 0.84 प्रतिशत बढ़कर 82,727.02 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 178.05 अंक या 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,323.55 पर आ गया। डॉलर के मुकाबले 75 पैसे की तेजी के साथ 88.06 (अनंतिम) पर बंद हुआ, जो कि लगभग चार महीनों में इसकी सबसे बड़ी इंट्राडे बढ़त है। ऐसा आरबीआई के संभावित हस्तक्षेप और घरेलू बाजारों में तेजी के कारण हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता को लेकर आशावाद के कारण घरेलू बाजार में लगभग 0.70 प्रतिशत की तेजी आई। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व सबसे ज़्यादा लाभ में रहीं। एशियन पेंट्स, लार्सन एंड टुब्रो, टेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, इटरनल और अदानी पोर्ट्स भी लाभ में रहीं। वहीं, टाटा मोटर्स, इंफोसिस, टेक महिंद्रा और एक्सिस बैंक पिछड़ गए।

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग तेजी के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में सकारात्मक रुख रहा। मंगलवार को अमेरिकी बाजार मिश्रित रुख के साथ बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि दो दिनों की बिकवाली के बाद राष्ट्रीय बाजार में थोड़ी तेजी आई; फेड अध्यक्ष द्वारा ब्याज दरों पर नरम रुख अपनाने तथा मात्रात्मक सख्ती समाप्त करने पर विचार करने से वैश्विक बाजार में धारणा मजबूत हुई।वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.18 प्रतिशत गिरकर 62.28 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 1,508.53 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,661.13 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

मंगलवार को सेंसेक्स 297.07 अंक या 0.36 प्रतिशत गिरकर 82,029.98 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 81.85 अंक या 0.32 प्रतिशत गिरकर 25,145.50 पर बंद हुआ।

जियो ब्लैकरॉक फंड ने मचाई थी धूम

एक बार फिर मिलेगा पैसा लगाने का मौका

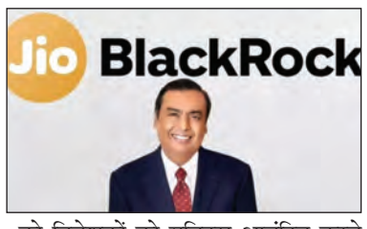

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।भारतीय निवेश बाजार में हाल ही में दस्तक देने वाले जियो ब्लैकरॉक फ्लेक्सी कैप फंड ने अपने न्यू फंड ऑफर के दौरान धूम मचा दी थी। मुकेश अंबानी की जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकरॉक के इस साझा फंड को लेकर निवेशकों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। हालांकि, भारी समर्थन के बावजूद, कई निवेशक ऐसे थे जो इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाने से चूक गए। अगर आप भी उन्हीं निवेशकों में से एक हैं, तो आपके लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है। अब आपको निराश होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह फंड एक बार फिर आपके निवेश के लिए दरवाजे खोल रहा है। जो निवेशक जियो ब्लैकरॉक के इस चर्चित फंड के एनएफओ में पैसा लगाने से चूक गए थे, उनका इंतजार अब बस कुछ ही दिनों में खत्म होने वाला है। फंड हाउस ने जानकारी दी है कि 17 अक्टूबर 2025 से इस स्कीम में दोबारा निवेश शुरू किया जा सकेगा। दरअसल, किसी भी एनएफओ के बंद होने के बाद फंड हाउस को निवेशकों को यूनिट्स आवंटित करने की एक आंतरिक प्रक्रिया पूरी करनी होती है। जियो ब्लैकरॉक का एनएफओ, जो 23 सितंबर को लॉन्च होकर 7 अक्टूबर को बंद हुआ था, अब अपनी यूनिट अलॉटमेंट की प्रक्रिया के अंतिम चरण में है। यह प्रक्रिया 17 अक्टूबर को पूरी हो जाएगी और उसी दिन से यह फंड सभी निवेशकों के लिए लगातार खरीद-बिक्री के लिए खुल जाएगा। क्योंकि यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, इसलिए इसमें आप कभी भी निवेश कर सकते हैं और कभी भी अपना पैसा निकाल सकते हैं। यह जानना बेहद जरूरी है कि एनएफओ के बाद फंड में निवेश करने का तरीका थोड़ा बदल जाता है। एनएफओ के दौरान, निवेशकों को एक तय कीमत (आमतौर पर 10 रुपये प्रति यूनिट) पर यूनिट्स मिलती हैं।

एल्गोरिदम के आधार पर निर्णय लेने को बढ़ावा देने से वित्तीय व्यवस्था पर बढ़ेगा संकटः आरबीआई डीजी

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।एल्गोरिदम के आधार पर निर्णय लेने की प्रक्रिया और सेवाओं के कुछ ही प्लेटफॉर्म्स तक सीमित रहने को अगर अनियंत्रित छोड़ दिया गया तो यह पूरी वित्तीय व्यवस्था को व्यापक रूप से प्रभावित कर सकते हैं, क्योंकि ये पारंपरिक खतरे नहीं हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वानीनाथन जे ने बुधवार को यह बात कही।

रिजर्व बैंक के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि डिजिटल इनोवेशन भुगतान से परे जाकर समावेशन का दायरा बढ़ा रहा है। भुगतान के अलावे भी इसका लोगों फायदा पहुंचा रहा है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स अब माइक्रो बीमा और पेंशन से जुड़े उत्पाद भी ग्राहकों को तेजी से मुहैया कराने लगे हैं। इससे कम आमदनी वाले परिवारों को अपना वित्तीय लचीलापन मजबूत करने में मदद मिली है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर ने 6 अक्तूबर 2025 को 'डिजिटल नवाचार के माध्यम से वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाना' विषय पर विश्व बचत और खुदरा बैंकिंग संस्थान (डब्ल्यूएसबीआई) की ओर से एसबीआई में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ₹देश के बाहर यूपीआई की सुविधा मिलने से बाहर से पैसा भेजना आसान हुआ है। धन पहले की तुलना में तेज, सस्ता और अधिक सहज हुआ है। इससे औपचारिक चैनलों में विश्वास मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा, रिजर्व बैंक में हम ऐसा माहौल बनाना चाहते हैं जहां नवाचार जिम्मेदारीपूर्वक फल-फूल सके। डिप्टी गवर्नर ने कहा कि फिनटेक, डिजिटल प्लेटफॉर्म और एम्बेडेड फाइनेंस मॉडल के तेजी से बढ़ने से वित्तीय प्रणाली की सीमाओं का विस्तार हुआ है और इससे नए प्रकार के जोखिम पैदा हुए हैं। स्वामीनाथन ने कहा कि यदि ऐसे जोखिमों को अनियंत्रित छोड़ दिया जाए तो वे परेशानी का सबब बन सकते हैं।

सोना 640 महंगा होकर 1.27 लाख के करीब

चांदी 1,633 सस्ती हुई, इस महीने सोना रोज 720 चढ़ा, चांदी 2,669 महंगी हुई

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस साल चांदी के दाम दोगुने से ज्यादा बढ़कर 1.75 लाख प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। ये चांदी के दाम में इतिहास की सबसे बड़ी तेजी है।

आज सोने के दाम में तेजी और चांदी में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 640 रुपए बढ़कर 1,26,792 रुपए पर पहुंच गया है। कल ये 1,26,152 रुपए पर था। इस महीने के पहले 15 दिन में सोना 10,803 रुपए महंगा हुआ है, यानी रोजाना औसत 720 रुपए। वहीं, चांदी की कीमत 1,633 रुपए घटकर 1,76,467 रुपए प्रति किलो पर आ गया है।

कल चांदी 1,78,100 रुपए के ऑल टाइम हाई पर थी। वहीं, चांदी का भाव भी 34,033 रुपए यानी रोजाना 2,669 रुपए बढ़ा है। फेस्टिव सीजन, इंडस्ट्रियल डिमांड और ग्लोबल सप्लाई में कमी और मांग बढ़ने की वजह कीमतों में लगातार तेजी है।

इस साल सोना 50,630 और चांदी 90,450 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 50,630 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,26,792 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 90,450 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,76,467 रुपए प्रति किलो हो गई है।

10 महीने में दोगुने हुए चांदी के दाम

86 हजार से 1.75 लाख पर पहुंची, सोने से 37% ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस साल चांदी के दाम दोगुने से ज्यादा बढ़कर 1.75 लाख प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। ये चांदी के दाम में इतिहास की सबसे बड़ी तेजी है। वहीं इसने सोने के मुकाबले 37% ज्यादा रिटर्न दिया।

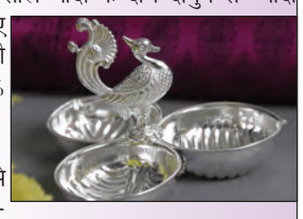

चांदी के दाम दोगुने होने की क्या वजहें हैं?

फेस्टिव सीजनः भारत दुनिया में चांदी के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है। दिवाली-धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदना शुभ माना जाता है। इससे चांदी की डिमांड बढ़ी है। इंडस्ट्रियल डिमांडः चांदी का सबसे ज्यादा इस्तेमाल सोलर फैक्ट्रियों में होता है। इसके अलावा एआई इंडस्ट्री और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स में भी चांदी का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। **सप्लाई की कमीः** चांदी की मांग तो बढ़ रही है, लेकिन इसकी सप्लाई में रुकावट आ रही है। कुछ देशों में पर्यावरण नियम या खदान बंद होने से प्लान्ड माइनिंग कम हो गई है। इसके अलावा लगभग 70% चांदी, कॉपर और जिंक जैसी दूसरी धातुओं की खुदाई के दौरान बाय प्रोडक्ट के रूप में निकलती है। जब तक तांबे की खुदाई नहीं बढ़ती, चांदी की सप्लाई नहीं बढ़ सकती।

क्या भारत में हावी हो रही एप्पल की लॉबी?

इनकम टैक्स कानून में क्यों बदलाव चाहती है कंपनी, क्या है पूरा खेल

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। एप्पल कंपनी भारत में अपने कारोबार को बढ़ावा दे रही है। कंपनी के आईफोन अब भारत में बहुत तेजी से बन रहे हैं। कंपनी ने इस वित्तीय वर्ष के पहले छह महीनों में ही 10 अरब डॉलर (करीब 88,730 करोड़ रुपये) के आईफोन का निर्यात किया है। यह एक रेकॉर्ड है। अब अमेरिका की यह कंपनी भारत सरकार से अनोखी मांग कर रही है। कंपनी की मांग से ऐसा लगता है कि इसकी लॉबी भारत सरकार पर हावी हो रही है। एप्पल भारत सरकार से इनकम टैक्स कानून में बदलाव की मांग कर रहा है। रॉयटर्स के मुताबिक कंपनी चाहती है कि उसे अपने कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर्स को दिए जाने वाले हाई-एंड आईफोन बनाने वाली मशीनों के मालिकाना हक पर टैक्स न देना पड़े। सूत्रों का कहना है कि यह एक ऐसी समस्या है जो एप्पल के भारत में भविष्य के विस्तार में बाधा डाल सकती है। भारत एप्पल के अनुरोध की सावधानी से समीक्षा कर रहा है। यह मांग ऐसे समय में आई है जब एप्पल चीन से बाहर निकलकर भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के मुताबिक साल 2022 से भारत में आईफोन की हिस्सेदारी दोगुनी होकर 8% हो गई है। जबकि दुनिया भर में आईफोन की कुल शिपमेंट में चीन का हिस्सा अभी भी 75% है, वहीं भारत का हिस्सा 2022 से चार गुना बढ़कर 25% हो गया है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल बाजार है।एप्पल के कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर्स फॉक्सकॉन और टाटा ने पांच प्लांट खोलने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया है। लेकिन इस पैसे का एक बड़ा हिस्सा आईफोन असेंबली के लिए महंगी मशीनें खरीदने में चला जाता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर एप्पल अपनी व्यावसायिक प्रथाओं को बदले बिना नई दिल्ली को साल 1961 के उस कानून को बदलने के लिए राजी नहीं कर पाता जो भारत में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों के विदेशी मालिकाना हक को कवर करता है, तो उसे अरबों डॉलर का अतिरिक्त टैक्स देना पड़ सकता है। चीन में एप्पल आईफोन बनाने वाली मशीनें खरीदता है और उन्हें अपने कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर्स को देता है। भले ही वह उन मशीनों का मालिक हो, फिर भी उस पर कोई टैक्स नहीं लगता है। लेकिन भारत में ऐसा संभव नहीं है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और दो अन्य उद्योग सूत्रों ने बताया कि इनकम टैक्स एक्ट के तहत एप्पल के ऐसे मालिकाना हक को एक तथाकथित 'व्यावसायिक संबंध' माना जाएगा। इससे अमेरिकी कंपनी के आईफोन मुनाफे पर भारतीय टैक्स लग जाएगा।

दुनिया में बजेगा भारतीय रेल का डंका

वंदे भारत को एक्सपोर्ट करने की तैयारी

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक बड़ी घोषणा की है। उन्होंने बताया कि भारत अपनी वंदे भारत ट्रेन का अगला वर्जन वंदे भारत 4.0 विकसित कर रहा है। इसके अगले 18 महीने में तैयार होने की संभावना है। यह नई ट्रेन खासतौर पर दूसरे देशों को निर्यात करने के लिए बनाई जाएगी। इससे भारत दुनिया को आधुनिक रेल तकनीक बेचने वाला एक बड़ा सप्लायर बन जाएगा। अभी देश में 50 से अधिक रूट्स पर वंदे भारत चलाई जा रही है। इसका स्लीपर वर्जन भी जल्दी आ सकता है। वैष्णव ने कहा कि वंदे भारत 4.0 प्रोजेक्ट में बेहतरीन इंजीनियरिंग और यात्रियों की सुविधा का खास ध्यान रखा जाएगा। यह भारत के उस बड़े सपने को पूरा करने में मदद करेगा, जिसमें भारत रेल के क्षेत्र में नई खोजों और निर्यात का केंद्र बनना चाहता है। यह कदम भारत को रेल इनोवेशन और एक्सपोर्ट के लिए एक हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

350 किमी की रफ्तार

सरकार की योजना जापान की बुलेट ट्रेन की तरह देश में हाई-स्पीड पैसेंजर ट्रेन के लिए अलग से ट्रैक बनाने की भी है। इन पटरियों पर ट्रेनें 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेंगी। इससे बड़े शहरों के बीच सफर बहुत तेज और आसान हो जाएगा। अभी देश में वंदे भारत 3.0 चल रही है जो स्पीड और परफॉरमेंस के मामले में अंतरराष्ट्रीय स्तर की है। वैष्णव ने कहा कि यह 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार 52 सेक्टर में पकड़ सकती है जबकि जापान और यूरोप की बेस्ट ट्रेनों के लिए यह समय 54 मिनट है। साथ ही इसका शोर और वाइब्रेशन का स्तर भी अधिकांश ग्लोबल ट्रेनों से कम है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य - कन्या	मे	कन्या---	04-13 बजे
चंद्र - कर्क	मे	तुला----	06-18 बजे
मंगल-तुला	मे	वृश्चिक...	08-28 बजे
बुध - तुला	मे	धनु.....	10-42 बजे
गुरु - मिथुन	मे	मकर...	12-49 बजे
शुक्र - कन्या	मे	कुंभ....	14-39 बजे
शनि मीन	मे	मीन....	16-17 बजे
राहु कुंभ	मे	मेष.....	17-52 बजे
केतु सिंह	मे	वृष.....	19-38 बजे
		मिथुन..	21-38 बजे
		कर्क...	23-52 बजे
		सिंह---	02-02 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि**-432000**
भोग्य कलि वर्ष**-426874**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्**-1955885126**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - कार्तिक कृष्ण गुरुवार**16 October**
तिथि - दशमीं **10-35** तक उपरान्त एकादशी
नक्षत्र - आश्लेषा **12-42** तक उपरान्त मघा
योग - शुभ **02-10** तक उप शुक्ल
करण - विष्टी (भद्रा) **10-35** तक उप बव
व्रत भद्रा **10-34** तक
त्योहार श्री राम शर्मा ज.

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-29 से 14-57 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा **9247132654 9167555710**

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
शुभ	06-11 - 07-38 शुभ	अमृत	17-53 - 19-25 शुभ
रोग	07-38 - 09-06 अशुभ	चंचल	19-25 - 20-57 शुभ
उत्पात	09-06 - 10-34 अशुभ	रोग	20-57 - 22-29 अशुभ
चंचल	10-34 - 12-01 शुभ	काल	22-29 - 00-02 अशुभ
लाभ	12-01 - 13-29 शुभ	लाभ	00-02 - 01-34 शुभ
अमृत	13-29 - 14-57 शुभ	उत्पात	01-34 - 03-06 अशुभ
काल	14-57 - 16-25 अशुभ	शुभ.	03-06 - 04-38 शुभ
शुभ	16-25 - 17-53 शुभ	अमृत	04-38 - 06-11 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है । आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं । अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं,अब आराम से बैठकर अपने प्रयासों और मेहनत का आनंद उठाने का समय है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप एक आशावादी व्यक्ति हैं और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है । इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो । समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं ,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
इस बात के लिए अधिक सोच विचार ना करें कि अप्रत्याशित घटनाएँ क्यों हो रही हैं या बहुत देर क्यों हो रही है ? ये आपके भले के लिए भी हो सकता है जिसके फायदे अभी आपको दिखाई नही दे रहे हैं । अपनी बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया प्रयोग करें । इससे आपको भी अपने रोजमर्रा के नियमित कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आपने किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा । दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ़ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं । आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं ,लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं । आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है । अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें । आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी । इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है ।आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें । इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे । आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा । वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं । इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है । आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है । अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी । हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपना रहे हैं । आज कुछ अलग ना सोचें,इसका प्रभाव औरों पर अच्छा न पड़ेगा । कोई भी काम करने से पहले ये मूल्यांकन दुबारा कर लें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नया वाहन और दूसरी चीजें खरीदने हेतु समय उपयुक्त है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है । अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी । हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें । वित्तीय स्थिति के लिए भी परेशान न हों,समय के साथ ठीक होती जायेगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज कोई अप्रत्याशित और काफी दबाव वाला काम मिलेगा लेकिन आप चिंता ना करें,आप आसानी से ओइसे पूरा कर लेंगे और आपको सबकी प्रशंसा भी मिलेगी । ऐसा हो सकता है कि घर पर अचानक बहुत सारे मेहमान आ जाएँ या बॉस आपको अंतिम समय पर कोई महत्वपूर्ण काम सौंप दें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

टॉप-लीडर राजू समेत 100 नक्सलियों का सरेंडर

बस से बीएसएफ कैंप लाए गए, सुकमा में 27 ने छोड़े हथियार, 50 लाख इनाम था

कांकेर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के उत्तर बस्तर स्थित कांकेर जिले में करीब 100 नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया है। इनमें टॉप लीडर राजू सलाम, कमांडर प्रसाद और मीना शामिल है। जंगलों से बाहर आकर इन नक्सलियों ने कामतेड़ा बीएसएफ कैंप में हथियार डाले हैं। सभी नक्सलियों को बस के जरिए कैंप लाया गया। सुरक्षा कारणों के चलते बीएसएफ कैंप में हाई अलर्ट जारी किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, राजू सलाम डिवीजनल कमेटी मेंबर (डीवीसीएम) कंपनी नंबर 5 का कमांडर था। वह रावघाट एरिया में सक्रिय था। राजू सलाम कांकेर में पिछले 20 साल में घटी सभी बड़ी घटनाओं का मास्टरमाइंड रहा है।

इतनी बड़ी संख्या में नक्सलियों के मुख्यधारा में लौटने से इलाके में नक्सलवाद के खात्मे की उम्मीदें बढ़ गई हैं। फिलहाल, कांकेर पुलिस आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों की पहचान करने में जुटी हुई है। संभावना है कि इन्हें जल्द ही जिला मुख्यालय या संभागीय मुख्यालय में मीडिया के सामने पेश किया जाएगा।

इसके अलावा एक दिन पहले ही 6 करोड़ के इनामी और पोलित ब्यूरो सदस्य भूपति ने 60 साथियों के साथ महाराष्ट्र में सरेंडर किया था। सुकमा में भी 50 लाख के इनामी 27 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनमें 10 महिलाएं और 17 पुरुष शामिल हैं। कोंडागांव जिले में 5 लाख की इनामी महिला नक्सली गीता उर्फ कमली सलाम (40) ने भी हथियार छोड़ दिए हैं।

बता दें कि मोजुल्ला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति उर्फ सोनू दादा ने मंगलवार को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में सरेंडर करने का फैसला लिया था। वहीं आज बुधवार को भूपति उर्फ सोनू दादा समेत 61 नक्सलियों ने आधिकारिक तौर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सामने हथियार डाले हैं। ये नक्सली अपने साथ हथियार भी लेकर आए थे, जिसे सीएम फडणवीस को सौंपा।

दरअसल, भूपति नक्सल संगठन में पोलित ब्यूरो मेंबर है। यह तेलंगाना के करीब नगर का रहने वाला है। 80 के दशक से माओवाद संगठन के साथ जुड़कर काम कर रहा था। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश ओडिशा, समेत अन्य राज्यों में यह मोस्ट वांटेड था।

छत्तीसगढ़ सरकार ने भूपति पर करीब 1 से डेढ़ करोड़ रुपए का इनाम रखा है। अन्य राज्यों को मिलाकर ये 6 करोड़ रुपए से ज्यादा का इनामी है।

नक्सल संगठन पर लगातार बढ़ते दबाव की वजह से भूपति ने अपने अन्य साथ साथियों के साथ हथियार डालने का फैसला लिया और गढ़चिरौली पुलिस के पास पहुंचा था।

सुकमा जिले में 27 सक्रिय नक्सलियों ने 14 अक्टूबर को सरेंडर किया है। इनमें 10 महिलाएं और 17 पुरुष शामिल हैं। सभी नक्सलियों पर कुल 50 लाख रुपए का इनाम था। एक पर 10 लाख, 3 पर 8-8 लाख, एक पर 3 लाख, 2 पर 2-2 लाख और 9 पर 1-1 लाख का इनाम घोषित था।

रायपुर जिलाध्यक्ष बनाने लॉबिंग

विकास उपाध्याय-पंकज की शिकायत

यूथ कांग्रेस-एनएसयूआई नेताओं ने ऑब्जर्वर को लिखा- मेनन के पक्ष में बना रहे दबाव, इनको कार्यालय से दूर रखें

रायपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने संगठन को मजबूत करने के लिए 'सृजन अभियान' की शुरुआत की है। इस अभियान की शुरुआत गुजरात से हुई थी। अब यह कैंपेन छत्तीसगढ़ में जारी है। जिसके तहत जिलाध्यक्ष चयन की प्रक्रिया चल रही है। इस बीच एनएसयूआई और यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने रायपुर जिले के पर्यवेक्षक प्रफुल्ल गुडाधे से जिलाध्यक्ष के नाम को लेकर लॉबिंग करने की शिकायत की है।

कार्यकर्ताओं ने पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा के बेटे पंकज शर्मा और पूर्व विधायक विकास उपाध्याय पर श्रीकुमार मेनन के लिए लॉबिंग करने का आरोप लगाया है। ये शिकायत पर्यवेक्षक को वॉट्सऐप पर पत्र लिखकर की गई है।

पत्र में कहा गया है कि पंकज शर्मा और विकास उपाध्याय कांग्रेस भवन परिसर में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों पर श्रीकुमार मेनन का समर्थन करने दबाव बना रहे थे। जो पार्टी की सोच के खिलाफ है। इनको कांग्रेस कार्यालय से दूर रखा जाए, नहीं तो ये निष्पक्ष निर्णय को प्रभावित करेंगे।

इन आरोपों पर पंकज शर्मा ने कहा कि कहीं कोई गुटबाजी नहीं है। हमारे पर्यवेक्षक इतने अनुभवी हैं कि किसी भी गुटबाजी से ऊपर उठकर फैसला ले सकें। वहीं पर्यवेक्षक प्रफुल्ल गुडाधे ने कहा कि हमने सभी कार्यकर्ताओं से चर्चा की है। फैसला वही लिया जाएगा जो सर्वमान्य हो।

शिकायत में लिखा गया है कि 'सृजन अभियान में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे की सोच के अनुरूप कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से नाम की रायशुमारी करने का अभियान है। लेकिन इस अभियान में कुछ वरिष्ठ नेता अपने समर्थकों के लिए जबरिया जोर आजमाइश करते नजर आ रहे हैं, जो कि पार्टी की सोच के विपरीत है।

पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा के बेटे पंकज शर्मा, जो रायपुर ग्रामीण से 2023 विधानसभा चुनाव 35 हजार से ज्यादा वोटों से चुनाव हार चुके हैं। वे अपने समर्थक श्रीकुमार मेनन के लिए कार्यकर्ताओं और नेताओं को रोककर प्रचार करते हुए दबाव बना रहे थे, जो इस प्रक्रिया के खिलाफ है।

विकास उपाध्याय जो 2024 रायपुर लोकसभा में 6 लाख वोटों से हारे और 2023 विधानसभा चुनाव में 45 हजार से अधिक वोटों से हार चुके हैं, उनके की ओर से भी आज कांग्रेस भवन परिसर में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को लगातार श्रीकुमार मेनन के पक्ष में प्रभावित करने का काम किया गया।

जूता पहन कर नहीं आने पर छात्रा को पीटा

घर आ कर रोती रही छात्रा, डिप्रेशन में जाने से पड़ी बीमार, रिम्स में हुई मौत

गढ़वा, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। गढ़वा जिले के बड़गड़ प्रखंड स्थित परियोजना प्लस टू उच्च विद्यालय की 12वीं की छात्रा दिव्या कुमारी की रिम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई।

दिव्या के पिता अजय प्रसाद ने बताया कि उनकी बेटी पिछले 15 सितंबर को स्कूल गई थी, जहां प्रभारी प्रिंसिपल द्रौपदी मिंज ने असेंबली के समय जूता न पहनने के कारण उसे पिटाई की।

सबके सामने मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। इसके बाद दिव्या लगातार दो दिन रोती रही और डिप्रेशन की वजह से बीमार पड़ गई। उसे डाल्टेनगंज इलाज के लिए ले जाया गया। वहां से रिम्स रेफर कर दिया गया।

परिजनों ने बड़गड़ थाना में आवेदन देकर न्याय की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रधानाध्यापिका की पिटाई और मानसिक प्रताड़ना सीधे तौर पर छात्रा की मौत की वजह बनी।

दिव्या की मौत के बाद बड़गड़ बाजार स्थित हनुमान मंदिर चौक के पास ग्रामीणों ने शव के साथ सड़क जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने न्याय की मांग करते हुए टायर जलाए और रास्ता रोका। जाम की सूचना मिलने पर भंडरिया के इंस्पेक्टर सुभाष कुमार, बड़गड़ थाना प्रभारी दीपक कुमार मौर्य, बीडीओ अमित कुमार और सीओ राकेश भूषण सिंह मौके पर पहुंचे। जाम हटाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने कोई समझौता नहीं किया। इस दौरान स्थानीय सांसद बीडी राम ने हस्तक्षेप कर मामले को शांत करने की कोशिश की।

शराब घोटाला: जेल में मनेगी भूपेश के बेटे चैतन्य की दिवाली

29 अक्टूबर तक बढ़ी रिमांड, ईओडब्ल्यू का दावा- पूछताछ में मिले सबूत, चार्जशीट अभी पेश नहीं

रायपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में रायपुर की स्पेशल कोर्ट ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की ज्यूडिशियल रिमांड 29 अक्टूबर तक यानी 14 दिनों तक बढ़ा दी है। चैतन्य बघेल की दिवाली जेल में ही मनेगी। चैतन्य बघेल मनी लॉन्ड्रिंग केस में 18 जुलाई 2025 से जेल में हैं।

ईओडब्ल्यू ने पहले 13 अक्टूबर को चार्जशीट पेश करने के लिए समय मांगा था, लेकिन वह ऐसा नहीं कर पाई थी। कोर्ट ने चार्जशीट पेश करने के लिए 2 दिन यानी 15 अक्टूबर का समय दिया था, लेकिन ईओडब्ल्यू टीम अभी तक चार्जशीट पेश नहीं कर पाई है।

ईओडब्ल्यू ने चैतन्य को कोर्ट के निर्देश पर 24 सितंबर को रिमांड पर लिया था। ईओडब्ल्यू के अधिकारियों का दावा है कि, चैतन्य बघेल से पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारियां मिली हैं। आने वाले दिनों में शराब घोटाला मामले में जांच का दायरा बढ़ेगा, जिससे कुछ और लोगों पर भी कार्रवाई हो सकती है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल में बंद चैतन्य के वकील फैजल रिजवी ने बताया कि आज बाकी आरोपियों की रिमांड आज खत्म हो रही थी, लेकिन उनकी 2 दिन की रिमांड बढ़ाई गई है। इसके साथ ही सभी आरोपियों का केस एक साथ चले, इसलिए 29 अक्टूबर तक रिमांड बढ़ाई गई है।

दरअसल, शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को भी आरोपी बनाया है। चैतन्य बघेल को 18 जुलाई को भिलाई से गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं। ईडी के मुताबिक शराब घोटाले से मिले ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट किया गया। ब्लैक मनी को वाइट करने के लिए फर्जी निवेश दिखाया गया है। साथ ही सिंडिकेट के साथ मिलकर 1000 करोड़ रुपए की हैंडलिंग (हेराफेरी) की गई है।

ईडी ने अपनी जांच में पाया कि, चैतन्य बघेल के विट्ठल ग्रीन प्रोजेक्ट (बघेल डेवलपर्स) में घोटाले के पैसे को इन्वेस्ट किया गया है।

इस प्रोजेक्ट से जुड़े अकाउंटेंट के ठिकानों पर छापेमारी कर ईडी ने रिकॉर्ड जब्त किए थे। प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट राजेन्द्र जैन ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में वास्तविक खर्च 13-15 करोड़ था। जबकि रिकॉर्ड में 7.14 करोड़ ही दिखाया गया। जब्त डिजिटल डिवाइसेस से पता चला कि, बघेल की कंपनी ने एक ठेकेदार को 4.2 करोड़ कैश पेमेंट किया गया, जो रिकॉर्ड में नहीं दिखाया गया।

सीएससी संचालक से दिनदहाड़े 60 हजार की लूट

बाइक सवार तीन बदमाशों ने की वारदात पीछा करने पर लोगों पर की फायरिंग

सरायकेला, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरायकेला जिले के राजनगर थाना क्षेत्र में बुधवार को दिनदहाड़े लूट और फायरिंग की घटना हुई। छोटा सिजुलता स्थित नवोदय चौक के पास एक कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) से बाइक सवार तीन अपराधियों ने हथियार के बल पर करीब 60 हजार रुपए नगद लूट लिए।

इधर, लूट की खबर फैलते ही स्थानीय लोगों और कुछ दुकानदारों ने अपराधियों का पीछा करना शुरू किया। इसी दौरान अपराधियों की बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई।

सामने से भीड़ को आता देख बदमाशों ने लोगों को पीछे हटाने के लिए तीन राउंड फायरिंग कर दी।

हालांकि इस गोलीबारी में कोई व्यक्ति जख्मी नहीं हुआ। गोली की आवाज से इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। अपराधी मौके का फायदा उठाकर पास के जंगल की ओर भाग निकले।

सीएससी संचालक अनूप कुमार ने बताया कि वे रोज की तरह अपने केंद्र पर काम कर रहे थे।

इसी दौरान तीन युवक एक काले रंग की बाइक पर सवार होकर पहुंचे। वे पहले कुछ देर तक इधर-उधर घूमते रहे, फिर अचानक केंद्र के अंदर घुस गए।

अपराधियों ने पिस्तौल तानकर अनूप कुमार से नगदी से भरा बैग छीन लिया, जिसमें लगभग 60 हजार रुपए थे। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों बदमाश बाइक से तेजी से भाग निकले।

ससुर को खाट से बांधकर बम से उड़ाया, मौत

सास की हालत गंभीर, घर की छत उड़ी, कपड़े जलकर राख, दरवाजा बंदकर भागे आरोपी

कोरिया, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में दामाद ने अपने ससुर को घाट पर बांधकर पेट्रोल बम से उड़ा दिया, जिससे ससुर की मौके पर मौत हो गई। वहीं सास की हालत गंभीर बताई जा रही है। वारदात के बाद दरवाजा बंद कर आरोपी भाग निकले। मामला बचरा पोड़ी थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम राय राम (60) है। वहीं घायल महिला का नाम पार्वती (59) है। दोनों साल्ही गांव के रहने वाले हैं। आरोपी 14 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे दो हमलावर मुंह में कपड़ा बांधकर उनके घर पहुंचे थे। घर में धमाके से छत उड़ गई है।

दरअसल, 14 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे दो हमलावर मुंह में कपड़ा बांधकर राय राम के घर में घुसे। इस दौरान आरोपियों ने बुजुर्ग रामसाय को घाट से बांधा। इस दौरान रामसाय की पत्नी भी मौके पर मौजूद थी। दोनों को आरोपी घर के अंदर बंद कर दिए।

इसके बाद घर का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया और घर में पेट्रोल बम फेंक दिया। धमाके से बुजुर्ग की मौके पर मौत हो गई। वहीं उसकी पत्नी गंभीर रूप से झुलस गई। धमाके की आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंचे। घायल महिला को फौरन नजदीकी अस्पताल पहुंचाया।

घायल पार्वती को इलाज के बाद गंभीर हालत में अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रेफर किया गया, लेकिन हालत में सुधार नहीं होने की वजह से रायपुर रेफर कर दिया गया है। पार्वती की हालत क्रिटिकल कंडिशन में है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक बम धमाके की वजह से घर के अंदर जबरदस्त विस्फोट हुआ है। घर का बड़ा हिस्सा जल गया है। घर की छत भी उड़ गई है। सामान इधर-उधर बिखरे पड़े हैं। कपड़े जल गए हैं। बर्तन भी टूटे-फूट पड़े हैं। घर की हालत तहस नहस है। परिवार के लोगों ने बताया कि करीब 4 महीने पहले युवक ससुराल आया था। अपना सामान वापस मांगते हुए विवाद किया था। उसने अपने साले राघव पर छर्रे वाली बंदूक से गोली भी चला दी थी। घटना की शिकायत पर पुलिस ने उसकी तलाश की, लेकिन वह नहीं पकड़ा जा सका था।

वारदात के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। घटना की सूचना पर देर रात बचरा पोड़ी थाना प्रभारी मुनाफ पटेल की टीम मौके पर पहुंची। सुबह कोरिया SP रवि कुर्रे भी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का मुआयना करने के साथ ही परिवार के लोगों से बातचीत की।

इस दौरान SP रवि कुर्रे ने बताया कि वारदात में दामाद के शामिल होने का शक है। राम साय की बेटी ने कानपुर, उत्तरप्रदेश के युवक से इंटर कास्ट मैरिज की थी। युवक ड्राइवर का काम करता है।

ऑटो-मिनी ट्रक की टक्कर, एक की मौत

ईंट भट्ठा जा रहे थे लोग, तीन अन्य गंभीर रूप से घायल

कोडरमा, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोडरमा थाना क्षेत्र के चंद्रोडीह गांव के पास कोडरमा-जयनगर मुख्य मार्ग पर एक मिनी ट्रक और ऑटो की टक्कर हो गई। इस हादसे में इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि ऑटो में सवार तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों में एक महिला और एक बच्चा भी शामिल है। यह घटना तब हुई, जब ऑटो गोविंदपुर (बिहार) से जयनगर स्थित एक ईंट भट्ठे पर काम करने जा रहे लोगों को ले जा रही थी। चंद्रोडीह गांव के सामने पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार मिनी ट्रक ने ऑटो को टक्कर मार दी, जिससे ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गई।

घाटशिला उपचुनाव में सोमेश सोरेन होंगे जेएमएम प्रत्याशी

पिता की विरासत संभालने की जिम्मेदारी, पार्टी की केंद्रीय समिति ने किया उम्मीदवार का ऐलान

रांची, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोल्हान की घाटशिला विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। पार्टी ने दिवंगत विधायक रामदास सोरेन के पुत्र सोमेश सोरेन को टिकट देने का निर्णय लिया है।

झामुमो की केंद्रीय समिति की बैठक में बुधवार को यह फैसला सर्वसम्मति से लिया गया। गौरतलब है कि पूर्व शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के असमय निधन के बाद यह सीट रिक्त हो गई थी। झारखंड में अब तक हुए उपचुनावों में झामुमो ने लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है। इस बार पार्टी उसी सिलसिले को बरकरार रखने की तैयारी में है।

राज्य की राजनीति में यह सीट न सिर्फ राजनीतिक दृष्टि से अहम है, बल्कि भावनात्मक रूप से भी झामुमो के लिए बेहद संवेदनशील मानी जा रही है। दिवंगत विधायक रामदास सोरेन जनता के बीच लोकप्रिय नेता रहे हैं। उनके निधन के बाद क्षेत्र में सहानुभूति की लहर देखी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि झामुमो इस लहर को अपने पक्ष में भुनाने की रणनीति बना रही है।

पार्टी संगठन पहले से ही बूथ स्तर पर सक्रिय हो चुका है और प्रचार की रूपरेखा तैयार की जा रही है। झामुमो ने उम्मीदवार घोषित कर अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। अब सबकी निगाहें अन्य उम्मीदवारों पर होगी। इस उपचुनाव में बीजेपी ने पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन को अपना उम्मीदवार बनाया है।

राजनीतिक माहौल को देखते हुए घाटशिला का उपचुनाव दिलचस्प होने वाला है। झामुमो के लिए यह सिर्फ एक चुनाव नहीं, बल्कि दिवंगत नेता रामदास सोरेन की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने का अवसर भी है।

कांग्रेस नेताओं ने पप्पू यादव के समर्थक को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

पटना एयरपोर्ट पर लगे राजेश राम, शकील अहमद चोर के नारे, टिकट बेचने का आरोप लगाया

पटना, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। महागठबंधन में टिकट को लेकर माथापच्ची जारी है। इन सबके बीच देर शाम पटना एयरपोर्ट पर नेताओं में मारपीट हुई है।

दिल्ली से लौटे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, कृष्ण अल्लावरु, शकील अहमद का पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विरोध किया है। बिक्रम से आए कार्यकर्ताओं ने टिकट बेचने का आरोप लगाया। इस दौरान शकील अहमद चोर है के नारे भी लगे।

बताया जा रहा है कि कांग्रेस नेताओं को पप्पू यादव के समर्थक मनीष एयरपोर्ट पर रिसीव करने आए थे।

इसी दौरान पटना के बिक्रम से आए कांग्रेस नेताओं ने मनीष को दौड़ा-दौड़ाकर पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान शकील अहमद को लोगों ने घेर लिया। किसी तरह बचकर वो अपनी गाड़ी से एयरपोर्ट से निकले।

महागठबंधन में सीटों को लेकर बात बनती दिख रही है। कांग्रेस 61 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। आज 28 सीटों पर कैंडिडेट्स का ऐलान हो सकता है। इधर, तेजस्वी और सहनी के बीच 18 सीटों पर डील फाइनल होने की खबर है। मतलब वीआइपी 18 सीटों पर अपने कैंडिडेट्स को उतारेगी।

भोजपुरी एक्टर खेसारी लाल यादव ने कहा है कि, मेरी पत्नी का टिकट राजद से फाइनल है।

रामगढ़ पुलिस ने पिस्टल के साथ दो अपराधी पकड़े

पाण्डेय गिरोह के सदस्य बड़ी वारदात को अंजाम देने की बना रहे थे योजना

रामगढ़, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। रामगढ़ पुलिस ने पतरातू के सांकुल आम बगीचा से दो अपराधियों को एक पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। ये अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। एसपी अजय कुमार ने इसकी जानकारी दी। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

एसपी अजय कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि पतरातू थाना क्षेत्र के सांकुल स्थित आम बगीचा में संगठित अपराध से जुड़े कुछ लोग इकट्ठा होकर किसी बड़ी वारदात की साजिश रच रहे हैं। इस सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए सहायक पुलिस अधीक्षक सह-अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पतरातु गौरव गोस्वामी के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया।

टीम ने सांकुल आम बगीचा पहुंचकर सशस्त्र बल के साथ घेराबंदी कर छापेमारी की। पुलिस को देखकर कुछ लोग भागने लगे, जिनमें से दो व्यक्तियों को सशस्त्र बल की मदद से खदेड़कर पकड़ा गया। हालांकि, चार अन्य व्यक्ति रात का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे।

पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान इरफान उर्फ रेहान (पिता-ईरशाद) और राजेश साव (पिता स्व. भुनेश्वर साव), दोनों सांकुल स्टेशन रोड, पतरातू, रामगढ़ निवासी के रूप में हुई। उनकी तलाशी लेने पर 7.65 एमएम का एक लोडेड देशी पिस्टल और मैगजीन बरामद हुई। उनके खिलाफ बीएनएस और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कड़ी पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे संगठित अपराध से जुड़े पाण्डेय गिरोह के सदस्य हैं। उन्होंने खुलासा किया कि एक दिन पहले शाम को पतरातू ब्लॉक निवासी विशाल राम (स्व. जुगेश राम के बेटे) और राजेश साव के भतीजे आकाश कुमार के बीच वॉलीबॉल खेलने को लेकर झगड़ा हुआ था। इसी झगड़े का बदला लेने और पाण्डेय गिरोह का खौफ कायम रखने के लिए वे देर रात जानलेवा हमला करने की साजिश रच रहे थे।

ट्रेन की चपेट में आने से दो की मौत

धनबाद में रेलवे ट्रैक पर पार्टी करने गए थे दोनों, परिजनों को घटना की दी गई सूचना

धनबाद, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। धनबाद के कुमारघुबी ओपी क्षेत्र में बुधवार को एक हादसा हुआ।

ओवरब्रिज के पास रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों की पहचान सज्जाद अंसारी (50) और लालचंद बाउरी के 30 वर्षीय पुत्र के रूप में हुई है। दोनों कुमारघुबी बाजार नीचे पट्टी के निवासी बताए जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, दोनों व्यक्ति रेलवे लाइन के पास पार्टी करने गए थे, तभी वे ट्रेन की चपेट में आ गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लिया।

पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए धनबाद के एसएनएमएमसीएच भेज दिया है। हवलदार विवेक ने बताया कि परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मृतक लालचंद बाउरी के परिजन दुलाल बावरी ने बताया कि मृतक उसका चचेरा भाई था और वह अपने बुजुर्ग माता-पिता के साथ रहता था।

वहीं, दूसरे मृतक सज्जाद अंसारी के परिजन सद्दाम अंसारी ने पुष्टि की कि सज्जाद और एक अन्य व्यक्ति खाने-पीने के लिए रेलवे ट्रैक की ओर गए थे।

भारतीय मूल का अमेरिकी अधिकारी गिरफ्तार

चीनी अफसरों से सीक्रेट मुलाकात का आरोप 10 साल जेल और 2 करोड़ जुर्माना हो सकता है

वॉशिंगटन, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय मूल के अमेरिकी विदेश विभाग के सीनियर एडवाइजर एश्ले टेलिस को 12 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन पर देश की सुरक्षा से जुड़े गोपनीय डॉक्यूमेंट्स अपने पास रखने और चीनी अधिकारियों से सीक्रेट मुलाकात का आरोप है।

64 साल के टेलिस के वर्जीनिया वाले घर से एफबीआई को 1,000 से ज्यादा पेज के सीक्रेट दस्तावेज मिले हैं। अगर वे दोषी पाए गए तो 10 साल जेल और 2.5 लाख डॉलर (करीब 2 करोड़ रुपए) का जुर्माना हो सकता है।

टेलिस की सुनवाई वर्जीनिया कोर्ट में होगी। उन्हें जमानत मिलने की संभावना कम है, क्योंकि मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है।

वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रम्प के पहले कार्यकाल में उनकी ट्रांजिशन टीम ने टेलिस का नाम रिचर्ड वर्मा की जगह भारत के राजदूत के लिए चुना था। हालांकि उनकी नियुक्ति नहीं हो पाई और केनेथ जस्टर को यह पद मिला।

एफबीआई का कहना है कि टेलिस ने सितंबर-अक्टूबर 2025 में विदेश विभाग और रक्षा मंत्रालय से सीक्रेट कागजात निकाले। इनमें एयरफोर्स की प्लानिंग, नई तकनीकें (जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और मिलिट्री विमानों की जानकारी थी।

एफबीआई ने 12 अक्टूबर को टेलिस के वर्जीनिया वाले घर की तलाशी ली। वहां कई सीक्रेट कागजात मिले, जो ठीक तरह से नहीं रखे गए थे। टेलिस उस दिन परिवार के साथ रोम जाने वाले थे, लेकिन उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

कोर्ट में दायर हलफनामें में कहा गया है कि टेलिस 15 सितंबर 2022 को एक रेस्तरां में एक लिफाफे के साथ बाहर आए थे, लेकिन जाते वक्त वह लिफाफा उनके पास नहीं था।

मुलाकात में वे चीनी अधिकारियों के साथ ईरान-चीन और अमेरिका-पाकिस्तान के रिश्तों पर बात करते सुने गए। उन्हें चीनी अधिकारियों से गिफ्ट में एक लाल बैग भी मिला था।

टेलिस की संवेदनशील जानकारी तक पहुंच थी

टेलिस के पास 'टॉप सीक्रेट' सिक्योरिटी क्लीयरेंस था, जो उन्हें संवेदनशील जानकारी तक एक्सेस देता था। हालांकि, अभी यह साबित नहीं हुआ कि उन्होंने चीनी अधिकारियों को कोई दस्तावेज सौंपा, लेकिन मुलाकातें जासूसी की आशंका पैदा करती हैं।

वर्जीनिया के पूर्वी जिले की यूएस अटॉर्नी लिंडसे हॉलिगन ने कहा- ये आरोप अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। हम कानून का सख्ती से पालन करेंगे।

मुंबई में जन्मे एश्ले टेलिस का शुमार अमेरिका के बड़े डिफेंस एक्सपर्ट में है। वे 2001 से अमेरिकी विदेश विभाग में सलाहकार हैं। उन्होंने 2008 में हुए अमेरिका-भारत परमाणु समझौते में अहम भूमिका निभाई थी, जिसने दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत किया।

टेलिस ने पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश और वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ भी काम किया है।

ट्रम्प ने अगस्त में भारत पर 50% टैरिफ लगाया था, तब टेलिस ने मीडिया से बात की थी। उन्होंने कहा था कि ट्रम्प को लगता है कि भारत-पाकिस्तान सीजफायर का क्रेडिट उन्हें नहीं मिला है।

2001 से अमेरिकी विदेश विभाग में बिना सैलरी के एडवाइजर थे।

पेंटागन के 'ऑफिस ऑफ नेट असेसमेंट' (अब 'डिपार्टमेंट ऑफ वॉर') के लिए काम किया। यह थिंक टैंक सुरक्षा खतरों का अनुमान लगाता है। कार्नेगी नाम के थिंक टैंक में 'टाटा चेयर' पर सीनियर फेलो।

नाबालिग की अपहरण के बाद हत्या

ईंट से सिर कूंचकर नहर में फेंका, मां बोली- मेरे चचेरे भाई ने मर्डर करवाया

प्रयागराज, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में 15 साल के लड़के की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। बुधवार सुबह घर से 10 किमी दूर नहर में उसका अर्धनग्न शव मिला। सिर को ईंट से कूंचा गया था। आंख पर भी वार किया गया था। बगल में खून से सनी ईंट और सफेद टीशर्ट पड़ी थी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। फिर घरवालों को बुलाकर नाबालिग की पहचान कराई। पहचान फूलपुर थाने के बाबूगंज इलाके के कन्नौजा खुर्द गांव निवासी हसनैन आलम के रूप में हुई। हसनैन सोमवार शाम घर से सब्जी लेने के लिए निकला था। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि बाजार से उसे बाइक सवार युवक उठाकर ले गए थे। हसनैन की मां ने कहा- मेरे चचेरे भाई यानी हसनैन के रिश्ते के मामा ने रंजिश में उसकी हत्या कराई है।

कन्नौजा खुर्द गांव के रहने वाले परवेज आलम पुणे में प्राइवेट नौकरी करते हैं। गांव में उनकी बीबी आशियां बेगम 4 बच्चों के साथ रहती हैं।

समुद्र के अंदर अचानक उभर आया एक नया द्वीप

बिना इंसानों की मौजूदगी के बढ़ती जिंदगी देख वैज्ञानिक हैरान, सब होगा खत्म

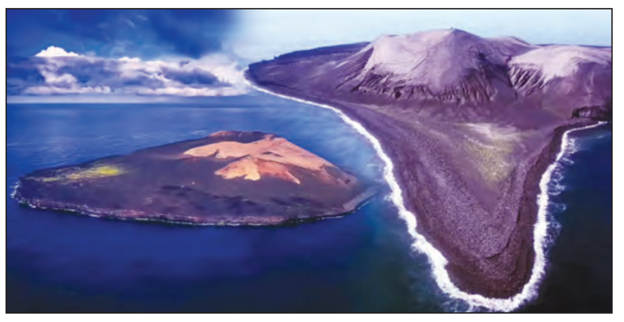

रेक्याविक, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। साल 1963। आइसलैंड के दक्षिणी तट से दूर समुद्र के अंदर फूटे ज्वालामुखी के लावा ने एक द्वीप का निर्माण किया तो यह वैज्ञानिकों के लिए हैरान करने वाली घटना थी। इस द्वीप के पानी के बीच में अचानक उभरकर सामने आने की घटना ने वैज्ञानिकों के सामने एक अभूतपूर्व मौका दिया- यह देखने का कि कैसे मानव हस्तक्षेप से अछूते एक भूभाग पर एक जीवन बसता है। यह युवा द्वीप आज वैज्ञानिकों की दिलचस्पी बना हुआ है। आइसलैंड के नेचुरल साइंस इंस्टीट्यूट की भूवैज्ञानिक ओल्गा कोलब्रून विल्मुंडॉर्टिर इस द्वीप को निर्माण को एक असाधारण घटना बताती हैं।

ओल्गा कहती हैं कि पानी के नीचे ज्वालामुखी के विस्फोट ने सुरत्से को जन्म दिया। इस क्षेत्र में हर 3000 से 5000 साल में ऐसा एक बार होता है। समुद्र में विस्फोट के बाद बनने वाला ज्यादातर ज्वालामुखी द्वीपों को समुद्र तेजी से नष्ट कर देता है या पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए पर्याप्त समय तक नहीं टिक पाए। सुरत्से ने इन बाधाओं को पार करते हुए दशकों तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और वैज्ञानिक अध्ययन के लिए एक असाधारण अवसर दिया। विस्फोट के शुरुआती दिनों में कोई यह अनुमान नहीं लगा सकता था कि आगे क्या होगा। जैसे-जैसे ज्वालामुखी द्वीप की ऊंचाई बढ़ती गई, यह पृथ्वी के उन कुछ स्थानों में से एक बन गया जहां जीवन मनुष्य के हस्तक्षेप से पूरी तरह अछूता रहकर उभर और विकसित हो सकता था। द्वीप पर जीवन का शुरुआती संकेत 1964 में दिखा, जब पहले वैज्ञानिकों ने सुरत्से पर कदम रखा। द्वीप अभी प्रारंभिक अवस्था में था, लेकिन वैज्ञानिकों ने यहां पौधों और बीजों की अवशेषों की मौजूदगी देखी, जो लहरों से किनारों पर बह आए थे। विस्फोट थमने से पहले ही पक्षी इसकी तरफ आने लगे थे। शायद यह देखने की यहां क्या हो रहा है। वैज्ञानिकों ने जब पहला पौधा देखा, तब भी विस्फोट हो रहा था।

सुरत्से के पारिस्थितिकी तंत्र में शायद सबसे आश्चर्यजनक मोड़ के रूप में पक्षियों की इस द्वीप के परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका थी। यह एक काली पीठ वाले गल थे, जिसने 1980 के दशक की शुरुआत तक द्वीप पर घोंसला बनाना शुरू कर दिया।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बम गिराए

जवाब में पेशावर पर ड्रोन अटैक, दोनों देशों में 48 घंटे का सीजफायर

काबुल/ इस्लामाबाद, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने बुधवार शाम अफगानिस्तान पर हवाई हमले किए। अफगानी मीडिया के मुताबिक पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने राजधानी काबुल और स्पिन बोल्डक में बमबारी की है। इन हमलों में दर्जनों लोगों के मारे जाने की खबर है। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने भी पाकिस्तान के पेशावर में ड्रोन हमला किया है। इस हमले में एक प्लाजा के कमरे को निशाना बनाया गया है। दावा किया जा रहा है कि इसका इस्तेमाल खुफिया गतिविधियों के लिए एक सीक्रेट ऑफिस के तौर पर किया जा रहा था। इन हमलों के बाद फिलहाल दोनों देशों ने 48 घंटे के लिए सीजफायर पर सहमति जताई है।

रॉयटर्स के मुताबिक यह सीजफायर भारतीय समयानुसार बुधवार शाम 6:30 बजे से लागू हो गया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि दोनों देश बातचीत के जरिए से मुद्दों का समाधान निकालने की कोशिश करेंगे। अफगान तालिबान के हमलों का जवाब देने के लिए हमने उनके ठिकानों पर हमला किया। अफगान तालिबान के मुख्य ठिकाने तबाह हो गए हैं।

पाक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन हमलों में कंधार प्रांत में तालिबान की चौथी बटालियन और छठी बॉर्डर ब्रिगेड पूरी तरह तबाह हो गई है।

पाकिस्तान ने सूत्रों ने दावा किया है कि पाकिस्तान के हमले में कई तालिबान चौकियों को भारी नुकसान पहुंचा और उनकी चौकियों से आग की लपटें उठती देखी गई। पाकिस्तानी पीटीवी न्यूज ने बताया, 'अफगान तालिबान और फितना अल-खवारिज ने कुर्रम में बिना वजह गोलीबारी की। पाकिस्तानी सेना ने पूरी ताकत से जवाब दिया।' दावा किया गया कि पाकिस्तान की जवाबी गोलीबारी में एक तालिबानी टैंक नष्ट हो गया, जिससे हमलावर अपनी चौकियां छोड़कर इलाके से भागने पर मजबूर हो गए। वहीं, काबुल का दावा है कि वह अपनी हवाई सीमा और संप्रभुता के उल्लंघन का जवाब दे रहा है।

अफगान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने बताया कि सुबह 8 बजे तक लड़ाई पर हमारा नियंत्रण हो गया था।

सरकारी शौचालय से कंप्यूटर बरामद 2 गिरफ्तार

पलामू, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। पलामू में नावाबाजार थाना क्षेत्र में सरकारी शौचालय से चोरी हुए कंप्यूटर और एक टेपो बरामद किए गए हैं। इस मामले में दो आरोपियों अभय कुमार राम और दीप रंजन पांडे उर्फ छोटू पांडे को गिरफ्तार किया गया है। ये उपकरण उत्क्रमित उच्च विद्यालय बसना के आईसीटी लैब से चोरी हुए थे। पुलिस ने बसना निवासी गोविंद राम की शिकायत पर टेंपो चोरी का मामला दर्ज किया था। इसके अलावा, उत्क्रमित उच्च विद्यालय बसना के प्रधानाध्यापक अशोक कुमार महतो ने स्कूल के आईसीटी लैब से उपकरण चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर इंस्पेक्टर पाण्डु अंचल के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी।

कंगाल पाकिस्तान का पासपोर्ट दुनिया में चौथा सबसे खराब

भारत के लिए भी गर्व की बात नहीं, पड़ोसियों की ताजा रैंकिंग

इस्लामाबाद, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी हांकने में दुनिया में सबसे आगे हैं लेकिन औकात उनकी सीरिया और यमन के साथ लाइन में लगे रहने की है। पाकिस्तानी पासपोर्ट को एक बार फिर दुनिया के सबसे कमजोर पासपोर्ट की लिस्ट में रखा गया है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2025 के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान का पासपोर्ट लगातार पांचवें साल चौथे सबसे खराब पासपोर्ट के रूप में दर्ज किया गया है। इस रैंकिंग में दुनिया के 199 देशों के पासपोर्ट शामिल हैं। पासपोर्ट की रैंकिंग इस आधार पर की जाती है कि उस पासपोर्ट को रखने वाले लोग कितने देशों में बिना वीजा यात्रा कर सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान का पासपोर्ट इस बार 103वें स्थान पर है, जो यमन के बराबर है। पाकिस्तान से भी ज्यादा खराब पासपोर्ट सिर्फ इराक (104), सीरिया (105) और अफगानिस्तान (106) का है। हेनले इंडेक्स के मुताबिक, पाकिस्तान और यमन के नागरिक सिर्फ 33 देशों में बिना वीजा जा सकते हैं, जबकि इराकी पासपोर्ट धारक 31 देश, सीरियाई पासपोर्ट धारक 28 देश और अफगान पासपोर्ट धारक सिर्फ 26 देशों में ही वीजा-फ्री एंट्री कर सकते हैं।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2024 में पाकिस्तान का पासपोर्ट 100वें स्थान पर था और तब इसके धारकों को 32 देशों में वीजा-फ्री यात्रा की सुविधा थी। यानी पिछले एक साल में पाकिस्तान के पासपोर्ट की रैंकिंग और खराब ही हुई है। पासपोर्ट रैंकिंग में गिरावट की वजह पाकिस्तान की बर्बाद

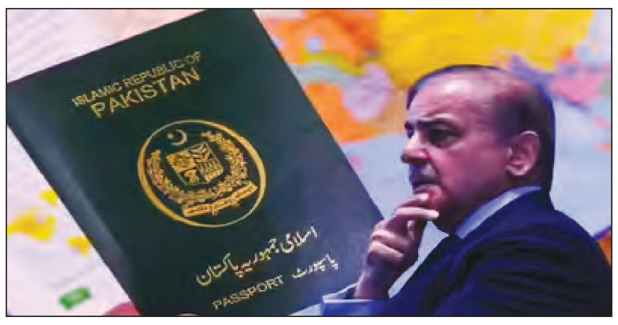

अर्थव्यवस्था, अंतर्राष्ट्रीय इमेज और ग्लोबल डिप्लोमेसी में खराब स्थिति को दिखाता है।

हेनले इंडेक्स में इस साल भी टॉप पर सिंगापुर का पासपोर्ट आया है, जिसके धारक दुनिया के 193 देशों में बिना वीजा यात्रा कर सकते हैं। इसके बाद दक्षिण कोरिया (190 देशों) और जापान (189 देशों) दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

जर्मनी, इटली, लक्समबर्ग, स्पेन और स्विट्जरलैंड संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं, जिनके नागरिकों को 188 देशों में वीजा-फ्री एंट्री मिलती है। वहीं ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, डेनमार्क, फ़िनलैंड, फ्रांस, आयरलैंड और नीदरलैंड संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर हैं, जिनके पासपोर्ट धारकों को 187 देशों में वीजा की जरूरत नहीं पड़ती।

हमास ने 8 लोगों को इजराइली जासूस बताकर मारा

आंखों पर पट्टी बांधी, सड़क पर बिठा गोली मारी, अल्लाह-हू-अकबर के नारे लगाए

तेल अवीव/ गाजा, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजा में हमास ने 8 लोगों को सड़क पर गोली मार दी। हमास ने इन लोगों को इजराइल का जासूस बताया। वायरल वीडियो में 8 लोगों को आंखों पर पट्टी बांधकर बैठाया गया और हमास के लड़ाकों ने उन्हें गोली मार दी। इस दौरान कुछ लोग अल्लाह-हू-अकबर के नारे लगाते नजर आए।

इजराइली सेना के गाजा से पीछे हटने के बाद हमास फिर से अपनी ताकत बढ़ा रहा है। उसने उन लोकल हथियारबंद गिरोह पर हमले शुरू किए हैं, जो इजराइल के कब्जे वाले इलाकों में ताकतवर हो गए थे।

आरोप है कि ये लोकल ग्रुप्स दो साल से राहत सामग्री लूटकर बेच रहे थे, जिससे गाजा में भुखमरी

बढ़ी। हमास की पुलिस अब सड़कों पर गश्त कर रही है और इन गैंग्स पर हमला कर रही है।

फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने इन हत्याओं को गलत बताया है। वहीं, फिलिस्तीन के एक्सपर्ट अब्दलहादी अलिजला ने कहा कि ये हत्याएं गलत हैं, लेकिन गाजा में कोई कोर्ट या कानून नहीं बचा है। लोग दो साल से बमबारी और हिंसा झेल रहे हैं, इसलिए ऐसी घटनाएं उनकी जिंदगी का हिस्सा बन गई हैं।

बीबीसी के मुताबिक, हमास ने हजारों सैनिकों को गाजा में भेजा है। एक्सपर्ट का कहना है कि अगर युद्धविराम रहा, तो हमास कुछ ही हफ्तों में गाजा पर पूरी तरह कब्जा कर सकता है।

इससे पहले हमास ने मंगलवार को 4 और इजराइली बंधकों के शव इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) को सौंपे। ये ताबूत हमास ने रेड क्रॉस को सौंपे थे, फिर उन्हें आईडीएफ को ट्रांसफर किया गया। इजराइल ने लौटाए गए चार मृत बंधकों में से तीन के नाम बता दिए हैं।

बंधक एवं गुमशुदा परिवार फोरम के जारी बयान के अनुसार, इनमें तामिर निमरोदी, एतान लेवी और उरीएल बारूक शामिल हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक कल हमास द्वारा लौटाया गया एक शव इजराइली बंधक का नहीं है, बल्कि यह गाजा के एक फिलिस्तीनी का है।

सीजफायर की शुरुआत के बाद से यह मृत बंधकों का दूसरा समूह था जो इजराइल लौटा। हमास से 28 बंधकों के शवों को सौंपा जाना था, लेकिन अब तक कुल 8 शवों को लाया गया है।

तालिबान को बंदूकों से नहीं हरा पाया तो पाकिस्तान ने बुलडोजर उतारा

इस्लामाबाद, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान की सीमा पर तालिबान के हाथों शिकस्त खाया पाकिस्तान अब अफगान शरणार्थियों पर कहर बरपा रहा है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने कराची स्थित अफगान बस्ती (अफगान कैंप) से हजारों अफगान नागरिकों को निकालने के बाद अब उनके घरों को गिराना शुरू किया है। पाकिस्तान का दावा है कि यह अवैध कब्जे की बढ़ती चिंताओं के बीच जमीनों को खाली करवा रहा है। हालांकि, माना जा रहा है कि यह अभियान सीमा पर तालिबान के हमलों से प्रेरित है, जिसमें पाकिस्तान को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ऐसे में पाकिस्तान अब अफगान शरणार्थियों को परेशान कर तालिबान पर दबाव बनाने की रणनीति अपना रहा है।

यूक्रेन में तबाही मचा रहा फ्रांस का 'बूढ़ा शेर' मिराज 2000 जेट

रूसी सेना के छूटे पसीने, राफेल से लैस भारत के लिए भी खुशखबरी

कीव, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूक्रेन की जंग में पश्चिमी देशों के हथियारों से लड़ रहे जेलेंस्की सेना के लिए अच्छी खबर है। फ्रांस का बूढ़ा हो चुका मिराज फाइटर जेट यूक्रेन के लिए ड्रोन विमानों के शिकारी की नई भूमिका निभा रहा है। यूक्रेन की जंग में मिराज 2000 फाइटर जेट मुख्य रूप से एयर डिफेंस की भूमिका निभा रहा है। यह रूस की ओर से आने वाले मिसाइलों और ड्रोन को मार गिराने में अहम भूमिका निभा रहा है। इस काम में फ्रांसीसी मिराज के अलावा अमेरिका का ए-10 विमान भी जमकर कमाल दिखा रहा है। ये विमान अपने शुरुआती दिनों में जमीनी हमला करने के लिए जाने जाते थे लेकिन अब बूढ़े होने के बाद ये विमान ड्रोन हंटर बन चुके हैं। मिराज की यह क्षमता भारत के लिए बहुत कारगर हो सकती है जिसके पास 50 के करीब ये फ्रांसीसी विमान हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर तुर्की और चीन के ड्रोन से हमला किया था।

मिराज फाइटर जेट को 1980 के दशक में बनाया गया था और आज भी यह स्टील्थ फाइटर जेट तथा ड्रोन वारफेयर के दौर में कारगर बना हुआ है।

वहीं ऐसी रिपोर्ट है कि फ्रांस की सेना अपने मिराज 2000 फाइटर जेट को अपग्रेड कर रही है ताकि वे नई चुनौतियों खासकर ड्रोन विरोधी अभियान के लिए प्रभावी साबित हो सकें। इसी तरह से अमेरिका की वायुसेना भी अपने ए-10सी Warthog विमान को ड्रोन के खिलाफ कारगर बना रही है। इस शानदार प्लेन को 'टैंकबस्टर' के नाम से भी जाना जाता है। यह विमान लेजर गाइडेड एयर टु ग्राउंड रॉकेट की मदद से हमला करता है।

अमेरिकी सेना इसे रिटायर करने पर विचार कर रही है लेकिन अब इसे नया ड्रोन हंटर के रूप में नया जीवन मिल सकता है। वहीं फ्रांस की वायुसेना अपने मिराज 2000 डी विमानों को अपग्रेड कर रही है ताकि उसे राफेल के साथ उड़ाया जा सके। फ्रांस का इरादा है कि इसे साल 2030 तक कम से कम ऑपरेशनल रखा जाए। मिराज के अपग्रेड विमानों में नई एमआइसीए आईआर मिसाइल लगाई गई है और पुरानी पड़ चुकी मैजिक टू मिसाइल को बदला जाएगा।

मैक्सिको में बाढ़ से पूरा गांव बहा

60 से ज्यादा लोगों की मौत, दर्जनों अभी भी लापता

मैक्सिको, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। मैक्सिको में बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही मची हुई है। बाढ़ के चलते 400 लोगों का एक पूरा गांव नक्शे से साफ हो गया है और कई इलाकों का संपर्क टूट गया है। लोग ऊंचे इलाकों पर फंसे हुए हैं और उन्हें सुरक्षित निकाला जा रहा है। सेना के हजारों जवान और नागरिक कार्यकर्ता लोगों को बचाने और सड़कों को फिर से शुरू करने के काम में जुटे हैं। मैक्सिको सरकार ने पुष्टि की है कि बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 64 लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों अभी लापता हैं। एक पीड़िता ने बताया कि 'कुछ नहीं बचा, सबकुछ तबाह हो गया। पुल,

मकान, सड़कें सबकुछ चला गया है।'

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि दूर-दराज के इलाकों में सैकड़ों से लेकर हजारों तक लोग लापता हैं और भारी तबाही की आशंका है।

मैक्सिको के पश्चिमी तट पर दो उष्णकटिबंधीय तूफानों के मिलने की वजह से मैक्सिको में भारी बारिश हुई। इससे नदियां उफान पर हैं और पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन हो रहा है। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने बताया कि सरकार की प्राथमिकता सड़कों को फिर से खोलना और हवाई ब्रिजों को सुरक्षित करना है, जिससे लोगों को राशन की आपूर्ति हो सके और उन्हें सुरक्षित बचाया जा सके।

इजरायल ने भूखा रखा, बीमार छोड़ा, मारा

कैद से रिहा हुई फिलिस्तीनियों ने सुनाई अपनी कहानी

रामल्लाह, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजा में बंदूकें थम चुकी हैं। तोपे खामोश हैं। हजारों जिंदगियां निगल जाने वाली बमबारी रुक चुकी है। सीजफायर के बाद कैद से छूटे लोग अपनों के बीच लौटे, तो हवा में आंसुओं और मुस्कानों की ठंडक तैर गई है। कोई अपने बेटे से लिपटा, कोई पति से, कोई पिता से।

ट्रंप की मदद से हुए समझौते में छूटे बंधकों और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई से दर्द दुख और उम्मीद की कहानियां सामने आईं। वेस्ट बैंक के रामल्लाह में जब बसों से फलस्तीनी कैदी उतरे तो कई के चेहरे पीले और थके दिखे, कुछ को चलने में भी मुश्किल हो रही थी।

रूस के हवाई क्षेत्र से आने वाली चीनी एयरलाइंस पर पाबंदी लगा सकता है यूएस

ड्रैगन के इस 'फायदे' से खफा

हांगकांग, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। टैरिफ वॉर के बीच अमेरिका और चीन में एक और टकराव हो गया है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में एक प्रस्ताव दिया था कि चीन की एयरलाइंस को रूस के ऊपर से होकर अमेरिका आने-जाने वाली उड़ानों पर प्रतिबंधित किया जाए। जिसके बाद अब चीन की सबसे बड़ी सरकारी एयरलाइनों ने अमेरिकी प्रस्ताव पर पलटवार किया है।

दरअसल, प्रस्ताव में अमेरिकी पक्ष ने कहा कि ऐसी उड़ानें चीनी एयरलाइनों को अमेरिकी एयरलाइनों की तुलना में अनुचित लागत लाभ देती हैं, जो रूसी हवाई क्षेत्र से होकर नहीं जा सकतीं। रूसी एयरस्पेस को लेकर अमेरिका ने कहा कि रूस के हवाई क्षेत्र से उड़ान भरने से चीनी एयरलाइंस को

उड़ान का समय कम करने और ईंधन की बचत का फायदा मिलता है। मालूम हो कि यूक्रेन पर रूस के हमले के लिए पश्चिमी प्रतिबंधों के जवाब में मास्को ने 2022 में अमेरिकी एयरलाइनों और अधिकांश यूरोपीय एयरलाइनों के लिए रूसी हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। हालांकि चीनी एयरलाइंस पर इस तरह का कोई प्रतिबंध लागू नहीं किया था। इधर, एयर चाइना, चाइना ईस्टर्न और चाइना सदर्न उन छह चीनी एयरलाइनों में शामिल है, जिन्होंने पिछले हफ्ते चीनी एयरलाइनों द्वारा ऐसी उड़ानों पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्तावित आदेश के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। चाइना ईस्टर्न ने इस हफ्ते अमेरिकी परिवहन विभाग को दी गई अपनी रिपोर्ट में कहा कि प्रस्तावित प्रतिबंध जनहित को नुकसान पहुंचाएगा और चीन और अमेरिका दोनों के यात्रियों को असुविधा पहुंचाएगा। अतिरिक्त उड़ान समय के परिणामस्वरूप लागत और हवाई किराए में वृद्धि होगी, जिससे सभी यात्रियों पर बोझ बढ़ेगा। चाइना सदर्न ने चेतावनी दी है कि रूसी हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध से हजारों यात्रियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। एयर चाइना ने कहा कि उसका अनुमान है कि अगर यह प्रतिबंध थैंक्सगिविंग और क्रिसमस के सीजन में लागू होता है, तो कम से कम 4400 यात्री प्रभावित होंगे। पिछले हफ्ते चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने भी प्रस्तावित प्रतिबंध पर पलटवार करते हुए कहा कि यह कदम दुनिया भर के यात्रियों के लिए दंडनीय होगा।

अंता उपचुनाव: वसुंधरा राजे ने कहा- सीएम और प्रदेश अध्यक्ष तय करेंगे उम्मीदवार; प्रचार करेंगी या नहीं?

बारां, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंता विधानसभा उपचुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। बीजेपी नेतृत्व जल्द ही अपने उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर सकता है। इस बीच, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने स्पष्ट किया कि उम्मीदवार का फैसला बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा करेंगे। उन्होंने कहा कि वह एक अनुशासित कार्यकर्ता के रूप में पार्टी के निर्देशों का पालन करेंगी। हाड़ौती क्षेत्र में राजे का मजबूत प्रभाव माना जाता है, जिसके चलते उनकी राय को उम्मीदवार चयन में अहम माना जा रहा है।

जयपुर में पत्रकारों से बातचीत में वसुंधरा राजे ने कहा कि टिकट का फैसला हमारे प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा करेंगे। वे जो भी तय करेंगे, जब भी तय करेंगे और जिसे भी चुनेंगे, वह बीजेपी का सर्वमान्य उम्मीदवार होगा। हम सभी उसकी

जीत के लिए एकजुट होकर काम करेंगे।

वसुन्धरा राजे ने यह भी कहा कि वह पार्टी के निर्देशों के अनुसार काम करेंगी और जहां भी उन्हें कहा जाएगा, वहां जाकर मेहनत करेंगी। सूत्रों के मुताबिक, बीचे शुक्रवार को सीएम भजनलाल शर्मा और मदन राठौड़ ने अंता उपचुनाव पर चर्चा के लिए राजे से उनके आवास पर मुलाकात की थी।

क्या है हाड़ौती का सियासी समीकरण?

अंता विधानसभा सीट झालावाड़-बारां लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है, जहां से वसुंधरा राजे के बेटे दुष्यंत सिंह सांसद हैं। हाड़ौती क्षेत्र में राजे का गहरा प्रभाव है, जिसके चलते माना जा रहा है कि बीजेपी उम्मीदवार के चयन में उनकी सहमति अहम होगी। बीजेपी के लिए यह सीट प्रतिष्ठा का सवाल बनी हुई है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी और पूर्व जिला प्रमुख नंद लाल सुमन उम्मीदवारी की दौड़ में सबसे आगे हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि जल्द ही अंता के उम्मीदवार का ऐलान होगा। कांग्रेस को खुश होने की जरूरत नहीं, हम यह चुनाव जीतेंगे।

कांग्रेस की रणनीति और त्रिकोणीय मुकाबला

दूसरी ओर, कांग्रेस ने अपने वरिष्ठ नेता और तीन बार के विधायक प्रमोद जैन भाया को मैदान में उतारा है। कांग्रेस के बागी नेता नरेश मीणा के नामांकन ने इस सीट पर मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है। नरेश मीणा स्थानीय चेहरा हैं और उन्होंने 2023 में छबड़ा विधानसभा और 2024 में देवली-उनियारा उपचुनाव में भी लड़ा था।

इधर, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि अब वो काम भी मैं करूंगा, बीजेपी का कैंडिडेट डिक्लेयर नहीं हुआ तो मैं क्या करूं? मैं तो यही कह सकता हूं हमारा कैंडिडेट दमखम के साथ मैदान में उतर चुका है, हम आज वहीं जा रहे हैं फार्म भरेंगे और रैली भी होगी, भई हमारा काम तो शुरू हो गया है।

अंता में जातिगत समीकरणों का खेल

अंता विधानसभा सीट पर जातिगत समीकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यहां अनुसूचित जनजाति के 60,000 से अधिक मतदाता हैं, जो सबसे बड़ा वोट बैंक है। इसके बाद माली सैनी समाज के करीब 45,000, मीणा समाज के 35,000 और धाकड़ समाज के 25,000 से 30,000 मतदाता हैं। इन चारों जातियों का प्रभाव इस सीट पर निर्णायक है। यदि कोई उम्मीदवार इनमें से किसी एक समुदाय का समर्थन हासिल कर लेता है, तो वह चुनावी नतीजों को अपने पक्ष में कर सकता है।

एसीबी ने एक्सईएन रामावतार मीना पर कसा शिकंजा

12 ठिकानों पर एक साथ मारा छापा

करोड़ों की संपत्ति का खुलासा

जयपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने एक बार फिर राजस्थान में बड़ी कार्रवाई की। एसीबी की टीम ने पंचायती राज विभाग के एक्सईएन रामावतार मीना के कई ठिकानों पर बुधवार को एक साथ रेड डाली। प्रदेशभर में कई जगह एसीबी की टीम सुबह से ही सर्च में जुटी हुई है। अधिकारियों के मुताबिक आय से अधिक संपत्ति मामले में रामअवतार मीणा के ठिकानों पर एसीबी की रेड जारी है। अब तक एसीबी को 2.77 करोड़ से अधिक की सम्पत्ति मिली हैं, जो आरोपी की आय से 115 प्रतिशत अधिक हैं। बता दें कि गुप्त सूचना मिलने पर एसीबी ने कोर्ट से परमिशन के बाद एक्सईएन रामावतार मीना के ठिकानों सर्च शुरू किया है।

3 जिलों में एसीबी टीम कर रही सर्च

इंदिरा गांधी पंचायती राज विकास संस्थान में अधिशाषी अभियंता रामावतार मीणा अभी एसोसिएट प्रोफसर भी है। उनके खिलाफ एसीबी को आय से अधिक सम्पत्ति होने की शिकायत मिली थी। इस पर एसीबी की टीमों ने एक साथ तीन जिलों में रामावतार मीणा के 12 ठिकानों पर रेड डाली।

सवाईमाधोपुर जिले के गंगापुर सिटी में स्थित मीणा के ठिकानों पर एसीबी सर्च कर रही है। एसीबी एएसपी ज्ञान सिंह के नेतृत्व में टीम ने कर्मचारी कॉलोनी स्थित मकान में सर्च किया। यहां मकान में रहते किराएदार हैं। करौली रोड स्थित एक रिसॉर्ट पर भी एसीबी की टीम सर्च कर रही है।

रामावतार मीना के पास करोड़ों की जमीन

एक्सईएन रामावतार मीना ने कई जगह करोड़ों रुपए के मकान और जमीन खरीद रखी है। जयपुर के इंदिरा गांधी नगर में 6 बड़े भूखंड व व मकान, जगतपुरा के रोहिणी नगर टीलावाला में करोड़ों की जमीन, जयपुर के कोटखावदा भूखंड, गंगापुर सिटी में प्लॉट और करौली जिले के खिरखिड़ा गांव में आलीशान फार्म हाउस मिला है।

जैसलमेर बस अग्निकांड के बाद 2 अफसर सस्पेंड

मौत का आंकड़ा बढ़ा, 4 मरीज अब भी वेंटिलेटर पर

जोधपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। रराजस्थान में स्लीपर बस अग्निकांड में बुधवार को सरकार ने एक्शन लिया। हादसे का शिकार हुई बस की बॉडी को चित्तौड़गढ़ में परिवहन विभाग ने अप्रूव किया था। बस बॉडी को अप्रूव करने वाले चित्तौड़गढ़ के कार्यवाहक डीटीओ सुरेंद्र सिंह और सहायक प्रशासनिक अधिकारी चुन्नी लाल को सस्पेंड कर दिया। इधर, मंगलवार देर रात पहली केस दर्ज हुई। हादसे का शिकार हुए पत्रकार राजेंद्र चौहान के भाई ने बस मालिक और ड्राइवर के खिलाफ जैसलमेर के सदर थाने में केस दर्ज कराया। इधर अग्निकांड में मृतकों की संख्या 21 हो गई है। हादसे में झुलसे 10 साल के यूनुस ने बुधवार सुबह इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। महात्मा गांधी हॉस्पिटल के

अनुसार 4 मरीज वेंटिलेटर पर हैं।

जैसलमेर से जोधपुर जा रही प्राइवेट एसी स्लीपर बस में मंगलवार दोपहर 3.30 बजे आग लग गई थी। 20 लोगों की मौत मंगलवार को हो गई थी। एक बच्चे ने बुधवार को इलाज के दौरान जोधपुर में दम तोड़ दिया।

शवों की पहचान के लिए डीएनए सैंपल लिए जा रहे

हादसे में मारे गए लोगों के शवों की पहचान के लिए जोधपुर और जैसलमेर के हॉस्पिटल में डीएनए सैंपल लिए जा रहे है। सैंपल कलेक्शन के प्रोसेस में देरी को लेकर लोगों ने नाराजगी जताई है। इस पर हॉस्पिटल अधीक्षक ने कहा कि वैरिफिकेशन में थोड़ा समय लगता है, ताकि कोई गलती न हो। अधिकतम 24 घंटे में शवों की पहचान की प्रोसेस पूरी हो जाएगी।

स्लीपर बस में आग लगने के कारणों को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। सबसे पहले बस में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की बात सामने आई थी। इसके बाद एसी का कम्प्रेशर पाइप फटने से आग लगने का दावा था। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि बस की डिग्गी पटाखों से भरी थी, इस कारण आग भड़की।

मृतकों को 2 लाख, घायलों को 50 हजार की मददः जैसलमेर बस हादसे में प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिवार को 2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार की आर्थिक सहायता की घोषणा की है। पीएम नरेंद्र मोदी ने X पर पोस्ट की है, जिसमें लिखा- राजस्थान के जैसलमेर में हुई दुर्घटना से हुई जान-माल की हानि से मन व्यथित है। कुछ लोग खाक हो गएः गजेंद्र सिंह खींवसर ने बताया- पीछे से धमाके की आवाज आई। हमें लग रहा है एसी का कंप्रेशर फट गया। गैस और डीजल के साथ मिलकर बहुत भीषण आग लगी। एक ही दरवाजा था। इसलिए लोग फंस गए। आगे की सीट वाले निकल गए। बस से जो बॉडी निकाली जा सकीं, आर्मी ने निकाल लीं। जो बिल्कुल ही खाक हो गए, उनका कहा नहीं जा सकता।

अजमेर दरगाह-संकट मोचन महादेव विवाद में नया मोड़

कोर्ट में एक और अर्जी दाखिल; क्या है नई डिमांड

अजमेर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर जिले में ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की प्रसिद्ध दरगाह और संकट मोचन महादेव मंदिर को लेकर चल रहा विवाद एक बार फिर चर्चा में है। अजमेर की सिविल पश्चिम कोर्ट संख्या प्रथम में हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने एक नई अर्जी दायर की है। इस अर्जी में उन्होंने दरगाह के उस क्षेत्र को तुरंत सील करने और वहां सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की है, जहां संकट मोचन महादेव मंदिर होने का दावा किया गया है। विष्णु गुप्ता का कहना है कि इस क्षेत्र में हो रही गतिविधियों से महत्वपूर्ण साक्ष्य नष्ट होने का खतरा है, जो मामले की निष्पक्ष जांच को प्रभावित कर सकता है। इस अर्जी ने मामले को और संवेदनशील बना दिया है, जिसकी अगली सुनवाई 17 अक्टूबर 2025 को होगी।

अर्जी में क्या है मांग?

विष्णु गुप्ता ने अपनी अर्जी में कोर्ट से मांग की है कि दरगाह के उस हिस्से को सील किया जाए, जहां भगवान शिव का चित्र दीवार पर अंकित है और शिवलिंग सहित अन्य साक्ष्य मौजूद होने का दावा किया गया है। इसके साथ ही, उन्होंने इस

क्षेत्र की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने की भी मांग की है। गुप्ता का कहना है कि यह कदम इसलिए जरूरी है ताकि विवादित स्थल पर किसी भी तरह की छेड़छाड़ या साक्ष्यों को नष्ट करने की कोशिश को रोका जा सके। उन्होंने दरगाह कमेटी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कमेटी निर्माण और मरम्मत के नाम पर साक्ष्य मिटाने की कोशिश कर रही है।

क्या है पूरा विवाद?

बता दें, यह विवाद सितंबर 2024 में तब शुरू हुआ, जब विष्णु गुप्ता ने अजमेर की सिविल कोर्ट पश्चिम में एक याचिका दायर कर दावा किया कि अजमेर दरगाह के परिसर में संकट मोचन महादेव मंदिर मौजूद है। इस याचिका में दरगाह कमेटी ख्वाजा गरीब नवाज, केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलात मंत्रालय और एएसआई को पक्षकार बनाया गया था। याचिका में दावा किया गया कि दरगाह के निचले हिस्से में शिवलिंग और भगवान शिव का चित्र मौजूद है, जो मंदिर के अस्तित्व का प्रमाण है। इस मामले में एक दर्जन से अधिक संगठनों और व्यक्तियों ने कोर्ट में धारा 1/10 के तहत पक्षकार बनने के लिए अर्जियां दायर की थीं। यह मामला वर्तमान में कोर्ट में विचाराधीन है।

दरगाह कमेटी पर गंभीर आरोप

विष्णु गुप्ता ने अपनी ताजा अर्जी में दरगाह कमेटी पर साक्ष्य नष्ट करने का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कमेटी द्वारा विवादित क्षेत्र में निर्माण कार्य और मरम्मत के नाम पर ऐतिहासिक साक्ष्यों को मिटाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है, ताकि निष्पक्ष जांच सुनिश्चित हो सके। गुप्ता ने चेतावनी दी कि यदि क्षेत्र को जल्द सील नहीं किया गया, तो साक्ष्य नष्ट होने से केस जटिल हो सकता है।

पट्टों के बदले रिश्वत मामले में मुनेष गुर्जर पर आरोप सही, अब शुरू होगी बर्खास्तगी की प्रक्रिया

जयपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। नगर निगम जयपुर हैरिटेज की निलम्बित महापौर मुनेष गुर्जर के खिलाफ पट्टे जारी करने में भ्रष्टाचार के आरोपों को न्यायिक जांच में सही पाया गया है। जांच रिपोर्ट स्थानीय निकाय विभाग को सौंप दी गई है। अब मुनेष गुर्जर की बर्खास्तगी व चुनाव लड़ने पर 6 साल के लिए पाबंदी की प्रक्रिया शुरू होगी। इस कार्रवाई पर पक्ष जानने के लिए स्थानीय निकाय विभाग की ओर से गुर्जर को जल्द ही नोटिस जारी किया जाएगा।

राज्य सरकार की ओर से मुनेष गुर्जर पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की न्यायिक जांच कराई गई। यह जांच विधि विभाग में कार्यरत जिला न्यायाधीश कैडर के अधिकारी सुरेंद्र पुरोहित को सौंपी

गई। हाईकोर्ट ने जुलाई में तीन माह में जांच पूरी करने का निर्देश दिया था। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता विष्णु दयाल शर्मा ने बताया कि मुनेष गुर्जर पर अगस्त 2023 में उसके घर से भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को 41.85 लाख रुपए मिलने, पट्टे जारी करने में भेदभाव और पट्टे जारी करने के लिए पैसे लेने के आरोप थे, जिनको लेकर 12 गवाह पेश किए गए।

उधर, मुनेष गुर्जर की ओर से आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया गया। न्यायिक अधिकारी ने दोनों पक्ष सुनने के बाद मुनेष गुर्जर पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों को सही माना। दो अन्य लोग भी पकडे गए उनके निवास से 41.85 लाख रुपए से अधिक राशि बरामद होने के साथ ही इस मामले में पकड़े गए अनिल दुबे एवं नारायण सिंह की निशानदेही पर 9 फाइल बरामद की गई।

अब यह होगा

बर्खास्तगी व 6 साल तक चुनाव लड़ने से अयोग्य करार देने के लिए स्थानीय निकाय विभाग मुनेष गुर्जर को नोटिस जारी करेगा, जवाब आने पर आगे की कार्रवाई होगी।

गैंगस्टर्स को सोशल मीडिया पर किया लाइक तो जाएंगे हवालात

जयपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) विदेशों में सक्रिय गैंगस्टर्स के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। अमरीका में गैंगस्टर अमित शर्मा की गिरफ्तारी, अब तक की चौथी बड़ी कार्रवाई है। इससे पहले इटली और दुबई में तीन बदमाशों को गिरफ्तार करवाया जा चुका है। एडीजी दिनेश एम.एन. ने बताया कि पिछले वर्ष एजीटीएफ ने इटली में अमृतजीत बिश्नोई और उसकी साथी सुधा कंवर को गिरफ्तार करवाया था, जो वर्तमान में वहीं की जेल में बंद हैं। इन दोनों को भारत लाने के लिए बातचीत जारी है। इसके बाद दुबई से लॉरेंस गैंग के आदित्य जैन उर्फ टोनी को पकड़ा गया, जो व्यापारियों को डिब्बा कॉल के जरिए धमकाता था।

सोशल मीडिया पर लाइक करने वाले भी होंगे गिरफ्तार

एजीटीएफ अब रोहित गोदारा, गोल्डी बराड़, हरीश उर्फ हैरी बॉक्सर और वीरेन्द्र चारण की लोकेशन और नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। एडीजी ने कहा कि, गैंग को किसी भी प्रकार से मदद करने वालों को भी गिरफ्तार किया जाएगा। सोशल मीडिया पर बदमाशों की पोस्ट को लाइक करने वालों के खिलाफ भी अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अमरीका में गैंगस्टर अमित शर्मा की पहचान और गिरफ्तारी में एएसपी सिद्धांत शर्मा, नरोत्तम वर्मा, निरीक्षक रविन्द्र प्रताप, सुनील जांगिड़, मनीष शर्मा, कमलपुरी, हेड कांस्टेबल रमेश कुमार, कांस्टेबल सुभाषचंद और सुरेन्द्र कुमार की अहम भूमिका रही। एजीटीएफ श्रीगंगानगर व प्रदेश के अन्य जिलों में गैंगस्टर अमित शर्मा के नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है।

लो-फ्लोर बस में लगी आग : सवारियों के बताने पर भी ड्राइवर ने नहीं रोकी बस; ट्रांसपोर्ट नगर से द्वारिकापुरी जा रही थी

जयपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में आज दोपहर सवारियों से भरी लो-फ्लोर बस में आग लग गई। बस से धुआं और आग की लपटें उठते ही सवारियों ने बस रोकने को कहा। इसके बाद भी ड्राइवर नहीं माना। सवारियों के चिल्लाने पर बस को रोका। इसके बाद सवारियां उतरी। हादसा टोंक फाटक पुलिया का है। बता दें कि शहर में परिवहन की सुविधा उपलब्ध करवाने वाली जेसीटीएसएल की लो-फ्लोर में आग से इनकी मेंटनेंस पर सवाल उठ गया है। लो-फ्लोर बस के ब्रेक डाउन का ये पहला मामला नहीं है।

लो-फ्लोर बस ट्रांसपोर्ट नगर से द्वारिकापुरी जा रही थी। टोंक फाटक पुलिया पर पहुंचते ही बस से धुआं निकलना शुरू हो गया। धीरे-धीरे धुएं से पूरी बस ढक गई। बस में बैठी सवारियां डर गई। आग की चिंगारी देखकर तो अफरा-तफरी मच गई। सवारियों ने बस को रुकवाया और नीचे उतरकर अपनी जान बचाई।

बस में सवार लोगों ने बताया- धुआं उठते ही ड्राइवर को बताया। इसके बाद भी वे नहीं माने। सवारियां गेट पर इक्ट्ठा हो गई तब जाकर बस को रोका। इसके बाद सभी ने नीचे उतरकर जान बचाई। सवारियों ने बताया कि अचानक धुआं उठते ही डर लगने लगा था।

पुलिया पर बस को धुएं से घिरा देखकर लोग डर गए। ट्रैफिक पुलिस भी मौके पर पहुंची और पीछे से आ रहे वाहन चालकों को रोका। इससे लंबा जाम लग गया।

बताया जा रहा है कि बस में कूलेंट के पास शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी और धुआं उठने लगा। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में मिली बेटी

गुस्साई मां ने कुल्हाड़ी से काट दिए दोनों पैर, मौत

सवाई माधोपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। ताजपुर में हुई महिला की हत्या का कोतवाली थाना पुलिस ने मात्र तीन दिन में पर्दाफाश कर दिया है। चौंकाने वाली बात यह रही कि महिला की हत्या उसकी ही मां ने की थी। पुलिस ने आरोपी मां विनोद कंवर पत्नी स्वर्गीय बृजेन्द्र सिंह तथा पड़ोसी रामकेश उर्फ रामू कुमावत पुत्र रामचरण निवासी ताजपुर को गिरफ्तार कर लिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश राजोरा ने बताया कि ताजपुर में टोंक जिले के निवाई थाना क्षेत्र के बीदौली निवासी महिला विजयलक्ष्मी पत्नी कल्याण की हत्या हो गई थी।

प्रारंभ में न तो हत्या का कारण स्पष्ट हो पाया था और न ही किसी आरोपी का सुराग मिल रहा था। पुलिस ने संदेह के आधार पर कुछ लोगों को बुलाकर पूछताछ की, जिसमें चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। कड़ी पूछताछ के बाद आरोपियों ने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी मां विनोद कंवर से कई बार पूछताछ की, लेकिन वह हर बार पुलिस को गुमराह करती रही। पोस्टमार्टम के दौरान भी वह वहीं मौजूद रही और परिजनों से प्रॉपर्टी विवाद का हवाला देती रही। उसने यह भी बताया कि रात को बेटी को तलाशने के बाद भी वह नहीं मिली। वह बार-बार काडू कुमावत पर शक जताती रही।

सेशन कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, हाई अलर्ट पर प्रशासन

जयपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब सेशन कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी एक ईमेल के जरिए प्राप्त हुई, जिसमें दोपहर 3 बजे डेटोनेटर के माध्यम से विस्फोट करने की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही जयपुर पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर आ गईं।

कोर्ट परिसर को तुरंत खाली करवाकर व्यापक सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। इस घटना के बाद शहर में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। धमकी की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट परिसर की ओर जाने वाले सभी रास्तों को सील कर दिया गया। मौके पर बम निरोधक दस्ता, आतंकवाद निरोधक दस्ता, सिविल डिफेंस, दमकल विभाग और अन्य आपातकालीन टीमें तैनात की गई हैं। ये टीमें कोर्ट परिसर के हर कोने की गहन तलाशी ले रही हैं। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

पुलिस की साइबर सेल ने धमकी भरे ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। विशेषज्ञ उस आईपी एड्रेस को ट्रैक करने में जुटे हैं, जिससे यह मेल भेजा गया।

जयपुर सेशन कोर्ट में रोजाना वकीलों, कर्मचारियों और मुकदमों के लिए आने वाले लोगों की भारी भीड़ रहती है। धमकी की खबर फैलते ही परिसर में दहशत का माहौल बन गया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने जनता से शांति बनाए रखने और सहयोग करने की अपील की है।

एसीबी का बड़ा एक्शन, मिठाई के डिब्बे में रिश्वत लेता पटवारी गिरफ्तार

कोटा, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए कोटा जिले के खातौली नायब तहसील कार्यालय में पदस्थ पटवारी प्रधान चौधरी को 45 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह रिश्वत सीमाज्ञान के बदले मांगी गई थी।

एसीबी की स्पेशल टीम के एएसपी मुकुल शर्मा के नेतृत्व में ट्रैप ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। शिकायतकर्ता से पटवारी ने कुल 50 हजार रुपए की मांग की थी, जिसमें से वह पहले ही 5 हजार रुपए ले चुका था। शेष 45 हजार रुपए मिठाई के डिब्बे में रखकर दिए जा रहे थे तभी एसीबी की टीम ने मौके पर दबिश देकर पटवारी को पकड़ लिया।

एसीबी के मुताबिक यह पूरा लेन-देन खातौली नायब तहसील कार्यालय के भीतर ही हुआ। खास बात यह रही कि रिश्वत जैसे गंभीर अपराध को सरकारी कार्यालय में अंजाम दिया जा रहा था। ऐसे में नायब तहसीलदार और पिपल्दा तहसील के अन्य अधिकारियों की भूमिका भी संदेह के दायरे में आ गई है।

जांच में अन्य अधिकारी भी आ सकते हैं घेरे में

एसीबी की टीम ने आरोपी पटवारी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की पूछताछ के लिए उसे थाने ले जाया गया है। साथ ही अन्य संबंधित अधिकारियों से भी पूछताछ की तैयारी की जा रही है।

विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता को सिर कलम करने की धमकी, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

जयपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता अमितोष पारीक को जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार पारीक को एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर धमकी दी, साथ ही सोशल मीडिया पर भी धमकी भरे संदेश भी भेजे गए।

धमकी भरे संदेशों में उनका सिर कलम करने की बात कही गई है। इसके बाद पारीक ने गांधी नगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि धमकी देने वाले फोन नंबर और सोशल मीडिया अकाउंट की लोकेशन ट्रेस करने का काम जारी है।

अधिकारियों के मुताबिक तकनीकी टीम साइबर माध्यम से उस शख्स की पहचान करने में जुटी है, जिसने ऐसी धमकी दी थी। पुलिस ने कहा कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

दक्षिण मध्य रेलवे

संख्याःएनडब्ल्यू/148/VIII/निविदा सूचना/2025-26, दि.13-10-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, को-आर्ड., नांदेड द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं (आनलाइन) आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः 1, निविदा संख्याः टी-202526-2-076, प्राधिकरणः को-आर्ड, निविदा मूल्य रु. 44565517.24, अग्रधनः रु.3,72,800.00, पूरा करने की अवधिः बारह महिने, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू-I-एमयुइ-पीएमकेटी सेक्शन में एचइएम-एसएचएसके स्टेशनों के बीच एलसी नं. 10 @किमी 65/1-2 के एवज में निर्मित आरयुबी नं.64-बी पर ड्रैनेज व्यवस्था कार्यों का प्रावधान। एसडब्ल्यू-II-एमयुइ-पीएमकेटी सेक्शन में एडीबी-पीएमकेटी स्टेशनों के बीच एलसी नं. 31 @किमी 162/9-0 के एवज में निर्मित आरयुबी नं.202-बी पर ड्रैनेज व्यवस्था कार्यों का प्रावधान। निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य।

क्रम संख्याः 2, निविदा संख्याः टी-202526-2-077, प्राधिकरणः को-आर्ड, निविदा मूल्य रु. 8735699.30, अग्रधनः रु.174700.00, पूरा करने की अवधिः बारह महिने, कार्य विवरणः जीम & रिक्रिएशन हाल आदि सहित एमयुइ (10 बेड) पर प्रस्तावित फिमेल या महिलाओं हेतु आरपीएफ बैरक कार्य। निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य।

क्रम संख्याः 3, निविदा संख्याः टी-202526-2-078, प्राधिकरणः को-आर्ड, निविदा मूल्य रु. 97921749.47, अग्रधनः रु.639600.00, पूरा करने की अवधिः चौबीस महिने, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः मुदखेड-पीम्पलकुट्टी सेक्शनः रेलवे डिपे भोकर (बीओकेआर) पर या नामित स्थान पर ताजा सुधार पर्चियों सहित आरडीएसओ विनिर्देशनानुसार (आयआरएस-जीइ-1) के अनुरूप मशीन से कुचला हुवा ट्रैक बल्लास्ट की स्टैकिंग (50एमएम) एवं मैन्युफैक्चरिंग, आपूर्ति करना तथा भोकर (बिओकेआर) बल्लास्ट डिपो एवम् रेलवे बल्लास्ट की लोडिंग, यार्ड पर एकत्रित किये गये/किसी भी प्रकार के ओपन वैगान, मेकानिकल लोडर का उपयोग करते हुए या सभी लीड & लिफ्ट्स या अन्य कोई पध्दति, कार्य पूरा करने की अवधि 24 (चौबीस महिने) जिसमें समायोजन या मोबीलाइजेशन अवधि (3) तीन महिनों सहित के लिए, एडीइएन/एनइडी क्षेत्राधिकार के तहत इंजीनियर इन-चार्ज के निर्देशानुसार तत्संबंधित कार्य। निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य।

क्रम संख्याः 4, निविदा संख्याः टी-202526-2-079, प्राधिकरणः को-आर्ड, निविदा मूल्य रु. 24105600.00, अग्रधनः रु.270500.00, पूरा करने की अवधिः नौ महिने, कार्य विवरणः एडीइएन/एडब्ल्यूबी क्षेत्राधिकार के तहत सीस की मरम्मत/चौडीकरण कार्य। निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य।

क्रम संख्याः 5, निविदा संख्याः टी-202526-2-080, प्राधिकरणः को-आर्ड, निविदा मूल्य रु. 16572600.00, अग्रधनः रु.232900.00, पूरा करने की अवधिः नौ महिने, कार्य विवरणः एडीइएन/एजेएसएस क्षेत्राधिकार के तहत सीस मरम्मत या रिपेयर्स/चौडीकरण कार्य। निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य।

क्रम संख्याः 6, निविदा संख्याः टी-202526-2-081, प्राधिकरणः को-आर्ड, निविदा मूल्य रु. 24708240.00, अग्रधनः रु.273600.00, पूरा करने की अवधिः नौ महिने, कार्य विवरणः एडीइएन/पीएयुज क्षेत्राधिकार के तहत सीस की मरम्मत या रिपेयर्स/चौडीकरण कार्य। निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य।

क्रम संख्याः1, निविदा संख्याः टी-202526-2-076, टी-202526-3-079, टी-202526-3-80 & टी-202526-3-81, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु. 50 लाख मूल्य से अधिक)- झोनल कार्यों को छोडकर कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

क्रम संख्याः2, निविदा संख्याः टी-202526-2-077 , तत्समान स्वभाव का कार्य (रु. 50 लाख मूल्य से अधिक)- कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यों/झोनल कार्यों को छोडकर)।

क्रम संख्याः3, निविदा संख्याः टी-202526-2-078, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु. 50 लाख मूल्य से अधिक)- झोनल रखरखाव कार्य रहित, कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य, अधोलिखित समाविष्ट कार्य जैसेः

I)मशीन से कुचला हुवा ग्रेडेड स्टोन एग्रीगेट्स या रेलवे ट्रैक बल्लास्ट की आपूर्ति।

II)फ्लेक्सीबुल या लचीली अथवा कठोर पक्की सडक (रिजीड पेवमेंट) सहित सडक का निर्माण या ग्रेन्युएल सब-बेस (जीएसबी) को बिछाना।

उपरोक्त निविदा दि.10-11-2025 के 15.00 बजे बंद होगी। अधिक जानकारी हेतु हमारा वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

सीनि.डीइएन/को-आर्ड./नांदेड

खुली ई-निविदा सूचना संख्याः डीआरएम/वर्क्स/एससी/128-138/2025/ओटी, दि.10-10-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.14-11-2025 के 14.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः1, ई-टेंडर नं.128_डब्ल्यू_एससी_25_ओटी, कार्य विवरणःएससी-डब्ल्यूडी सेक्शनः यार्ड परिवर्तन या माडिफिकेशन (एमक्यूआऱ यार्ड पर कामन यूजर सुविधा) (डिपाजिट वर्क) सहित मलखिड रोड स्टेशन (रवाना होना) से राजश्री सीमेंट कार्यों के आरसी-I,II,III की प्रस्तावित वृद्धि या अगमेंटेशन कार्य। अनुमानित मूल्य रू.9,13,98,251.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.6,07,000.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधिः 36 महिने, मानक पात्रता मानदंड के प्रति तत्समान समझे जानेवाले कार्यः ए-1-भूमि कार्य या एर्थवर्क या वर्क इन फार्मेशन या किसी भी प्रकार के पुलों के निष्पादन के कार्य से जुडे कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

क्रम संख्याः2, ई-टेंडर नं.129_एन_एससी_25_ओटी, कार्य विवरणः बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/एमसीआय, पीडीपीएल & एन/केजेडआय-एडीइएन/आरडीएम सब-डिवीजन के तहत विभिन्न यार्डों पर सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार व उन्नयन कार्यों सहित तत्संबंधित नालियों या ड्रैन्स, रास्ते या पाथवेज का प्रावधान, अंतहीन रास्ते या डेड एन्ड्स का मानकीकरण/ मिट्टी की सफाई या मक आदि को हटाने का कार्य। (दो पैकेट प्रणाली), अनुमानित मूल्य रू.12,15,01,019.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.%,57,500.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधिः 36 महिने, मानक पात्रता मानदंड के प्रति तत्समान समझे जानेवाले कार्यः सी-2- कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यों/झोनल कार्यों को छोडकर)।

क्रम संख्याः3, ई-टेंडर नं.130_एन_एससी_25_ओटी, कार्य विवरणः बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/एमएजीएच, एसकेजेडआर & बीपीए-- एडीइएन/बीपीए सब-डिवीजन के तहत विभिन्न यार्डों पर सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार व उन्नयन कार्यों सहित तत्संबंधित ड्रैन्स, पाथवेज का प्रावधान, डेड एन्ड्स (अंतहीन रास्ते) का मानकीकरण/मिट्टी की सफाई या हटाना आदि कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रू.6,85,14,563.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.4,92,600.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधिः 36 महिने, मानक पात्रता मानदंड के प्रति तत्समान समझे जानेवाले कार्यः सी-2- कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यों/झोनल कार्यों को छोडकर)।

क्रम संख्याः4, ई-टेंडर नं.131_एन_एससी_25_ओटी, कार्य विवरणः बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/एमसीआय, पीडीपीएल&एनकेजेडजे -- एडीइएन/आरडीएम सब-डिवीजन के तहत विभिन्न यार्डों पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार व उन्नयन कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रू.7,64,77,045.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.5,32,400.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन), मानक पात्रता मानदंड के प्रति तत्समान समझे जानेवाले कार्यः एफ-1- ट्रैक रखरखाव को मिलाकर, कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

क्रम संख्याः5, ई-टेंडर नं.132_एन_एससी_25_ओटी, कार्य विवरणः बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/एमएजीएच, एसकेजेडआर&बीपीए -- एडीइएन/बीपीए सब-डिवीजन के तहत विभिन्न यार्डों पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार व उन्नयन कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रू.6,16,44,840.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.4,58,300.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन), मानक पात्रता मानदंड के प्रति तत्समान समझे जानेवाले कार्यः एफ-1- ट्रैक रखरखाव कार्य को मिलाकर, कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

क्रम संख्याः6, ई-टेंडर नं.133_एनडब्ल्यू_एससी_25_ओटी, कार्य विवरणः वीकेबी-पीआरएलआय सेक्शनः -- एडीइएन/बीआयडीआर सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/पी.वे/बीआयडीआर सेक्शन में, जेडबी-बीएचएलके स्टेशनों के बीच एसएल लाइन पर किमी 64 से 129 तक प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक कार्य तथा छिटपुट ट्रैक कार्य(सुरक्षा संबंधित ट्रैक कार्यों के अतिरिक्त)। अनुमानित निविदा मूल्य रू.1,38,52,996.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,19,300.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन), मानक पात्रता मानदंड के प्रति तत्समान समझे जानेवाले कार्यः एफ-1- ट्रैक रखरखाव कार्य को मिलाकर, कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

क्रम संख्याः7, ई-टेंडर नं.134_एनडब्ल्यू_एससी_25_ओटी, कार्य विवरणः बीआयडीआर -जीआर सेक्शनः -- एडीइएन/बीआयडीआर सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/पी.वे/एचएमबीडी सेक्शन में, केएचएनपी-टीजेएसपी स्टेशनों के बीच एसएल लाइन पर किमी 0.00 से 97.70 तक प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक कार्य तथा छिटपुट ट्रैक कार्य(सुरक्षा संबंधित कार्यों के अतिरिक्त)। अनुमानित निविदा मूल्य रू.1,16,29,930.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,08,200.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन), मानक पात्रता मानदंड के प्रति तत्समान समझे जानेवाले कार्यः एफ-1- ट्रैक रखरखाव कार्य को मिलाकर, कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

क्रम संख्याः8, ई-टेंडर नं.135_एनडब्ल्यू_एससी_25_ओटी, कार्य विवरणः वीकेबी -पीआरएलआय सेक्शनः -- एडीइएन/बीआयडीआर सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/पी.वे/युडीजीआर सेक्शन में, वीकेबी-पीआरएलआय स्टेशनों के बीच एसएल लाइन पर किमी 129 से 200 तक प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक कार्य तथा छिटपुट ट्रैक कार्य(सुरक्षा संबंधित कार्यों के अतिरिक्त)। अनुमानित निविदा मूल्य रू.1,13,85,840.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,07,000.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन), मानक पात्रता मानदंड के प्रति तत्समान समझे जानेवाले कार्यः एफ-1- ट्रैक रखरखाव कार्य को मिलाकर, कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

क्रम संख्याः9, ई-टेंडर नं.136_एनडब्ल्यू_एससी_25_ओटी, कार्य विवरणः वीकेबी -पीआरएलआय सेक्शनः -- एडीइएन/बीआयडीआर सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/पी.वे/पीआरएलआय सेक्शन में, एलटीआरआऱ-पीआरएलआय स्टेशनों के बीच एसएल लाइन पर किमी 200.920 से 269.200 तक प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक कार्य तथा छिटपुट ट्रैक कार्य(सुरक्षा संबंधित कार्यों के अतिरिक्त)। अनुमानित निविदा मूल्य रू.1,34,39,165.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,17,200.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन), मानक पात्रता मानदंड के प्रति तत्समान समझे जानेवाले कार्यः एफ-1- ट्रैक रखरखाव कार्य को मिलाकर, कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

क्रम संख्याः10, ई-टेंडर नं.137_एनडब्ल्यू_एससी_25_ओटी, कार्य विवरणः पीडीपीएल-एनजेडबी सेक्शनः -- एडीइएन/केआरएमआर सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/पी.वे/केआरएमआर सेक्शन में, पीडीपीएल-एलपीजेएल स्टेशनों के बीच एसएल लाइन पर किमी 0 से 83 तक प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक कार्य तथा छिटपुट ट्रैक कार्य(सुरक्षा संबंधित कार्यों के अतिरिक्त)। अनुमानित निविदा मूल्य रू.1,36,53,244.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,18,300.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन), मानक पात्रता मानदंड के प्रति तत्समान समझे जानेवाले कार्यः एफ-1- ट्रैक रखरखाव कार्य को मिलाकर, कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

क्रम संख्याः11, ई-टेंडर नं.138_एनडब्ल्यू_एससी_25_ओटी, कार्य विवरणः पीडीपीएल-एनजेडबी सेक्शनः -- एडीइएन/केआरएमआर सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/पी.वे/एआरएमयु सेक्शन में, एलपीजेएल--एनजेडबी स्टेशनों के बीच एसएल लाइन पर किमी 83 से 178 तक प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक कार्य तथा छिटपुट ट्रैक कार्य(सुरक्षा संबंधित कार्यों के अतिरिक्त)। अनुमानित निविदा मूल्य रू.1,37,05,986.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,18,600.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन), मानक पात्रता मानदंड के प्रति तत्समान समझे जानेवाले कार्यः एफ-1- ट्रैक रखरखाव कार्य को मिलाकर, कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

निविदाकार, तत्संबंधित में केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से ही भाग ले सकते हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा।

आईआरपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा नियम शर्ते /अन्य विवरण उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा इसके किसी भी परिवर्तनों को, यदि कोई हो तो, उसका अवलोकन किया जा सकता है। सभी भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि, वे, केवल आनलाइन पेमेन्ट्स/बीजी के माध्यम से ही पूर्व धरोहर राशि-पूधरा को जमा करें। निविदा सूचना को, सीनि. डीइएन/को-आर्डिनेशन, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे तथा सिकंदराबाद कार्यालय में स्थित नोटिस बोर्ड पर, भी दर्शाया गया है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देखा जा सकता है। रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए, निविदा को निरस्त या कैंसल करने का अधिकार सुरक्षित है। सभी भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआयन पहचान संख्याएं प्राप्त करें तथा इसे अपने आफर के साथ प्रस्तुत करें।

सीनि.डीइएन/को-आर्डिनेशन /एससी/सिकंदराबाद

A1629

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in तथा www.indianrailways.gov.in देखें।

मैनेज ने महिला किसान दिवस मनाया; खेती में महिलाओं की भूमिका पर ज़ोर दिया

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन मैनेजमेंट (मैनेज) ने 'महिला किसान दिवस' मनाया, जिसकी थीम थी "एक खुशहाल देश के लिए महिला किसानों को मज़बूत बनाना"। इस इवेंट में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात की 80 से ज़्यादा महिला एंटरप्रेन्योर्स ने हिस्सा लिया। एनआईपीएमएम के डायरेक्टर जनरल सागर हनुमान सिंह ने ज़ोर देकर कहा कि महिलाएं भारतीय खेती की रीढ़ हैं, जो खेती से लेकर मार्केटिंग तक हर स्टेज पर योगदान देती हैं और उन्हें कॉन्फिडेंस के साथ अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए हिम्मत दी।

सीओडब्लूई तेलंगाना चैप्टर की प्रेसिडेंट चेतना जैन ने महिलाओं के नेतृत्व वाले एंटरप्राइज को दिखाने और ज़्यादा आर्थिक मज़बूती के लिए सहयोग को बढ़ावा देने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। इस मौके पर, इवेंट के दौरान दो किताबें और एक पॉलिसी ब्रीफ रिलीज़ की गईं। "महिला किसान: सस्टेनेबल खेती और ग्रामीण खुशहाली के कैटलिस्ट" पर एक पैनल डिस्कशन में महिला एग्रीप्रेन्योर्स की प्रेरणा देने वाली कहानियाँ सुनाई गईं। महिलाओं के बनाए खेती और गांव के प्रोडक्ट्स, जिनमें बाजरा, अचार, काजू, बांस के क्राफ्ट और कपड़े शामिल थे, दिखाने वाली एक एग्ज़िबिशन भी लगाई गई थी। इस इवेंट को मैनेज की डिप्टी डायरेक्टर (जीएस) डॉ. वीनीता कुमारी ने फैकल्टी और स्टाफ मेंबर्स के साथ कोऑर्डिनेट किया। सेवा गुजरात की भाव्यता बेन; और एफडब्लूडब्लू महाराष्ट्र की उज्ज्वला गणेश राउत इस मौके पर चीफ गेस्ट के तौर पर मौजूद थीं।

तालाबों में भरपूर पानी

कुछ टैंक ओवरफ्लो से कॉलोनियों में जलजमाव

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस मानसून सीजन में भरपूर बारिश के कारण हैदराबाद के दशकों पुराने तालाबों में अतिरिक्त मात्रा में पानी जमा हुआ है। जीएचएमसी झील प्रभाग, जो अपने अधिकार क्षेत्र में 139 तालाबों का रखरखाव करता है, ने हाल ही में इन तालाबों की स्थिति पर आंकड़े संकलित किए। आंकड़ों के अनुसार, 139 तालाबों में से 11 तालाबों में अतिरिक्त पानी आया, 118 तालाबों में पूर्ण टैंक स्तर (एफटीएल) से कम पानी आया, और 10 तालाबों में पानी एफटीएल स्तर तक पहुंच गया।

जीएचएमसी झील प्रभाग के कार्यकारी अभियंता ए. नारायण ने बताया कि इस साल मानसून में लगातार जुलाई से लेकर सितंबर के आखिरी सप्ताह तक भारी बारिश हुई, जिससे शहर के उपनगरीय इलाकों में स्थित तालाब लबालब भर गए। ये 139 तालाब सिकंदराबाद, कुकटपल्ली, कापरा, अंबरपेट, एलबी नगर, चारमीनार, राजेंद्रनगर, सरूरनगर और सेरी लिंगमपल्ली में स्थित हैं। तालाबों के पूर्ण टैंक स्तर पर होने से भूजल स्तर में भी स्वाभाविक वृद्धि हुई है, जिससे तालाबों के आसपास की कॉलोनियों को लाभ मिलेगा।

तेलंगाना में गुणवत्ता और मानक हमारी पहली प्राथमिकता है : एन. उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो हैदराबाद शाखा कार्यालय द्वारा विश्व मानक दिवस के उपलक्ष्य में "मनक महोत्सव 2025' का आयोजन होटल द मनोहर, हैदराबाद में किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में एन. उत्तम कुमार रेड्डी, मंत्री नागरिक आपूर्ति, खाद्य, सिंचाई एवं सीएडी तेलंगाना सरकार ने भाग लिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. के. पुरूषोत्तम रेड्डी (पर्यावरणविद् एवं सेवानिवृत्त प्रोफेसर, उस्मानिया विश्वविद्यालय), डॉ. राजा राव (प्राचार्य, उस्मानिया मेडिकल कॉलेज), प्रो. वासुदेव वर्मा (एआई वैज्ञानिक, आईआईआईटी हैदराबाद) और सूनिथ तातिनेनी (प्रबंध निदेशक, सीएआरओ फर्स्ट वाटर बॉक्स) उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सीबीआईटी के छात्रों द्वारा शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शन से हुआ। इसके बाद मुख्य अतिथि एवं गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन किया। पी.वी. श्रीकांत, निदेशक एवं प्रमुख, बीआईएस हैदराबाद शाखा ने स्वागत भाषण दिया, जबकि श्रीमती सुजाता तम्माडी, निदेशक, ने विश्व मानक दिवस संदेश पढ़ा।

मुख्य अतिथि एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा तेलंगाना राज्य में गुणवत्ता और मानक हमारी पहली प्राथमिकता हैं। हमारी सरकार "इंदिरम्मा इल्लू' परियोजना में बीआईएस द्वारा निर्मित राष्ट्रीय भवन संहिता का पालन कर रही है, और प्रत्येक सामग्री प्रमाणित है। राज्य में गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक राज्य स्तरीय समिति बनाई गई है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार गुणवत्ता को बढ़ावा देने में बीआईएस के साथ मिलकर काम कर रही है और भविष्य में भी हर संभव सहयोग देगी। मंत्री ने बीआईएस द्वारा जनजागरूकता अभियानों, स्कूलों में स्टैंडर्ड क्लब्स और युवाओं में गुणवत्ता के प्रति चेतना जगाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि %9 वर्षों में 23,000 मानक बनाना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। यह देश निर्माण की दिशा में बीआईएस का असाधारण योगदान है।

मंत्री ने सभी प्रतिभागियों के साथ गुणवत्ता प्रतिज्ञा ली और सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शकों, स्टैंडर्ड क्लब्स, उद्योगों एवं सरकारी विभागों को सम्मानित किया। धर्मरावपेट के छात्रों को उनके रचनात्मक सोशल मीडिया अभियानों और वीडियोस के लिए "मनक वीर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रतिष्ठित वक्ताओं ने मानकों को सतत विकास लक्ष्यों से जोड़ते हुए तकनीकी प्रस्तुतियाँ दीं। इस कार्यक्रम में 350 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें उद्योग, शिक्षण संस्थान, सरकारी विभाग, उपभोक्ता संगठन और एनजीओ शामिल थे।

कामारेड्डी में ट्रक हादसे में परिवार के चार सदस्य मरे

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बताया कि बुधवार को कामारेड्डी जिले में एक ट्रक के गलत दिशा से आने के कारण हुए हादसे में दो बच्चों सहित एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। दुर्घटना जंगमपल्ली के पास तब हुई जब टिप्पर की इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन से सीधी टक्कर हो गई। मृतकों में 54 वर्षीय व्यक्ति, उनकी 28 वर्षीय बेटी और चार वर्ष व तीन माह के दो पोते-पोतियाँ शामिल हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उनमें से दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य को अस्पताल ले जाया गया, जहाँ इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा आरती में राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने बताया कि दीपावली पर्व पर 4 दिन की पूजा होगी। आज पूजा में विशेष यजमान प्रमोद कुमार सरायवाला थे। पूजा में भाग लेने वालों में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा संध्या रानी अग्रवाल, संतोष देवी अग्रवाल प्रमिला मांडोटिया अशोक लाखोटिया, किशन दास डागा, राहुल सिंघल, प्रमोद कुमार सरायवाला विजय कुमार अग्रवाल,अशोक रुंगटा विट्ठलदास अग्रवाल, प्रवीण कुमार अग्रवाल डॉ राधा कृष्ण दीपा कुमार अग्रवाल वेंकटेश रेड्डी रामनिवास पंडित।

चाइल्ड राइट्स कमीशन ने हैदराबाद चिल्ड्रन्स होम में सरप्राइज चेक किया

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टेट कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (टीएससीपीसीआर) ने यहां सैदाबाद में सरकारी चिल्ड्रन्स होम में पूरी जांच और पूछताछ की। इस दौरान, कमीशन के सदस्यों और स्टाफ ने इंस्टीट्यूशन में रहने वाले बच्चों से बातचीत की ताकि उनके रहने के हालात, भलाई और पूरी सुरक्षा का पता लगाया जा सके। जांच का मुख्य मकसद बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा पक्का करना और बच्चों की भलाई से जुड़े सभी नियमों और स्टैंडर्ड का पालन वेरिफाई करना है। इंस्पेक्शन के हिस्से के तौर पर, कमीशन ने मौजूद सुविधाओं की जांच की, स्टाफ से बातचीत की, और देखभाल और मैनेजमेंट के तरीकों का रिव्यू किया ताकि यह पक्का हो सके कि बच्चों को सुरक्षित, हेल्दी और अच्छा माहौल दिया जा रहा है।

ऑब्जर्वेशन और बातचीत के आधार पर, कमीशन अपने नतीजों और सुझावों वाली एक डिटेल्ड रिपोर्ट तैयार करने की प्रोसेस में है। यह रिपोर्ट सही कार्रवाई के लिए महिला और बाल कल्याण विभाग के सेक्रेटरी को सौंपी जाएगी।

वेलुरु गांव में किसान आत्महत्याओं का चिंताजनक पैटर्न

सरकारी स्कूल शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता पुली राजू ने संकट को पुस्तक में दर्ज किया

सिद्दीपेट, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वारगल मंडल के वेलुरु गांव में छोटे और सीमांत किसानों के बीच आत्महत्याओं का एक परेशान करने वाला पैटर्न सामने आया है। इस संकट को सरकारी स्कूल शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता पुली राजू ने अपनी पुस्तक वेलुरु आत्महत्याला गोसा में दर्ज किया है। राजू ने दो दशकों से तेलंगाना में किसान आत्महत्याओं का अध्ययन किया है और बताया कि वेलुरु में आत्महत्याओं की संख्या अन्य गांवों की तुलना में अधिक चिंताजनक है। वेलुरु में 730 परिवार हैं, जिनमें से 98 प्रतिशत कृषि पर निर्भर हैं। यहां अब तक 51 आत्महत्याएँ दर्ज की गई हैं, जिनमें 44 किसान और 42 पुरुष शामिल हैं। 22 लोगों ने आर्थिक तंगी और फसल के नुकसान के कारण, आठ ने पारिवारिक कलह, आठ ने अवसाद और छह ने स्वास्थ्य समस्याओं के कारण आत्महत्या की।

एक परिवार के तीन बेटों ने 20 साल के अंतराल में आत्महत्या कर दी, जबकि अन्य परिवार ने 2010, 2002 और 2023 में तीन सदस्यों को खो दिया। गोल्ला/यादव समुदाय 51 मौतों में से 20 के लिए जिम्मेदार था। पुरुषों की आत्महत्याओं की संख्या बढ़ने से युवाओं की शादी की संभावनाएँ भी कम हो गई हैं। राजू ने कहा कि अधिकांश परिवारों के पास पाँच एकड़ से कम या बिल्कुल जमीन नहीं है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें। द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

प्रारूप 10-1
सार्वजनिक अधिसूचना

एतद्वारा सभी रेलवे लाइन्स के उपयोगकर्ताओं तथा निम्न खण्ड के पूर्ण खण्ड पर स्थित परिसरों को सूचित किया जाता है किः

सेक्शन हैदराबादः महबूबनगर (एमबीएनआर) से ढोने (डीएचएनइ) सेक्शन के बीच 2X25 केवी विद्युतीकरण सहित नई बीजी डबल लाइन का निर्माण कार्य। यात्रियों की सार्वजनिक ढुलाई के लिए महबूबनगर (एमबीएनआर) से मन्यमकोण्डा (एमक्यूएन) स्टेशनों के बीच 2X25 केवी विद्युतीकरण सहित नई बीजी डबल लाइन का प्रारंभ-के बारे में महबूबनगर (एमबीएनआर) से मन्यमकोण्डा (एमक्यूएन) स्टेशनों के बीच 2X25 केवी विद्युतीकरण सहित नई बीजी डबल लाइन के ओएचइ लोकेशन नंबरः112/17(किमी/सीएचः112/332.40 एम) से 127/48 (किमी/सीएच. 446/932.60एम) तक संबंधित दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे के महबूबनगर (एमबीएनआर) से मन्यमकोण्डा (एमक्यूएन) स्टेशनों के बारे में सूचित किया जाता है कि, दि.01/11/2025 को या इसके पश्चात् 25000 वोल्ट, 50एचजेड., एसी ओवरहेड ट्रैक्शन वायरों को उर्जावान (एनर्जाइज) किया जायेगा। उपरोक्त एवं तत्संबंधित उसी तिथि से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को सभी समय पर सक्रिय माना जायेगा तथा उपरोक्त ओवरहेड लाइन के परिसर में कोई भी अनधिकृत व्यक्ति न जा सकेगा या कोई कार्य ही कर सकेगा।

प्रारूप 10-2
(एसीटीएम अनुच्छेद 21020, खण्ड II, भाग I-सुधार पर्ची सं.32, दि.09-10-2020)
एसी 25 केवी ट्रैक्शन का प्रारंभ सडक उपयोगकर्ताओं को चेतावनी

आम जनता की जानकारी के लिए, अधोलिखित खण्ड के 25केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के प्रारंभ के बारे में, यह अधिसूचित किया जाता हैः

सेक्शन हैदराबादः 2X25 केवी सेक्शन सहित नई बीजी डबल लाइन का निर्माण कार्यः महबूबनगर (एमबीएनआर) से ढोने (डीएचएनइ) सेक्शन के बीच विद्युतीकरणः यात्रियों की सार्वजनिक ढुलाई के लिए महबूबनगर (एमबीएनआर) से मन्यमकोण्डा (एमक्यूएन) स्टेशनों के बीच 2X25 केवी विद्युतीकरण सहित नई बीजी डबल लाइन का प्रारंभ-के बारे में।

महबूबनगर (एमबीएनआर) से मन्यमकोण्डा (एमक्यूएन) स्टेशनों के बीच 2X25 केवी विद्युतीकरण सहित नई बीजी डबल लाइन के ओएचइ लोकेशन नंबरः112/1%(किमी/सीएचः112/332.40 एम) से 127/48 (किमी/सीएच. 446/932.60एम) तक संबंधित दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे के महबूबनगर (एमबीएनआर) से मन्यमकोण्डा (एमक्यूएन) स्टेशनों के बारे में सूचित किया जाता है कि, अत्यधिक उंचाई के लदान के सक्रिय अथवा लाइव ट्रैक्शन वायर के खतरनाक परिसर के संपर्क में आने से रोकने के लिए, सडक स्तर के उपर स्पष्ट अधिकतम 4.%8 एम उंचाई के हाइट गेजेस लगाए गये हैं ताकि तत्संबंधित लाइव ट्रैक्शन वायर के संपर्क में आने से रोका जा सके।

अतः इसके द्वारा आम जनता को अधिसूचित किया जाता है कि, वाहनों के लदान के समय उपरोक्त निर्धारित उंचाई का ध्यान रखें एवं इसपर कडी नजर रखे कि, सडक वाहनों में लादा गया भार (लोड), किसीभी परिस्थितियों में तत्संबंधित हाइट गेजेस का कतई उल्लंघन न करता हो।

अत्यधिक उंचाई के भार के खतरे निम्न प्रकार हैं--

I) हाइट गेज को खतरा तथा सडक के साथ साथ रेलवे लाइन को अनुवर्ती अवरोध।
II) वाहनों में लादा गया मटेरिलयल या सामग्री अथवा उपकरणों या तत्संबंधित वाहनों को खतरा।
III) कंडक्टर्स के खतरनाक परिसर के संपर्क में आने से अग्नि का खतरा एवं जिंदगी का जोखिम।

हस्ता. /- उप मुख्य बिजली अभियंता/I/सी/एससी/सिकंदराबाद

A1632

नई ट्रेन चलाने की मांग नहीं हुई पूरी, महापर्व छठ पर बिहार जाना मुश्किल

लोगों की नाराजगी का बिहार चुनावों पर पड़ सकता है असर

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद से बिहार और यूपी के लिए नई ट्रेन चलाने की मांग पूरी नहीं हुई है। बिहार के लोगों के सबसे बड़े आस्था के पर्व छठ पूजा के लिए तेलंगाना से बिहार जाने वाले लोगों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। तेलंगाना में रहने वाले बिहार के लोग छठ पूजा पर घर जाने के लिए परेशान है। विशेष ट्रेनों की लेट-लतीफी लोगों को नहीं भा रही है।

नई ट्रेन न चलने का असर बिहार के चुनाव पर पड़ सकता है। दमरे ने रेलवे सिकंदराबाद से विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। कई सालों से यूपी और बिहार के लिए नई ट्रेन चलाने की मांग की जा रही है। तेलंगाना में लाखों की संख्या में बिहार के लोग रहते है। परिवार के साथ रहने बाले कुछ लोग तो यहां ही छठ पूजा में भाग ले रहे है। जबकि परिवार से दूर हजारों की संख्या तेलंगाना में रहने वाले लोग अपने परिवार के साथ बिहार पहुंचकर छठ पर्व मनाना चाहते है। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना, नार्थ पीपुल्स एसोसिशन तेलंगाना और अन्य कई संगठन लगातार नई ट्रेन चलाने की मांग कर रहे है। प्रधानमंत्री, रेल मंत्री को पत्र

लिखने के साथ ही दमरे के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलकर बिहार के लिए विशेष ट्रेन चलाने की मांग कर चुके है। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव का कहना है कि तेलंगाना में काम करने वाले बिहार और यूपी के लोगों की संख्या लाखों में है। एक नियमित ट्रेन दानापुर-सिकंदराबाद इतना यात्री लोड नहीं संभाल पा रही है। इन ट्रेनों में कैंटीन की सुविधा नहीं है। उन्होंने कहा कि बड़े नेताओं को बिहार और यूपी से भी हैदराबाद-सिकंदराबाद के लिए नई ट्रेन चलवाने की कोशिश कर सकते है, लेकिन वे ऐसा नहीं कर रहे है। मुजफ्फरपुर से चलने का साप्ताहिक अमृत भारत ट्रेन को कम से कम दो दिन की जाए। उन्होंने कहा कि छठ पूजा घर जाने वाले ट्रेनों में सीट न मिलने से काफी परेशान है। इसका असर बिहार के चुनाव में दिखेगा। नार्थ पीपुल्स एसोसिशन तेलंगाना के अध्यक्ष राजनरायन सिंह का कहना है कि बिहार और यूपी के कई बड़े नेता और केन्द्र सरकार में मंत्री तथा सांसद हैदराबाद विभिन्न कार्यक्रम में भाग लेने आते रहते हैं। इस दौरान बिहार के लोग अपनी ट्रेनों में जगह न मिलने की समस्या आदि से अवगत कराते रहते है। लोगों को ट्रेन चलवाने का आश्वासन देते रहते है। मजबूरी में लोग बिहार जाने के लिए निजी बसों, कार आदि का उपयोग कर रहे है। कुछ लोग दिल्ली, उड़ीसा और हावड़ा के रास्ते जा रहे है। नई ट्रेन चलाने की बात पर दमरे के वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि ट्रेन चलाना अधिकार दमरे के पास नहीं है। यह काम रेलवे बोर्ड करता है। हम भीड़ को देखते हुए विशेष ट्रेनों और अतिरिक्त कोच जोड़ते है। जोन यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और आरामदायक यात्राल प्रदान करने की कोशश रहा है। बिहार के लिए सीधे एक दैनिक, साप्ताहिक और विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

जिला परिषद हाई स्कूल में स्वास्थ्य और स्वच्छता जागरूकता अभियान

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ग्राम पंचायत स्थित जिला परिषद हाई स्कूल (जेडपीएचएस) में छात्रों के लिए स्वास्थ्य और स्वच्छता जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्री सत्य साईं अन्नपूर्णा ट्रस्ट और अमेजन वेब सर्विसेज इंडिया ने एक संयुक्त पहल शुरू की। इस अभियान में कर्मचारियों और स्वयंसेवकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिन्होंने साधारण स्कूल दौरे को सीखने, करुणा और प्रेरणा के अनुभव में बदल दिया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विशेष रूप से छात्राओं के लिए डिजाइन किया गया इंटरैक्टिव वेलनेस सत्र था। पारंपरिक व्याख्यानों से आगे बढ़कर, स्वयंसेवकों ने व्यक्तिगत स्वच्छता, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन और स्वस्थ दैनिक आदतों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आकर्षक चर्चाओं और व्यावहारिक प्रदर्शनों का आयोजन किया।

दिन को पौष्टिक बनाने के लिए छात्रों ने साईश्योर मिलेट (रागी) मल्टी न्यूट्रिएंट हेल्थ मिक्स का आनंद लिया, जो आयरन से भरपूर और स्वास्थ्यवर्धक पेय है।

तेलंगाना में अंतर्राष्ट्रीय ई-कचरा दिवस मनाया, जिम्मेदार प्रबंधन और पुनर्चक्रण पर जोर

टीजीपीसीबी ने ई-कचरे के उचित निपटान और टिकाऊ उत्पादन पर जागरूकता बढ़ाई

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीजीपीसीबी) ने अंतर्राष्ट्रीय ई-कचरा दिवस के अवसर पर जिम्मेदार ई-कचरा प्रबंधन को बढ़ावा देने और टिकाऊ उत्पादन तथा पुनर्चक्रण प्रथाओं के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए प्रमुख हितधारकों के साथ कार्यक्रम आयोजित किया।

टीजीपीसीबी के संयुक्त मुख्य पर्यावरण इंजीनियर डी. कृपानंद ने बताया कि विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का दीर्घकालिक और जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग ई-कचरे के उत्पादन को काफी हद तक कम कर सकता है। इस अवसर पर ईपीटीआरआई के परियोजना संकाय श्री हर्ष ने ई-कचरा प्रबंधन, निर्माताओं, पुनर्चक्रणकर्ताओं, नवीनीकरणकर्ताओं और उत्पादकों के नियम और जिम्मेदारियों के साथ-साथ ई-कचरे के संग्रहण में आने वाली चुनौतियों पर पावरपॉइंट प्रस्तुति दी।

टीजीपीसीबी के वरिष्ठ पर्यावरण इंजीनियर दयानंद ने कहा कि नागरिकों के बीच अनुचित निपटान के खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करना और उन्हें अपने त्यागे गए विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक सामान को अधिकृत संग्रह केंद्रों को सौंपने के लिए प्रोत्साहित करना पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में मदद करेगा। वरिष्ठ सामाजिक वैज्ञानिक डॉ. डब्ल्यूजी प्रसन्ना कुमार ने कहा कि अप्रयुक्त वस्तुओं को सही तरीके से त्यागने और पुनर्चक्रण करने से ई-कचरे के उत्पादन में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है और संसाधन संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सकता है।

मोहम्मद शमी ने अजीत अगरकर को सरेआम घेरा

टीम सेलेक्शन पर उठाए सवाल

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के इंटरनेशनल करियर पर संकेट के बादल मंडरा रहे हैं. शमी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद भारत के लिए कोई भी मैच नहीं खेला है. जिसके पीछे की वजह उनकी फिटनेस माना जा रहा है. हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिली थी. चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने टीम का ऐलान करने के बाद कहा था कि उनके पास शमी की फिटनेस के बारे में कोई जानकारी नहीं है. अब इस मुद्दे पर शमी ने बड़ा बयान दिया है.

शमी ने अजीत अगरकर पर साधा निशाना

मोहम्मद शमी उत्तराखंड के खिलाफ रणजी ट्रॉफी 2025-26 के पहले मैच से पहले ईडन गार्डन्स में बंगाल के प्रैक्टिस सेशन में शामिल हुए. उन्हें इस टूर्नामेंट के लिए टीम में शामिल किया गया है. इस दौरान उन्हें टीम में जगह ना मिलने पर बड़ा बयान दिया. शमी ने कहा, 'मैंने पहले भी कहा है सेलेक्शन मेरे हाथ में नहीं है. अगर फिटनेस का मसला है तो मुझे बंगाल के लिए नहीं खेलना चाहिए. मैंने चैंपियंस ट्रॉफी 2025, आईपीएल 2025, दलीप ट्रॉफी खेली है और मैं अच्छे टच में हूं.'

ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर किए जाने और फिटनेस अपडेट पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मुझे इस पर बोलने और विवाद पैदा करने की जरूरत नहीं है. अगर मैं चार दिवसीय खेल सकता हूं, तो मैं 50 ओवर का क्रिकेट भी खेल सकता हूं. बात फिटनेस के अपडेट की है तो ये उन्हें मांगना होगा, अपडेट देना या अपडेट मांगना मेरी जिम्मेदारी नहीं है. मेरा काम एनसीए (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) जाना, तैयारी करना और मैच खेलना है. वो उनकी बात है, उन्हें कौन अपडेट देता है, किसने नहीं दिया.'

शमी को चोटों ने किया परेशान

मोहम्मद शमी को पिछले कुछ समय में चोट और फिटनेस के चलते क्रिकेट के दूर रहना पड़ा है. वह 2023 वर्ल्ड कप के बाद से ही चोट से जूझ रहे हैं. हालांकि, वह इस साल फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे. इसके बाद उन्होंने आईपीएल में भी हिस्सा लिया था. लेकिन वह अब टीम में जगह बनाने के लिए जूझ रहे हैं. लेकिन वह खुद को फिट भी बता रहे हैं, जो अजीत अगरकर की सेलेक्शन कमेटी पर सवाल खड़ा सकता है.

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग : यशस्वी टॉप-5 में लौटे, पंत नंबर-8 पर

बॉलर्स में कुलदीप 21 से 14वें नंबर पर आए; वनडे में रोहित-कोहली को नुकसान

दुबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल, गेंदबाज कुलदीप यादव को आईसीसी रैंकिंग में फायदा हुआ है, जबकि रोहित शर्मा और विराट कोहली को नुकसान झेलना पड़ा है।

आईसीसी ने बुधवार को रैंकिंग जारी की। 23 साल के यशस्वी जायसवाल दुनिया के पांचवें नंबर के टेस्ट बैटर बन गए हैं। उन्हें दो स्थान का फायदा हुआ। जायसवाल के पास 791 रेटिंग पॉइंट्स हैं।

कुलदीप यादव 7 स्थान की छलांग के साथ टेस्ट बॉलर्स रैंकिंग में 14वें स्थान पर आ गए हैं। उनके पास 689 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वनडे बैटर्स की रैंकिंग में रोहित शर्मा और विराट कोहली को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। इस लिस्ट में भारतीय कप्तान शुभमन गिल नंबर-1 पर बने हुए हैं।

टेस्ट बैटर्स की रैंकिंग में भारतीय ओपनर जायसवाल ने साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा और श्रीलंकाई बैटर कुसल मेंडिस को पीछे छोड़ा है। टॉप-10 की लिस्ट में ऋषभ पंत (753 अंक) दूसरे भारतीय हैं। वे आठवें पायदान पर हैं। इंग्लिश बैटर जो रूट 908 रेटिंग पॉइंट्स के साथ दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं।

वनडे बैटर्स में अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान (764 अंक) ने 8 स्थान की छलांग लगाई और दूसरे स्थान पर आ गए। इससे रोहित शर्मा (756 अंक) तीसरे, पाकिस्तान के बाबर आजम (739 अंक) चौथे और विराट कोहली (736 अंक) 5वें स्थान पर खिसक गए हैं। टी-20 बैटर्स की रैंकिंग के टॉप-10 में बदलाव नहीं हुआ है।

गेंदबाजों की रैंकिंग में टेस्ट के टॉप-10 बॉलर्स की सूची में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वनडे रैंकिंग में राशिद खान 710 अंक लेकर दुनिया के नंबर-1 गेंदबाज बन गए हैं। इससे साउथ अफ्रीका के केशव महाराज (680 अंक), श्रीलंका के महीश तीक्षणा (659 अंक), इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर (654 अंक) और भारत के कुलदीप यादव (650 अंक) को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। टी-20 बॉलर्स के टॉप-10 में चेंज नहीं हुआ।

अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह ओमरजई वनडे के नंबर-1 ऑलराउंडर बन गए हैं। उन्हें एक स्थान का फायदा हुआ है। ओमरजई के 334 रेटिंग पॉइंट हैं। राशिद खान (257 अंक) भी दो पायदान के फायदे के साथ चौथे नंबर पर आ गए हैं। जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा (302 अंक) दूसरे और अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी (285 अंक) तीसरे स्थान पर हैं।

आईसीसी की टीम रैंकिंग में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। ऑस्ट्रेलिया 124 अंक के साथ टेस्ट की नंबर-1 टीम है। भारत वनडे (124 अंक) और टी-20 (272 अंक) के टॉप पर कायम है। टेस्ट में भारतीय टीम चौथे स्थान पर कायम है। उसके इंग्लैंड से 4 अंक कम है। भारत के 108 और इंग्लैंड के 112 रेटिंग पॉइंट हैं।

अंडर-21 हॉकी में भारत-पाकिस्तान ने हाथ मिलाया

जोहर कप मुकाबला 3-3 से ड्रॉ; चौथे क्वार्टर में 2 गोल दागकर इंडिया ने वापसी की

दुबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुल्तान ऑफ जोहर कप हॉकी टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला ड्रॉ हो गया। अंडर-21 वर्ग का टूर्नामेंट मलेशिया के जोहर बाहरु में खेला जा रहा है। -पाकिस्तान के बीच ग्रुप स्टेज का मुकाबला 3-3 के स्कोर के साथ खत्म हुआ। आखिरी क्वार्टर में भारत ने 2 गोल दागकर मैच ड्रॉ कराया।

खास बात यह रही कि मुकाबले के दौरान दोनों टीमों ने हैंडशेक भी किया। इसी साल हुए पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव की स्थिति है। जिस कारण मेंस क्रिकेट एशिया कप और विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में दोनों टीमों के प्लेयर्स ने एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाया था, लेकिन हॉकी में ऐसा कुछ नहीं हुआ।

पाकिस्तान ने पहले क्वार्टर में बढ़त बनाई

जोहर के तमन दया हॉकी स्टेडियम में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच खेला गया। पाकिस्तान ने पहले क्वार्टर से ही अटैकिंग हॉकी खेली और पांचवें मिनट में गोल दाग दिया। टीम को कप्तान शाहिद हनान ने पेनल्टी स्ट्रोक में गोल स्कोर कर बढ़त दिलाई।

पहले क्वार्टर में दोनों ही टीमों को 1-1 पेनल्टी कॉर्नर भी मिला, लेकिन दोनों ही टीमें स्कोर नहीं कर सकीं। क्वार्टर के आखिरी मिनट में भारत के किंगसन सिंह थोकचोम को ग्रीन कार्ड भी मिला। जिस कारण उन्हें 2 मिनट के लिए फील्ड से बाहर होना पड़ा।

दूसरे क्वार्टर में कोई गोल नहीं लगा

दूसरे क्वार्टर में दोनों ही टीमें गोल नहीं कर सकीं। पाकिस्तान को 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर जरूर मिला, लेकिन टीम गोल नहीं कर सकी। 20वें मिनट में भारत के अनमोल इक्का को यलो कार्ड मिला, जिस कारण उन्हें 5 मिनट के लिए फील्ड से बाहर रहना पड़ा। हाफ टाइम के बाद पाकिस्तान 1-0 से आगे रहा।

तीसरे क्वार्टर तक आगे रहा पाकिस्तान

तीसरे क्वार्टर के 33वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन टीम गोल नहीं कर सकी। 38वें मिनट में पाकिस्तान को पेनल्टी कॉर्नर मिला, यहां सुफियान खान ने मौके को भुनाकर गोल दागा और टीम को 2-0 से आगे कर दिया।

43वें मिनट में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिल गया। अरायजीत सिंह हुंदल ने मौके को भुनाया और टीम के लिए पहला गोल दाग दिया। स्कोर 2-1 हो गया। इसी क्वार्टर में पाकिस्तान के मोहम्मद वसीम को यलो कार्ड मिल गया, इस कारण उन्हें 5 मिनट के लिए बाहर रहना पड़ा।

चौथे क्वार्टर में भारत ने बराबरी की

चौथे क्वार्टर के पहले ही मिनट में पाकिस्तान को पेनल्टी कॉर्नर मिल गया, लेकिन टीम गोल नहीं कर सकी। 47वें मिनट में सौरभ आनंद कुशवाहा ने फील्ड गोल किया और भारत की 2-2 से बराबरी करा दी।

52वें मिनट में आगे हुआ भारत

51 मिनट तक स्कोर 2-2 से बराबरी पर रहा। 52वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। मनमीत सिंह ने गोल दागा और टीम को 3-2 से बढ़त दिला दी। 55वें मिनट में पाकिस्तान ने वापसी की, सुफियान खान ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा और स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। इसी स्कोरलाइन के साथ फुल टाइम हो गया और मैच ड्रॉ रहा।

पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर कायम भारत

पाकिस्तान से ड्रॉ खेलने के बाद भी टीम इंडिया पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर कायम है। टीम के 3 मुकाबलों में 2 जीत और 1 ड्रॉ से 7 पॉइंट्स हैं। ऑस्ट्रेलिया 2 जीत और 1 ड्रॉ से 7 पॉइंट्स लेकर पहले नंबर है। क्योंकि टीम का गोल डिफरेंस भारत से बेहतर है। भारत ने शुरुआती 2 मुकाबलों में ग्रेट ब्रिटेन और न्यूजीलैंड को हराया था।

दोनों टीमों के प्लेयर्स ने हाथ मिलाया

मैच के दौरान दोनों ही टीमों के प्लेयर्स ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया। मुकाबले शुरू होने से पहले और खत्म होने के बाद दोनों टीमें हैंडशेक करते नजर आईं। दोनों देशों के बीच राजनीतिक विवाद के बाद पाकिस्तान की टीम सितंबर में हॉकी एशिया कप खेलने के लिए भारत नहीं आई थी।

अफगानिस्तान का बांग्लादेश के खिलाप क्लीन स्वीप

तीसरे वनडे में 200 रन से हराया, बिलाल सामी ने 5 विकेट लिए

अबू धाबी, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को तीसरे वनडे में 200 रन से हरा दिया। जीत के साथ अफगानिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज को 3-0 से अपने नाम कर लिया। मैच में 5 विकेट लेने वाले बिलाल सामी प्लेयर ऑफ द मैच बने। वहीं, इब्राहिम जादरान को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

अबू धाबी में खेले गए तीसरे वनडे में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने 50 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 293 रन बनाए। 294 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश 27.1 ओवर में 93 रन पर ऑलआउट हो गई।

जादरान ने 95 रन बनाए

पहली बैटिंग करने उतरी अफगानिस्तान के लिए ओपनर इब्राहिम जादरान ने सबसे ज्यादा 95 रन की पारी खेली। उन्होंने 111 बॉल की पारी में 7 चौके और 2 छक्के जड़े। उनके अलावा मोहम्मद नबी ने 37 बॉल पर 62 और रहमानुल्ला गुरबाज ने 42 रन का योगदान दिया। तीन मैच में 213 रन जड़ने वाले जादरान को प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब दिया गया।

बांग्लादेश की ओर से सैफ हसन ने 3 विकेट हासिल किए। हसन महमूद और तनवीर इस्लाम ने 2-2 विकेट लिए। मेहदी हसन मिराज को एक विकेट मिला।

10 बैटर दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके

जवाब में टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेशी टीम की बल्लेबाजी बेहद खराब रही। टीम के 10 बैटर दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। ओपनर सैफ हसन 43 रन के साथ टॉप स्कोरर रहे।

अफगानिस्तान की ओर से बिलाल सामी ने 7.1 ओवर में 33 रन देकर 5 विकेट अपने नाम किए। बिलाल प्लेयर ऑफ द मैच बने। राशिद खान ने 2 विकेट लिए।

विश्व चैंपियन डी गुकेश को विश्व कप में मिली शीर्ष वरीयता, 30 अक्तूबर से गोवा में होगा आयोजन

गोवा, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। गत विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश फिडे विश्व कप शतरंज में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के तौर पर उतरेंगे। इस टूर्नामेंट का आयोजन 30 अक्तूबर से गोवा में होगा। गुकेश के बाद अर्जुन एरिगेसी और आर प्रज्ञानंद का नंबर है। यह टूर्नामेंट 27 नवंबर तक चलेगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया भर के प्रमुख सितारे भाग लेंगे और डेनमार्क के अनीश गिरि को चौथी वरीयता दी गई है।

फिडे विश्व कप में दुनियाभर के कुल 206 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे और इसकी ईनामी राशि 20 लाख डॉलर होगी। पुरस्कारों के अलावा खिलाड़ी 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में तीन स्थानों के लिए भी प्रतिस्पर्धा करेंगे। गोवा में शीर्ष तीन पर रहने वाले खिलाड़ियों को कैंडिडेट्स में सीधे प्रवेश मिलेगा। इस प्रतियोगिता में अमेरिका के वेस्ले सो पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं, जिनके बाद क्रमशः विन्सेंट केमर, वेई यी, नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव, शखरियार मामेदयारोव और हंस नीमन का स्थान है।

फ़ीफ़ा वर्ल्ड कप : द. अफ्रीका, आइवरी कोस्ट, सेनेगल कतर और सऊदी अरब ने क्वालिफाई किया

लंदन, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफ्रीका से विश्व कप 2026 के लिए तीन बड़ी टीमें- दक्षिण अफ्रीका, आइवरी कोस्ट और सेनेगल ने अपना टिकट पक्का कर लिया है। दक्षिण अफ्रीका ने रवांडा को 3-0 से हराकर अपने क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। यह 2010 के बाद पहला मौका है जब दक्षिण अफ्रीका फीफा विश्व कप में हिस्सा लेगा।

इस जीत के साथ ही नाइजीरिया को अपने ग्रुप में दूसरा स्थान मिला और उसे अब प्लेऑफ के जरिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। हालांकि नाइजीरिया ने बेनिन को उसके घरेलू मैदान पर विक्टर ओसिमेन की हैट्रिक की बदौलत 4-0 से हराया। उधर, आइवरी कोस्ट ने कीनिया पर 3-0 की जीत दर्ज कर सीधा क्वालिफिकेशन हासिल किया, जबकि सेनेगल ने मॉरिटानिया को 4-0 से हराकर लगातार तीसरी बार विश्व कप में जगह बनाई।

एशिया से कतर और सऊदी अरब का टिकट पक्का

एशियाई क्वालिफायर के चौथे दौर में कतर और सऊदी अरब ने अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर विश्व कप 2026 में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली। कतर ने दोहा में खेले गए मैच में संयुक्त अरब अमीरात को 2-1 से हराया, जबकि सऊदी अरब ने जेद्दा में इराक के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला। दोनों टीमें अब एशिया से विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली सातवीं और आठवीं टीम बन गई हैं।

कतर दूसरी बार विश्व कप में हिस्सा लेगा। पिछली बार वह मेजबान देश के रूप में खेला था। लेकिन इस बार कतर ने अपने दम पर क्वालीफिकेशन हासिल किया, जो उसके फुटबॉल इतिहास में एक नया अध्याय है। सऊदी अरब अब तक सातवीं बार विश्व कप में हिस्सा लेने जा रहा है। इससे पहले जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, उज्बेकिस्तान और जॉर्डन एशिया से जून में ही विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं।

यूरोप से इंग्लैंड बना पहला क्वालिफाई करने वाला देश

इंग्लैंड ने लाटविया पर 5-0 की बड़ी जीत के साथ विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई किया और इस तरह यूरोप का पहला देश बना जिसने टूर्नामेंट में जगह पक्की की। कप्तान हैरी केन ने पहले हाफ में दो गोल दागे, जिससे इंग्लैंड ने अपने ग्रुप में दो मैच शेष रहते शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर लिया। इंग्लैंड अब लगातार आठवीं बार फीफा विश्व कप खेलेगा। जर्मन कोच थॉमस ट्यूशेल के नेतृत्व में इंग्लिश टीम ने अब तक क्वालिफाइंग के छह मैचों में एक भी गोल नहीं खाया है।

'बोस्टन से वर्ल्ड कप मैच हटा सकते हैं', ट्रंप की चेतावनी

बोले- लेकिन फैसला फीफा का होगा

न्यूयॉर्क, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि वह अगले साल बोस्टन में खेले जाने वाले फीफा वर्ल्ड कप मैचों को कहीं और शिफ्ट कर सकते हैं। ट्रंप ने दावा किया कि बोस्टन के कुछ हिस्सों में हालिया अशांति के चलते कब्जा हो गया है। बोस्टन 2026 फीफा वर्ल्ड कप में सात मैचों की मेजबानी करने वाला है। यह टूर्नामेंट अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है।

मेयर मिशेल वू पर निशाना

ट्रंप से जब बोस्टन की मेयर मिशेल वू के बारे में पूछा गया, जो डेमोक्रेटिक पार्टी से हैं, तो उन्होंने कहा, 'वह बुद्धिमान हैं लेकिन कट्टर वामपंथी। हम ये मैच उनसे छीन सकते हैं। मुझे बोस्टन के लोग पसंद हैं और मुझे पता है कि सभी मैच हाउसफुल होंगे, लेकिन आपकी मेयर अच्छी नहीं हैं।' ट्रंप ने यह भी दावा किया कि 'प्रदर्शनकारी बोस्टन के हिस्सों पर कब्जा कर रहे हैं।' हालांकि उन्होंने कोई ठोस उदाहरण नहीं दिया। उन्होंने आगे कहा, 'हम उन्हें दो सेकंड में वापस पा सकते हैं।' मेयर वू के कार्यालय ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

हालिया प्रदर्शन और हिंसा

ट्रंप की यह टिप्पणी उस समय आई जब उन्होंने अर्जेंटीना के राष्ट्रपति से मुलाकात की। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं था कि वे किन घटनाओं का जिक्र कर रहे थे। दरअसल, इसी महीने बोस्टन कॉमन में हुए एक प्रो-पैलेस्टाइन प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसमें चार पुलिस अधिकारी घायल हुए और कई गिरफ्तारियां हुईं।

फीफा का अधिकार क्षेत्र

ट्रंप पहले भी संकेत दे चुके हैं कि वे कुछ शहरों को असुरक्षित" घोषित कर सकते हैं और 104 मैचों वाले फीफा वर्ल्ड कप की मेजबानी योजना में बदलाव कर सकते हैं। यह योजना 2022 में फीफा द्वारा तय की गई थी और इसमें अमेरिका के 11 शहरों (जैसे न्यूयॉर्क, लॉस एंजिलिस, सैन फ्रांसिस्को), मेक्सिको के तीन और कनाडा के दो शहर शामिल हैं।

हालांकि, विशेषज्ञों के अनुसार ट्रंप ऐसा नहीं कर सकते, क्योंकि वर्ल्ड कप की मेजबानी का अधिकार फीफा के पास है, न कि अमेरिकी सरकार के पास। फीफा के उपाध्यक्ष विक्टर मोंटाग्लियानी ने लंदन में एक खेल व्यवसाय सम्मेलन के दौरान कहा, 'यह फीफा का टूर्नामेंट है, फीफा का अधिकार क्षेत्र है, और निर्णय भी फीफा ही लेता है।'

'मैं गियानी से बात करूंगा: ट्रंप'

इसके बावजूद, ट्रंप ने कहा, 'अगर मुझे लगे कि कोई शहर अच्छा काम नहीं कर रहा या वहां सुरक्षा की स्थिति खराब है, तो मैं गियानी (फीफा प्रमुख) को फोन करूंगा और कहूंगा कि मैचों को किसी दूसरे स्थान पर शिफ्ट करें और वह ऐसा कर देंगे।' उन्होंने फीफा अध्यक्ष गियानी इंफेंटिनो को शानदार व्यक्ति बताया और कहा कि वह शायद ऐसा करने से खुश न हों, लेकिन बहुत आसानी से कर सकते हैं।

प्रशासन की हालिया कार्रवाई

ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में वॉशिंगटन और मेम्फिस में नेशनल गार्ड तैनात किए हैं। वहीं, शिकागो और पोर्टलैंड में ऐसा करने के प्रयास कानूनी विवादों में उलझ गए हैं। ट्रंप के इस बयान से राजनीतिक और खेल जगत दोनों में हलचल मच गई है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि फीफा के अनुबंध और लॉजिस्टिक कारणों से अब किसी भी शहर को हटाना लगभग असंभव है, खासकर जब टूर्नामेंट की शुरुआत में अब केवल आठ महीने बचे हैं।

बाबर आजम की सैलरी हुई कम, जब से फॉर्म गई है, हर बर्थडे पर मिल रही बुरी खबर

लाहौर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। बाबर आजम का जन्म 15 अक्टूबर 1994 को लाहौर में हुआ था. अपने 31वें जन्मदिन पर भी बाबर लाहौर में ही हैं, जहां पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेला जा रहा है, जो कि नतीजे पर पहुंचने की ओर है. इस टेस्ट में पाकिस्तान का क्या होगा? बाबर आजम को अपने बर्थडे पर जीत की खबर मिलेगी या हार की, उसका तो पता नहीं. लेकिन, रही बात बुरी खबर के मिलने की, तो वो बाबर आजम को पिछले दो बर्थडे की तरह इस बार भी पहले ही मिल चुकी है. बाबर आजम का जब से फॉर्म गया है, तब से बर्थडे पर भी चीजें उनके लिए अच्छी नहीं घट रहीं. और, इस बार भी ऐसा ही हुआ है.

31 साल के हुए बाबर आजम की सैलरी हुई कम

बाबर आजम इस साल 31 साल के हो गए हैं. लेकिन 31वें बर्थडे से पहले उनकी सालाना सैलरी में लाखों रुपये की कटौती कर दी गई है. पीसीबी ने ये फैसला उनके परफॉर्मेन्स के आधार पर किया है. बाबर अक्टूबर में अपना बर्थडे मना रहे हैं. लेकिन, उन्हें सैलरी कम होने की बुरी खबर दो महीने पहले यानी कि अगस्त में ही पता चल गई थी, जब पीसीबी ने खिलाड़ियों के नए कॉन्ट्रेक्ट में उन्हें ग्रेड ए से हटाकर ग्रेड बी में डाल दिया था.

15 लाख रुपये का घाटा

पीसीबी के नए कॉन्ट्रेक्ट लिस्ट में डिमोशन का असर ये हुआ कि बाबर आजम को जहां पहले 45 लाख पाकिस्तानी रुपये साल के मिल रहे थे. वो अब घटकर 30 लाख पाकिस्तानी रुपये रह गए. मतलब सीधे-सीधे उनकी सैलरी 15 लाख रुपये कम कर दी गई.

फॉर्म जाने के बाद हर बर्थडे पर बुरी खबर

बाबर आजम की जब से फॉर्म गई है, तब से यही हाल है. हर बर्थडे पर एक बुरी खबर से उनका सामना हो रहा है. बाबर आजम की फॉर्म साल 2023 में खेले एशिया कप से गायब है. तब से अब तक वो 3 बर्थडे- 29वां, 30वां और 31वां- मना चुके है. साल 2023 में अपने 29वें बर्थडे में एंट्री उन्होंने वनडे वर्ल्ड कप में भारत के हाथों पाकिस्तान को मिली हार की बुरी खबर के साथ ली थी.

हर साल 7,000 कोच बन रहे हैं : अश्विनी वैष्णव

आईआरईई और इंटरनेशनल रेलवे कॉन्फ्रेंस आईआरसी 2025 का उद्घाटन

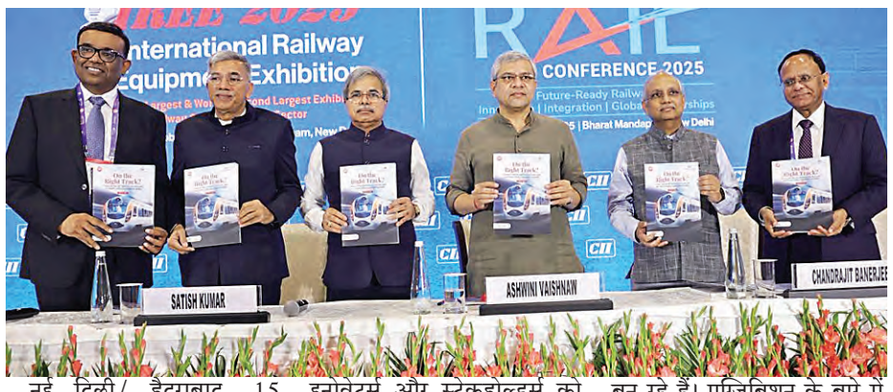

नई दिल्ली/ हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। 16वीं इंटरनेशनल रेलवे इक्विपमेंट एग्जीबिशन (आईआरईई) 2025 और इंटरनेशनल रेलवे कॉन्फ्रेंस (आईआरसी) 2025, जिसे कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) ने रेल मंत्रालय के साथ मिलकर भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया था, का उद्घाटन केंद्रीय रेल, सूचना और प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया।

आईआरईई एशिया की सबसे बड़ी और रेलवे और ट्रांसपोर्ट के क्षेत्र में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एग्जीबिशन है। यह कॉन्फ्रेंस दुनिया भर के इंडस्ट्री लीडर्स, इनोवेटर्स और स्टेकहोल्डर्स को एक साथ लाती है। इस मौके पर बोलते हुए रेल मंत्री ने कहा कि पिछले 11 सालों से, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रेलवे के मॉडर्नाइजेशन पर ज़ोर दे रहे हैं और इसके नतीजे साफ दिख रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन 11 सालों में करीब 35,000 किमी नए ट्रैक बिछाए गए हैं और 46,000 किमी रेलवे लाइनों का इलेक्ट्रिफिकेशन किया गया है। उन्होंने कहा कि अभी इंडियन रेलवे 156 वंदे भारत एक्सप्रेस, 30 अमृत भारत और 4 नमो भारत सर्विस चलाती है, जो पूरे देश में बहुत पॉपुलर हैं और हमारा प्रोडक्शन लेवल भी काफी बढ़ गया है, हर साल 7,000 कोच बन रहे हैं। एग्जिबिशन के बारे में बात करते हुए, माननीय मंत्री ने कहा कि यह रेलवे टेक्नोलॉजी, मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन में भारत की तरक्की को दिखाने के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करेगा, साथ ही पार्टनरशिप, इन्वेस्टमेंट और डेवलपमेंट के नए रास्ते भी खोलेगा। इस मौके पर कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) और गति शक्ति यूनिवर्सिटी के बीच एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर साइन किए गए।

यह एमओयू इंडस्ट्री-एकेडेमिया कोलेबोरेशन को और मजबूत करेगा। यह एग्जिबिशन और कॉन्फ्रेंस तीन दिनों तक चलेगी। इसमें इंडस्ट्री डिस्कशन, इंटरनेशनल पार्टनरशिप, बिज़नेस मीटिंग और टेक्निकल डेमोंस्ट्रेशन होंगे, जिससे रेल ट्रांसपोर्ट के भविष्य को बनाने में भारत की भूमिका और मज़बूत होगी।

आईआरईई 2025 में ऑस्ट्रिया, फ्रांस, जर्मनी, जापान, नीदरलैंड, साउथ कोरिया, यूनाइटेड किंगडम, यूनाइटेड स्टेट्स और दूसरे 14+ देशों के 20,000 से ज़्यादा इंडस्ट्री प्रोफेशनल और 450 से ज़्यादा एग्ज़िबिटर एक साथ आ रहे हैं। इंडियन रेलवे अपना अब तक का सबसे बड़ा पवेलियन दिखा रहा है, जिसमें मॉडर्नाइज़ेशन, डिजिटल पहल और भविष्य की ज़रूरतों पर ज़ोर दिया जाएगा।

आईआरसी 2025 में लगभग 500 डेलीगेट "फ्यूचर-रेडी रेलवे: इनोवेशन, इंटीग्रेशन और ग्लोबल पार्टनरशिप" थीम पर चर्चा करने के लिए आ रहे हैं, जिसमें टेक्नोलॉजिकल तरक्की, सहयोग और ग्लोबल कनेक्टिविटी पर ध्यान दिया जाएगा। यह कॉन्फ्रेंस बायर-सेलर और इंडस्ट्री-गवर्नमेंट के बीच बातचीत को आसान बनाएगी ताकि नई पार्टनरशिप और बिज़नेस के मौके बढ़ सकें।

ब्लाइंड वेलफेयर एसोसिएशन ने इंडिपेंडेंट डिसेबिलिटी कमिश्नर की मांग की

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के ब्लाइंड डेवलपमेंट एंड वेलफेयर एसोसिएशन ने आज राज्य सरकार से दिव्यांग लोगों के लिए एक इंडिपेंडेंट स्टेट कमिश्नर नियुक्त करने की मांग की, और बताया कि यह पद सात साल से ज़्यादा समय से एडिशनल चार्ज के तौर पर रखा गया है। 'इंटरनेशनल व्हाइट केन डे' के मौके पर यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, एसोसिएशन के प्रेसिडेंट जी अंजैया गौड़ और जनरल सेक्रेटरी पी चोक्का राव ने सरकार से मांग की कि ब्लाइंड कर्मचारियों को रिटायरमेंट बेनिफिट तुरंत दिए जाएं, ब्लाइंड लोगों के लिए रेजिडेंशियल स्कूलों और हॉस्टल को मज़बूत किया जाए, और सभी कैटेगरी में आरटीसी बस में फ्री यात्रा दी जाए। इसके अलावा, उन्होंने ब्लाइंड हॉस्टल को प्राइवेट एजेंसियों को सौंपने के कदम का विरोध किया और ब्लाइंड लोगों के लिए काम करने वाले एनजीओ को दूसरी वेलफेयर संस्थाओं की तरह सरकारी ग्रांट देने की मांग की। उन्होंने आगे पेंशन को डेवलपमेंट स्कीम से जोड़ने, ब्लाइंड लोगों के लिए नौकरी की खाली जगहों की पहचान करने और उन्हें भरने, और डिसेबिलिटी वेलफेयर फंड का 1 परसेंट सिर्फ ब्लाइंड कम्युनिटी के लिए देने की मांग की। एसोसिएशन के ट्रेज़रर एन परमेशा और अन्य लोग मौजूद थे।

कलेक्टरों को धान की खरीद का काम बिना किसी गलती के करने का निर्देश दिया

मंत्री ने खरीफ धान खरीद की तैयारियों पर एक हाई-लेवल वीडियो कॉन्फ्रेंस की

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना देश का सबसे बड़ा अनाज खरीद ऑपरेशन करने की तैयारी कर रहा है, जिसे अधिकारियों ने देश का सबसे बड़ा अनाज खरीद ऑपरेशन बताया है। राज्य सरकार ने जिला कलेक्टरों और सिविल सप्लाई अधिकारियों को पूरी तरह अलर्ट रहने और सभी विभागों के बीच बिना रुकावट के तालमेल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। सिविल सप्लाई और सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी और कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने बुधवार को यहां सचिवालय में मुख्य सचिव एस. रामकृष्ण राव के चैंबर से खरीफ धान खरीद की तैयारियों पर एक हाई-लेवल वीडियो कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता की। सिविल सप्लाई कमिश्नर स्टीफन रवींद्र, कृषि सचिव सुरेंद्र मोहन, ट्रांसपोर्ट कमिश्नर रघुनंदन राव और कई जिला कलेक्टरों सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने रिव्यू में भाग लिया।

मीटिंग को संबोधित करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना ने 148.03 लाख मीट्रिक टन की रिकॉर्ड धान की पैदावार हासिल करके इतिहास रच दिया है, जो स्वतंत्र भारत में अब तक का सबसे अधिक है, और पिछले सभी उत्पादन आंकड़ों को पार कर गया है। उन्होंने कहा, कि तेलंगाना भारत में धान उगाने वाला सबसे बड़ा राज्य बन गया है, और यह खरीफ सीजन खेती और खरीद दोनों में अब तक का रिकॉर्ड है। आने वाला ऑपरेशन किसी भी राज्य या देश द्वारा किया गया अब तक का सबसे बड़ा अनाज खरीद ऑपरेशन होगा। मंत्री ने बताया कि सरकार 80 लाख मीट्रिक टन धान खरीदेगी, जिसे 40 लाख एमटी बारीक (सन्ना) और 40 लाख एमटी मोटे (डोड्डू) किस्मों के बीच बराबर बांटा जाएगा। धान की खेती 66.8 लाख एकड़ में की गई थी, और कुल खरीद मूल्य 22,000-23,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, कि यह उपलब्धि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क की किसान-हितैषी नीतियों का नतीजा है। तेलंगाना खेती की तरक्की का दूसरा नाम बन गया है, और हम इस स्थिति को और मज़बूत करते रहेंगे। उन्होंने कलेक्टरों को धान खरीद को मिशन-मोड ऑपरेशन के तौर पर लेने और यह पक्का करने का निर्देश दिया कि किसानों को कोई मुश्किल न हो। उन्होंने कहा, फील्ड लेवल पर अधिकारियों को सतर्क रहना चाहिए। किसी भी किसान को खरीद सेंटर पर घंटों इंतज़ार नहीं करना चाहिए। हर जगह पानी, रहने की जगह और साफ़-सफ़ाई जैसी बुनियादी सुविधाएँ पक्की होनी चाहिए। मंत्री ने ध्यान से इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग की ज़रूरत पर ज़ोर दिया।

अक्टूबर के बीच तक, पूरे राज्य में 8,342 धान खरीद सेंटर (पीपीसी) मंज़ूर किए जा चुके हैं, जिनमें प्राइमरी एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव सोसाइटी (पीएसीएस) के ज़रिए 4,259, आईकेपी ग्रुप के ज़रिए 3,517 और दूसरी एजेंसियों के ज़रिए 566 सेंटर शामिल हैं। उत्तम कुमार रेड्डी ने भरोसा दिलाया, कि कलेक्टर खुद इंतज़ामों की निगरानी करें और जहाँ ज़रूरी हो, बिना देर किए एक्स्ट्रा खर्च करें। अगर इंफ्रास्ट्रक्चर की तुरंत ज़रूरत है, तो आप आगे बढ़ सकते हैं। सरकार बाद में मंज़ूरी देगी।

सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री ने बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा की

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में जनता की सरकार पत्रकारों की भलाई के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हम नियम और कानून बना रहे हैं ताकि सरकार द्वारा पत्रकारों के लिए लागू किए गए वेलफेयर प्रोग्राम योग्य पत्रकारों तक पहुँचें। बुधवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर सेक्रेटेरिएट में मीडिया एकेडमी के चेयरमैन के. श्रीनिवास रेड्डी, इन्फॉर्मेशन और पब्लिक रिलेशन्स कमिश्नर चौ. प्रियंका और सीपीआरओ मालसूर ने एक्रेडिटेशन पॉलिसी पर लंबी चर्चा की। इस मौके पर बोलते हुए, मंत्री ने अधिकारियों को योग्य पत्रकारों की इज़्ज़त की रक्षा के लिए एक साइंटिफिक एक्रेडिटेशन पॉलिसी बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने उन्हें इस महीने के आखिर तक पॉलिसी और प्रोसेस को फाइनल करने का निर्देश दिया ताकि जल्द से जल्द एक्रेडिटेशन कार्ड जारी किए जा सकें।

रूट्स एट महिंद्रा यूनिवर्सिटी 22 नवंबर से शुरू

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। महिंद्रा समूह की नई सांस्कृतिक पहल, रूट्स एट महिंद्रा यूनिवर्सिटी, 22 नवंबर को हैदराबाद में शुरू होने जा रही है। इस कार्यक्रम में कलाकारों की एक श्रृंखला शामिल होगी, जो भारत की प्राचीन परंपराओं को आज की युवा संस्कृति के साथ जोड़ेगी। उत्सव में रघु दीक्षित प्रोजेक्ट शामिल हैं, जिन्होंने कन्नड़ लोक काव्य को वैश्विक दर्शकों के लिए नई परिभाषा दी है, और स्वरात्मा, जो संगीत को पर्यावरणीय, सामाजिक और सांस्कृतिक सक्रियता में बदलते हैं। कश्मीर के कवि और गायक-गीतकार अलिफ़ उर्फ़ मोहम्मद मुनीम नज़ीर भी प्रस्तुति देंगे। राजस्थान फोकस्टर्स के हमज़ा रहीमतुला डीजे और मांगणियार परंपराओं के बीच संवाद स्थापित करेंगे।

कार्यक्रम में 65 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर और किसान गोट्टे कनकव्वा भी शामिल हैं, जो बतुकम्मा गीतों को जीवित रखने के लिए सम्मानित हैं। आर्को और फ्रेंड्स एफ़टी गब्बू का नया सहयोग बॉलीवुड और ईडी संगीत का मिश्रण प्रस्तुत करेगा। महिंद्रा एंड महिंद्रा के उपाध्यक्ष जय शाह ने कहा, 'युवा लोग अक्सर भारत की कलात्मक परंपराओं से फिर से जुड़ने की ज़रूरत महसूस करते हैं और उन्हें संरक्षित करने व नया रूप देने की जिम्मेदारी उठानी चाहिए। रूट्स इसी विश्वास की अभिव्यक्ति है।'

तेलंगाना बंद का समर्थन करेगी शिवसेना : शिवाजी

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शिवसेना तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष सिकंदर शिवाजी ने कहा कि 18 अक्टूबर को होने वाले तेलंगाना बंद का पार्टी समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद आर. कृष्णैया इसके बारे में जानकारी दे दी गई है। शिवाजी ने आर. कृष्णैया से कहा कि शिवसेना पार्टी शुरू से ही 42% पिछड़ा वर्ग आरक्षण के समर्थन में रही है। राज्य बंद में शिवसेना पूरी तरह से भाग लेगी। उन्होंने कहा कि शिवसेना नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पिछड़ा वर्ग समुदाय से हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शिवसेना में पिछड़ा अध्यक्ष का पद एक पिछड़ा वर्ग को दिया गया है। उन्होंने सभी पिछड़ा वर्ग के लोगों से शांतिपूर्ण ढंग से अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

ईसीआई ने 6 से 11 नवंबर तक जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए एग्जिट पोल पर रोक लगाई

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्शन कमीशन ऑफ़ इंडिया (ईसीआई) ने 6 से 11 नवंबर के बीच जुबली हिल्स असेंबली उपचुनाव के लिए एग्जिट पोल कराने और उन्हें पब्लिश करने पर रोक लगा दी है। यह रोक प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया समेत सभी मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर लागू होती है। ईसीआई ने कहा कि किसी भी तरह का उल्लंघन करने पर रिप्रेज़ेंटेशन ऑफ़ द पीपल एक्ट, 1951 के सेक्शन 126A के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी, जो चुनाव के समय एग्जिट पोल के नतीजों को कराने या फैलाने पर रोक से जुड़ा है। अधिकारियों ने मीडिया हाउस, राजनीतिक पार्टियों और लोगों से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए गाइडलाइंस का पालन करने का आग्रह किया।

बीआरएस की रणनीति पूरी तरह से सहानुभूति है : अरविंद

निज़ामाबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी सांसद धर्मपुरी अरविंद ने बीआरएस पर जुबली हिल्स उपचुनाव में जीत हासिल करने के लिए सहानुभूति वाली राजनीति करने का आरोप लगाया है। बुधवार को मीडिया से बातचीत के दौरान, अरविंद ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव और दिवंगत पूर्व एमएलए मगंती गोपीनाथ की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने जुबली हिल्स इलाके में ड्रग्स लेने वालों को बचाया था। उन्होंने कहा कि बीआरएस उपचुनाव जीतने के लिए सहानुभूति बटोरने की कोशिश कर रही है, लेकिन उसे यह साफ करना चाहिए कि लोकल क्लबों और पबों को ड्रग्स की सप्लाई के लिए कौन जिम्मेदार है। अरविंद ने आगे दावा किया कि जुबली हिल्स चुनाव क्षेत्र में मिले फर्जी वोटों के मामले शायद पिछली बीआरएस सरकार के दौरान दर्ज किए गए थे। उन्होंने कांग्रेस द्वारा वोटों में गड़बड़ी के केटी रामा राव के दावों को बेतुका बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि तेलंगाना में चुनावी धोखाधड़ी की असली शुरुआत बीआरएस ने ही की थी।

रेवंत ने एपीजे अब्दुल कलाम व एमएलए माधव रेड्डी की मां को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को हैदराबाद के जुबली हिल्स में अपने आवास पर पूर्व राष्ट्रपति और भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती के मौके पर उनकी तस्वीर पर फूल चढ़ाए। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, सीएम के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, एमपी रघुवीर रेड्डी और चमाला किरण कुमार रेड्डी और एमएलए रामदास नायक ने भी एपीजे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को हनुमाकोंडा जिले के वड्डेपल्ली गांव में नरसंपेट के एमएलए दोंती माधव रेड्डी की मां की तस्वीर पर फूल चढ़ाए, जिनका हाल ही में निधन हो गया था। मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से हनुमाकोंडा गए। उनके साथ मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, अदलुरी लक्ष्मण और सीतक्का भी थे। सीएम के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, एमपी काव्या, एमएलए और दूसरे चुने हुए प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

चलती ट्रेन में चाकू की नोंक पर महिला से दुष्कर्म और लूटपाट

विशाखापत्तनम, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में एक चलती ट्रेन में चाकू की नोंक पर महिला से दुष्कर्म और लूटपाट की घटना हुई है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रेलवे पुलिस ने बताया कि घटना गुंटूर से पेड्डाकुरापाडु रेलवे स्टेशन के बीच चलने वाली ट्रेन में हुई। घटना 13 अक्टूबर की है, जब राजामहेंद्रवरम की निवासी महिला चेरापल्ली जाने के लिए संतरागाची स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन में सवार हुई।

पीड़िता महिला कोच में अकेले सफर कर रही थी। जब ट्रेन गुंटूर रेलवे स्टेशन पर रुकी तो एक अज्ञात व्यक्ति ने कोच का दरवाजा खोलने की कोशिश की। इस पर पीड़िता ने उसे बताया कि यह महिला कोच है और दरवाजा बंद करने का प्रयास किया। हालांकि आरोपी ने पीड़िता से अपील की और महिला कोच में ही सवार हो गया। आरोपी करीब 40 साल का है। जब ट्रेन गुंटूर से चली तो आरोपी व्यक्ति ने कथित तौर पर महिला से चाकू की नोंक पर दुष्कर्म किया। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपी ने उसके साथ मारपीट भी की और उससे 5600 रुपये और मोबाइल फोन भी लूट लिया।

जब ट्रेन पेड्डाकुरापाडु रेलवे स्टेशन पहुंची तो आरोपी ट्रेन से कूदकर भाग गया। इसके बाद महिला चेरापल्ली पहुंची और वहां सिकंद्राबाद रेलवे पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने ज़ीरो एफआईआर दर्ज की और मामला नडीकुडी पुलिस स्टेशन को जांच के लिए भेज दिया।

ब्रेन डेड तकनीशियन के अंगों का जीवनदान

तीन मरीजों को मिली राहत

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चेवेल्ला निवासी 33 वर्षीय कैथलैब तकनीशियन मदुनुरोल्ला श्रीकांत, जिन्हें डॉक्टरों ने ब्रेन डेड घोषित किया था, के अंगों को राज्य की जीवनदान योजना के तहत परिवार ने जरूरतमंद मरीजों को दान कर दिया। 5 अक्टूबर को श्रीकांत का दोपहिया वाहन संगारेड्डी के शिवमपेट में एक अन्य वाहन से टकरा गया था, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और उन्हें हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

आपातकालीन उपचार के बाद 14 अक्टूबर को उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया गया। उनकी पत्नी मदुनुरुल्ला सारिका ने उनका लिवर, हृदय और किडनी जरूरतमंद मरीजों को दान करने का निर्णय लिया। दाता हृदय को केआईएमएस अस्पताल, कोंडापुर से एनआईएमएस, पंजागुट्टा तक तेजी से पहुंचाने के लिए 15 किलोमीटर की दूरी मात्र 17 मिनट में पूरी की गई।

जीवनदान प्रभारी डॉ. श्रीभूषण ने परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया और साइबराबाद यातायात पुलिस व हैदराबाद यातायात पुलिस को त्वरित कार्रवाई के लिए धन्यवाद दिया, जिससे दाता अंगों को शीघ्रता से पहुंचाया जा सका।

दवा निर्माताओं के लिए डीईजी और ईजी की जांच अनिवार्य

टीजीडीसीए ने जारी किए सख्त निर्देश

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना औषधि नियंत्रण प्रशासन (टीजीडीसीए) ने राज्य के सभी मौखिक तरल दवा निर्माताओं के लिए दवा उत्पादन के हर चरण में घातक औद्योगिक विलायक डाइएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) और एथिलीन ग्लाइकॉल (ईजी) की जांच अनिवार्य कर दी है। यह कदम मध्य प्रदेश में डीईजी और ईजी से दूषित कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के बाद उठाया गया।

टीजीडीसीए ने निर्देश दिए हैं कि कंपनियां मूल निर्माताओं से फार्मास्युटिकल एक्सीपिएंट्स जैसे ग्लिसरीन, प्रोपीलीन ग्लाइकॉल और सॉर्बिटोल सॉल्यूशन खरीदें और प्रत्येक कंटेनर या पैक की प्राप्ति पर डीईजी और ईजी के लिए परीक्षण करें। सभी तैयार तरल मौखिक दवाओं, जैसे खांसी और सर्दी के सिरप, को रिलीज़ से पहले डीईजी और ईजी के लिए जांचना अनिवार्य होगा।

निर्माताओं को गैस क्रोमैटोग्राफ लगाकर आंतरिक परीक्षण क्षमता स्थापित करने और सभी परीक्षण रिपोर्टों का डेटा सुरक्षित रखने की भी सिफारिश की गई है। टीजीडीसीए ने चेताया कि मानकों का पालन न करने या लापरवाही बरतने पर जिम्मेदार तकनीकी कर्मचारियों और निर्माताओं के खिलाफ औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 27(ए) के तहत कार्रवाई की जाएगी, जिसमें कम से कम दस साल की जेल और दस लाख रुपये या दवा के मूल्य से तीन गुना तक का जुर्माना हो सकता है। इसके अलावा, प्रतिकूल घटनाओं में भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत भी कार्रवाई की जा सकती है, जिसमें धारा 105 (सदोष हत्या) और धारा 2%6 (दवाओं में मिलावट) का हवाला दिया गया है।

बीसी आरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सर्वदलीय प्रयास की अपील

बीआरएस अध्यक्ष ने दिल्ली में संसदीय प्रक्रिया के माध्यम से आरक्षण दिलाने का आह्वान किया

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने पिछड़ा वर्ग (बीसी) आरक्षण को संवैधानिक मान्यता दिलाने के लिए, राष्ट्रीय स्तर पर सर्वदलीय और एकजुट प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस दोनों से सामाजिक न्याय के लिए राजनीति से ऊपर उठने का आग्रह किया और कहा कि पिछड़ा वर्ग आरक्षण केवल दिल्ली में संसदीय प्रक्रिया के माध्यम से ही हासिल किया जा सकता है, न कि केवल सड़क पर प्रदर्शन करके।

रामाराव ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी सचमुच प्रतिबद्ध हैं, तो पिछड़ा वर्ग आरक्षण का मुद्दा आसानी से सुलझ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि इंडिया ब्लॉक और एनडीए दोनों इसका समर्थन करते हैं, तो संबंधित विधेयक तुरंत कानून बन जाएगा, और बीआरएस के चार राज्यसभा सांसद इसके पक्ष में मतदान करेंगे।

राज्यसभा सांसद आर कृष्णैया और विभिन्न पिछड़ा वर्ग संगठनों के नेताओं के साथ बैठक में रामाराव ने बताया कि बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव राष्ट्रीय स्तर पर ओबीसी कल्याण विभाग की स्थापना की मांग करने वाले पहले नेता थे। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर दोमुंहेपन का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण बढ़ाने के समर्थन में विधानसभा में प्रस्ताव पारित करने के बावजूद इसे लागू करने में असफल रही।

रामाराव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की भी आलोचना की और कहा कि बीसी कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता खोखली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने केवल स्थानीय निकायों में 42 प्रतिशत आरक्षण लागू किया, जबकि इसे शिक्षा, रोजगार और सरकारी ठेकों सहित अन्य सभी क्षेत्रों में बढ़ाना चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीसी सशक्तिकरण के लिए किए गए 1 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय में से एक भी रुपये का उपयोग नहीं किया गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.